हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



अमन सहरावत
कुश्ती 57 किग्रा



कुमकुम मोहोद
तीरंदाजी महिला रिकर्व व्यक्तिगत

44 साल में पहली बार करिश्मा

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने एक साथ एशियाड में जीता सोना, ओलंपिक कोटा भी मिला

दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन : 2023 में 28 जीते थे इस बार कुल 85 मेडल, टैली में चौथा स्थान

पुरुष हॉकी टीम
फाइनल में मलेशिया को 5-1 से हराया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। 1982 में महिला हॉकी के एशियाड में आने के बाद यह पहली बार है जब दोनों भारतीय टीमों ने एक ही एशियन गेम्स में गोल्ड जीता और इसी के साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 का टिकट भी हासिल किया।

भारतीय हॉकी के लिए एशियन गेम्स 2026 ऐतिहासिक बन गया है। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने एक ही एशियाड में स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रच दिया। इसके साथ ही दोनों टीमों ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालीफाई भी कर लिया। 1982 से महिला हॉकी एशियन गेम्स का हिस्सा है, जबकि पुरुष हॉकी 1958 से एशियन गेम्स का हिस्सा है। 1982 से अब तक 44 साल में यह पहली बार है जब भारत की पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमों ने एक ही एशियन गेम्स में स्वर्ण जीता और साथ-साथ ओलंपिक का टिकट कटाया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने फाइनल में मौजूदा चैंपियन और ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को 1-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारत की ओर से लालरेमसियामी ने अपने 200वें अंतरराष्ट्रीय मैच में 10वें मिनट में मैदानी गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद भारतीय डिफेंस ने चीन के लगातार हमलों का मजबूती से सामना किया। गोलकीपर सविता पुनिया ने भी शानदार प्रदर्शन किया।

प्रणवी उर्स
गोल्फ महिला व्यक्तिगत (पहली भारतीय महिला गोल्फर)

एशियाड में भारत 21 गोल्ड जीता

पुरुष क्रिकेट टीम
फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराया

Ninh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखो
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का मास्टर कूपन
कल के अंक में देखें।

खबर संक्षेप



नायरा एनर्जी ने बढ़ाए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। निजी ईंधन खुदरा कंपनी नायरा एनर्जी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी की है। कंपनी ने पेट्रोल के दाम 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 3 रुपए प्रति लीटर बढ़ाए हैं। नई दरें शनिवार, 3 अक्टूबर से तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं। अब पेट्रोल 100.71 रुपए और डीजल 91.31 रुपए प्रति लीटर के भाव मिलेगा। कंपनी के मुताबिक इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में आई तेजी है, जिससे घरेलू ईंधन कारोबारियों पर लागत का दबाव बढ़ा है।



रिमोट से किया शुभारंभ

केंद्रीय मंत्री शाह ने भेल दशहरा मैदान में राज्य स्तरीय गो-पालक सम्मेलन में कहा

मप्र के गोपालक प्रतिदिन 50 लाख लीटर दूध उत्पादन करें

शाह ने गो-पालक सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व मप्र सरकार की खूब तारीफ की

शाह ने कहा कि भोपाल में हुआ यह विशाल गोपालक सम्मेलन मप्र में हो रही श्वेत क्रांति का एक शुभ संकेत। अब देश व मप्र को वर्ष 2029 के अंत तक नशा मुक्त बनाना हमारा लक्ष्य

सीएम डॉ. यादव ने कहा
मप्र में 80 लाख गोपालकों का समृद्ध परिवार, हमने पूरा वर्ष किसानों को किया है समर्पित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

केंद्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पशुधन (लाइव स्टॉक) और दुग्ध उत्पादन देश के किसानों और गोवंश पालकों की समृद्धि का प्रमुख आधार है। पशुधन जितना होगा, उतनी ही समृद्धि होगी। किसानों और पशुपालकों की आर्थिक समृद्धि ही हमारा लक्ष्य है। पशुधन से दुग्ध उत्पादन और दुग्ध उत्पादन से ही गोपालकों के घर समृद्धि आती है। दुग्ध उत्पादन किसानों और पशुपालकों की आय का बड़ा जरिया है। शाह ने मप्र के सभी गोपालकों से प्रतिदिन 50 लाख लीटर दूध उत्पादन का बड़ा लक्ष्य लेकर चलने की अपील करते हुए कहा कि सब मिल-जुलकर एक साथ आगे बढ़ेंगे।



उत्पादन का यह बड़ा लक्ष्य हासिल करने में केंद्र सरकार साथ



हितग्राहियों को लाभ वितरित किया

- *भारत अब दुनिया में सबसे अधिक दुग्ध उत्पादक देश*
- *देश के दुग्ध उत्पादक अग्रणी 5 राज्यों में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मप्र, गुजरात और महाराष्ट्र*

देश को वर्ष 2029 के अंत तक नशामुक्त बनाना हमारा लक्ष्य

शाह ने कहा कि देश को नक्सलवाद की समस्या से हमेशा के लिए निजात मिल गई है। उन्होंने कहा कि अब बारी पूरे देश को नशामुक्त बनाने की है। भारत को वर्ष 2029 के अंत तक नशामुक्त बनाना हमारा लक्ष्य है।

सीएम के नेतृत्व में दुग्धोत्पादन क्षेत्र में तेजी आई: शाह ने कहा कि भोपाल में हुआ यह विशाल गोपालक सम्मेलन मप्र में हो रही श्वेत क्रांति का एक शुभ संकेत है।

दूध उत्पादन में अब देश का तीसरा सबसे बड़ा राज्य है मप्र: सीएम डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र नई दुग्ध क्रांति की ओर बढ़ रहा है। हमारा लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट है कि देश का अधिकतम दुग्ध उत्पादन मप्र की धरती पर हो। उन्होंने कहा कि स्वयं केंद्रीय सहकारिता मंत्री की उपस्थिति में यहां अद्भुत राज्य स्तरीय गोपालक सम्मेलन आयोजित किया गया है। प्रदेश में 80 लाख से अधिक गोपालकों का विशाल समृद्ध परिवार है। राज्य सरकार ने गरीब युवा महिला और नारी शक्ति के कल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। किसान कल्याण वर्ष में हमने 17 विभागों को एक साथ जोड़ा है। किसानों की समृद्धि और उनकी आय बढ़ाने के लिए हमारी सरकार ने सभी तरह के प्रयास शुरू किए हैं।

भारतीय पायलट माछर से की मुलाकात

दुबई के क्राउन प्रिंस ने अस्पताल में भारतीय पायलट का चूम लिया माथा



अस्पताल पहुंचे प्रिंस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड 1073 में जानलेवा हमले के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले भारतीय पायलट कैप्टन स्मित माछर से शनिवार को दुबई के क्राउन प्रिंस और यूएई के उपप्रधानमंत्री शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने अस्पताल में मुलाकात की। उन्होंने कैप्टन माछर के साहस और जिम्मेदारी की जमकर सराहना की। अस्पताल में मुलाकात के दौरान शेख हमदान ने कैप्टन स्मित माछर से बातचीत की और उन्हें गले लगाया। तस्वीरों में वह भारतीय पायलट का माथा चूमते हुए भी नजर आए।

प्रदेश की 103 पंचायत पदों पर मतगणना

सुसनेर नप अध्यक्ष पर भाजपा जीती, कांग्रेस प्रत्याशी की हार



जेसीबी से बरसाए फूल सीएम ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में पंचायत उपचुनाव की मतगणना चल रही है। वहीं, आगर-मालवा के सुसनेर नगर परिषद अध्यक्ष पद पर भाजपा समर्थक प्रदीप सोनी ने जीत दर्ज की है। उन्होंने कांग्रेस समर्थक विष्णु पाटीदार को 960 वोटों से हराया। जीत के बाद सोनी समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ जेसीबी से फूल बरसाकर स्वागत किया। प्रदीप सोनी को 5663 और पाटीदार को 4703 वोट मिले। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी सुसनेर की जीत पर बधाई दी है।

नोएडा में दिल दहलाने वाला हादसा



संभव पिछले चार दिनों से घर से गायब था

लाल घेरे और (इंसेट) में संभव

43वीं मंजिल से कूदा युवक शरीर के हो गए कई टुकड़े

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-94 में एक ऊंची इमारत से गिरकर युवक की मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान संभव जैन के रूप में हुई है, जो हरियाणा के गुरुग्राम स्थित आईएमटी मानेसर का रहने वाला था। संभव पिछले चार दिनों से घर से गायब था और आर्थिक परेशानियों का सामना कर रहा था। पुलिस को उसके पिता के साथ हुई कुछ चैट भी मिली हैं। अभी यह साफ नहीं हुआ है कि युवक की मौत के पीछे असली वजह क्या थी।

2 जुलाई से 3 अक्टूबर तक 94 दिन मेहमान रहा मानसून

प्रदेश से 12 दिन पहले 'विदा' हुआ मानसून, चार फीसदी कम गिरा पानी

पिछले साल 13 अक्टूबर को हुई थी वापसी, 6-7 को फिर होगी बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पिछले 5 सालों के दौरान इस बार प्रदेश में मानसून की बेरुखी देखने मिली है। जिसके तहत 15 अक्टूबर को वापसी की जगह मानसून 12 दिन पहले ही प्रदेश से लौट गया है। जिसकी वजह से प्रदेश में सामान्य से औसत 4 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है, हालांकि पूर्वी जिलों में 12 फीसदी अधिक बारिश हुई है, जबकि पश्चिमी क्षेत्र में चार फीसदी कम बारिश दर्ज की गई। ग्यारह जिलों में 80 फीसदी से कम बारिश होने से यहां सूखे के हालात बन सकते हैं। इस बार शुरु से ही मानसून का मिजाज ठीक नहीं था, जिसके तहत बारिश का सिस्टम कमजोर बना हुआ था।

पूर्वी क्षेत्र के जिलों में चार फीसदी ज्यादा पश्चिमी में 12 फीसदी कम हुई बारिश



एयरपोर्ट रोड का दृश्य शाम 5 बजे

तीन दिन बाद दर्जन भर जिले भीगेंगे

मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा का कहना है कि छह और सात अक्टूबर को लोकल सिस्टम बनने से सिंगरौली, श्योपुर कलां, मुरैना, भिंड, रीवा, सीधी, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी कटनी और जबलपुर में बारिश होगी।

पांच साल में सबसे कम बारिश, 11 जिले सूखे

प्रदेश के आधे हिस्से में सूखे जैसे हालात हैं। 55 में से 30 जिलों में सामान्य बारिश का कोटा पूरा नहीं हुआ है। इनमें भी 11 जिले ऐसे हैं, जहां 80 फीसदी से कम पानी गिरा। आलीराजपुर में तो आधी बारिश भी नहीं हुई। पश्चिमी हिस्से, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, ग्वालियर-चंबल संभाग में 12 प्रतिशत तक कम पानी गिरा। पूर्वी हिस्से जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में 4 फीसदी ज्यादा बारिश हुई।



खबर संक्षेप

बंगाल विस स्पीकर की तबीयत बिगड़ी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष रथिंद्र बोस को शुक्रवार रात सीने में तेज दर्द



की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनका पूर्वी कोलकाता में ईस्टर्न मेट्रोपॉलिटन बाईपास के पास एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनकी स्वास्थ्य स्थिति लगभग स्थिर है। शुक्रवार को 2कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था।

कैश फॉर जॉब मामले में सुनवाई फिर टली

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने जमीन के बदले नौकरी से जुड़े लारा प्रोजेक्ट मनी लॉन्ड्रिंग केस में



औपचारिक रूप से आरोप तय करने की कार्यवाही शनिवार को टाल दी। अब अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और राबड़ी तथा पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी कोर्ट पहुंचे।

बैंक के 16.35 करोड़ लौटाए, फिर भी जेल

पंचकूला। बैंक धोखाधड़ी मामले में पंचकूला स्थित सीबीआई की विशेष मजिस्ट्रेट अदालत ने दोषी



सुशील कुमार गर्ग को 1 साल की सजा सुनाई है। उस पर 15 हजार जुर्माना भी लगाया है। दोषी ने मुकदमे के दौरान बैंक की पूरी बकाया राशि 16.35 करोड़ चुका दी थी। इस मामले में दोषी की ओर से कहा गया कि वह परिवार का इकलौता कमाने वाला है।

राहुल ने लॉन्च किया 'सत्याग्रह' पोर्टल, कहानी साझा करने की अपील की

'संघर्ष जोड़ो, भारत जोड़ो' के तहत देशभर से जानकारी जुटाएंगे और लोगों को भी जोड़ेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को 'सत्याग्रह' नाम का डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य देशभर में चल रहे अलग-अलग विरोध प्रदर्शनों और आंदोलनों की जानकारी को एक जगह जुटाना और समान मुद्दों पर संघर्ष कर रहे लोगों को जोड़ना है। राहुल ने एक्स पर वीडियो पोस्ट कर लोगों से अन्याय के खिलाफ अपने संघर्ष की कहानी साझा करने की अपील की। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारी अपने मुद्दे की जानकारी प्लेटफॉर्म पर दर्ज कर सकते हैं। इसके अलावा इंटरैक्टिव मैप के जरिए देश के अलग-अलग हिस्सों में समान मुद्दों पर चल रहे आंदोलनों को भी देखा जा सकता है। राहुल ने कहा कि देशभर में कई लोग अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं और कई बार उन्हें अकेले अपनी आवाज उठानी पड़ती है। उन्होंने छात्रों, किसानों, आदिवासियों, दलितों और महिलाओं से जुड़े आंदोलनों का जिक्र किया।

अलग आवाजों को एक नक्शे पर लाने की कोशिश की



आंदोलन का डिजिटल प्लेटफॉर्म

लोगों का संघर्ष दिखेगा

अकेले उठने वाली आवाज दब सकती है। ऐसे में 'सत्याग्रह' के जरिए इन आवाजों को एक नक्शे पर लाने की कोशिश की गई है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अगर वे किसी अन्याय के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं तो कहानी साझा करें। वह कहानी प्लेटफॉर्म के मैप पर दिखाई देगी और लोग यह भी देख सकेंगे कि देश के दूसरे हिस्सों में कौन लोग इसी तरह के मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं।

संसद और सड़क पर साथ देने की बात

राहुल ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के तौर पर वह जरूरत के मुताबिक इन मुद्दों को संसद में उठाने, सड़कों पर लोगों के साथ खड़े होने और पत्र लिखने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि जहां भी उनकी जरूरत होगी, वह लोगों के साथ खड़े होने का प्रयास करेंगे। राहुल गांधी ने इसे नेता प्रतिपक्ष के तौर पर अपनी जिम्मेदारी बताया।

महंगाई, किसान और महिला सुरक्षा

राहुल ने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों में कई मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अलग-अलग चल रहे इन प्रदर्शनों की जानकारी को एक जगह लाने के उद्देश्य से वेबसाइट शुरू की गई है। राहुल ने कहा कि उनका प्रदर्शन बड़ा हो या छोटा, वे वेबसाइट पर उसकी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए नाम, समूह का नाम और प्रदर्शन किस मुद्दे को लेकर है, इसकी जानकारी दें। यदि किसी आंदोलन या प्रदर्शन को उनकी मदद की जरूरत होगी या लोग उनसे समर्थन मांगेंगे तो देंगे।

खरगे ने कहा- लोकसभा और विधानसभाएं भंग करो

गैरकानूनी तरीके से पद पर हैं मोदी-शाह, बैलेट पेपर से हों चुनाव

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं



को भंग करने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि सभी चुनाव गैर-कानूनी हैं और इसी आधार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राज्यों के मुख्यमंत्री भी गैर-कानूनी हैं। खरगे ने मांग की कि सभी सदनों को भंग कर नए सिरे से चुनाव कराए जाएं और इन चुनावों में ईवीएम की जगह बैलेट पेपर का इस्तेमाल हो। पत्रकारों से बातचीत में खरगे ने कहा कि आज पूरा देश गैर-कानूनी चुनावों के आधार पर चल रहा है। मोदी एक गैर-कानूनी प्रधानमंत्री हैं, शाह एक गैर-कानूनी मंत्री हैं और जहां भी मुख्यमंत्री चुने गए हैं, वे सभी गैर-कानूनी हैं।

एसआईआर को लेकर साधा निशाना

कर्नाटक में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने देश के कई राज्यों में चल रही एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में कई गड़बड़ियां हैं और सरकार की ओर से कई गलतियां की जा रही हैं। इसका सीधा असर लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर पड़ रहा है और लोकतंत्र कमजोर हो रहा है।

मध्य प्रदेश-कर्नाटक संगम की पहल

सांस्कृतिक खोज और युवा आदान-प्रदान यात्रा शुरू की

सातवें चरण का आयोजन



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शिक्षा मंत्रालय का उच्च शिक्षा विभाग, युवाओं के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत युवा संगम के सातवें चरण का आयोजन कर रहा है। मध्य प्रदेश कर्नाटक प्रतिनिधिमंडल, जिसके लिए स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, भोपाल नोडल संस्थान है, को 26 सितंबर को रवाना किया गया। यह प्रतिनिधिमंडल कर्नाटक की समृद्ध विरासत, परंपराओं, खान-पान, प्राकृतिक परिदृश्यों और सांस्कृतिक विविधता का अनुभव करने के लिए कर्नाटक का दौरा कर रहा है। पर्यटन, परंपरा, प्रगति, परस्पर संपर्क और प्रौद्योगिकी ये स्तंभ प्रतिभागियों को सांस्कृतिक, सामाजिक, शैक्षणिक, तकनीकी और विकास को जानने-समझने का अवसर प्रदान करेंगे।

देश की कला और विरासत को समझा

इस यात्रा का एक प्रमुख आकर्षण 1 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल की कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत के साथ हुई बातचीत थी। इस संवाद ने युवा प्रतिनिधियों को कर्नाटक की सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानने तथा राष्ट्रीय एकता और लोगों के बीच आपसी संपर्क को मजबूत करने में युवाओं की भूमिका को समझने का अवसर प्रदान किया। सांस्कृतिक और शैक्षणिक अनुभव के तहत प्रतिनिधियों ने बीदर किला और भारतीय प्रबंधन संस्थान, आईआईएम बेंगलुरु का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने 30 सितंबर को पद्म-श्री से सम्मानित प्रसिद्ध बिदरीवेयर कलाकार श्री रशीद अहमद कादरी से भी मुलाकात की। इससे शिल्पकला, इसकी समृद्ध विरासत तथा भारत के पारंपरिक ज्ञान और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के महत्व को समझा।

आपसी समझ और संस्कृति को जाना

प्रतिनिधियों ने गुरुद्वारा श्री नानक झीरा साहिब में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का अनुभव किया। इससे विविध धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को जाना। यात्रा का उद्देश्य अनुभवात्मक अधिगम और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के युवाओं के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देना और आपसी संपर्क को मजबूत करना है। यह पहल देश की सांस्कृतिक परंपराओं, शैक्षणिक संस्थानों, नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और विकासात्मक पहलों का अनुभव करने का अवसर प्रदान करती है।

संत प्रेमानंद के आश्रम के बाहर धरने पर बैठा हाथरस का परिवार

एजेंसी ▶▶ वृंदावन

3 महीने पहले संत प्रेमानंद से प्रभावित होकर सादाबाद के गांव बरामनी निवासी 16 वर्षीय अनुज चौधरी की तलाश में जब स्वजन एक दिन पहले मिलने पहुंचे तो मिलने नहीं दिया। स्वजन के साथ ग्रामीणों ने अनुज से मिलवाने को धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। श्रीराधा केली कुंज के बाहर शुक्रवार को दोपहर साढ़े 12 बजे राजवीर चौधरी अपने बेटे अनुज चौधरी की तलाश में संत प्रेमानंद के श्री राधा केलिकुंज आश्रम आए तो बेटे से मिलने नहीं दिया। राजवीर चौधरी ने बताया अनुज ने 26 जून को संत प्रेमानंद से दीक्षा ली और घर आ गया। इसके बाद तीन जुलाई को घर से संत प्रेमानंद के दर्शन की बात कहकर निकला और फिर नहीं लौटा, तो दो दिन बाद वे बेटे की खोज में वे केलिकुंज पहुंचे तो बेटे से मिलने नहीं दिया।

सुप्रीमकोर्ट को जबरन सलाह दी, अब देना होगा जवाब

एजेंसी:नई दिल्ली। यह मामला पश्चिम बंगाल के एक ट्रायल कोर्ट के जज से जुड़ा है, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट को बिना मांगी सलाह देना भारी पड़ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने उनके इस व्यवहार पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उनसे जवाब तलब किया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ) ने मई में एक विचाराधीन कैदी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए निचली अदालत को 3 महीने के भीतर ट्रायल पूरा करने का आदेश दिया था। आरोपी पिछले 5 साल से जेल में बंद था। तय समय समें ट्रायल पूरा नहीं हुआ, तो उत्तर 24 परगना के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (तीसरी अदालत) ने सुप्रीम कोर्ट के असिस्टेंट रजिस्ट्रार से और समय मांगा। पत्र के आखिर में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को 'जमानत कानून' सिखाना शुरू कर दिया।

समर्थ युवा, सशक्त भारत

सीएम यूथ कॉन्क्लेव 2026



युवाओं के लिए अवसर, कौशल, रोज़गार और नवाचार से जुड़ी जानकारी एवं संभावनाओं का मंच

6 अक्टूबर, 2026 । लाल परेड ग्राउंड, भोपाल



स्टार्टअप एवं उद्यमिता
- युवा उद्यमियों और स्टार्टअप्स की सहभागिता। फार्मास्युटिकल, मैन्युफैक्चरिंग, AI/मशीन लर्निंग और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों के स्टार्टअप्स की प्रस्तुति

युवा नवाचार एवं प्रदर्शन
- AI, साइबर सिक्योरिटी, ड्रोन टेक्नोलॉजी, विज्ञान एवं नवाचार, कृषि क्षेत्र में रोज़गार, फ्यूचर रेडी एजुकेशन और टेक्नोलॉजी से जुड़े प्रदर्शन

कॅरियर एवं कौशल के अवसर
- कौशल विकास, कॅरियर मार्गदर्शन और रोज़गार से जुड़ी जानकारी एक ही स्थान पर

शासकीय योजनाओं की जानकारी
- पात्रता, पंजीयन, आवेदन प्रक्रिया, प्रशिक्षण और उपलब्ध सुविधाओं से संबंधित स्टॉल

सार्वजनिक एवं निजी विश्वविद्यालयों की सहभागिता
- विश्वविद्यालयों द्वारा कॅरियर मार्गदर्शन, नवाचार, उद्यमिता, तकनीकी शिक्षा एवं रोज़गार के अवसरों की जानकारी

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11133/26

युवा अधिक से अधिक सहभागिता करें

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

जबलपुर, रविवार 4 अक्टूबर 2026 ■ आश्विन मास कृष्ण पक्ष-8 ■ वर्ष : 21, अंक : 152 ■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 * मौसम अधि. 34 न्यून. 21 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

32 देशों के सैन्य प्रतिनिधियों ने स्टेचू ऑफ यूनिटी का किया दौरा

'सरदार' को सैल्यूट

भारत की सांस्कृति और रक्षा निर्माण से हुए परिचित

भारतीय वायुसेना द्वारा यह मेगा बहुराष्ट्रीय एयर एक्सरसाइज 26 सितंबर से 12 अक्टूबर तक जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित की जा रही है, जिसकी थीम पावर इन पार्टनरशिप है

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

बहुराष्ट्रीय युद्धाभ्यास 'तरंग शक्ति 2026' में शामिल 32 देशों के सैन्य पर्यवेक्षकों और प्रतिनिधियों ने गुजरात के केवड़िया में स्थित स्टेचू ऑफ यूनिटी का दौरा किया। विदेशी मेहमानों ने दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टेचू ऑफ यूनिटी के साथ-साथ आरोग्य वन और गुजरात में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (सी-295 विमान निर्माण सुविधा) का भी दौरा किया। इस यात्रा का उद्देश्य विदेशी सैन्य अधिकारियों को भारत की सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय एकता के प्रतीक और स्वदेशी एयरोस्पेस रक्षा निर्माण क्षमताओं से परिचित कराना था। गौर हो कि भारतीय वायुसेना द्वारा यह मेगा बहुराष्ट्रीय एयर एक्सरसाइज 26 सितंबर से 12 अक्टूबर 2026 तक जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित की जा रही है, जिसकी थीम पावर इन पार्टनरशिप है। इस अभ्यास में कई वैश्विक वायुसेनाएं और 32 देशों के पर्यवेक्षक हिस्सा ले रहे हैं।



खबर संक्षेप

जेल में अमित का अनशन महिलाओं का सत्याग्रह

पन्ना। मझगांव डैम परियोजना से प्रभावित और विस्थापित आदिवासी परिवारों का चिता आंदोलन शनिवार को 22वें दिन और अधिक उग्र रूप में पहुंच गया। एक तरफ जेल में बंद आंदोलन के अगुआ अमित भटनागर का आमरण अनशन लगातार छठे दिन भी जारी रहा, वहीं दूसरी तरफ आंदोलन स्थल पर प्रभावित महिलाओं और ग्रामीणों ने गले में रस्सी का फंदा डालकर पानी के बीच सत्याग्रह शुरू कर दिया।



इंदौर में निगम कर्मचारी ने जहर खाया, भर्ती

इंदौर। नगर निगम में 10 साल से ड्राइवर धर्मेंद्र धारू ने शनिवार को जहर पीकर जान देने की कोशिश की है। धारू ने जहर पीने से पहले वीडियो बनाया, जिसमें उधारी और ब्याज के रुपए वापस लेने के लिए चार लोगों पर दबाव बनाने का आरोप लगाया है। धारू एमवाय अस्पताल में भर्ती हैं जहां उनका इलाज चल रहा है। उसने कहा मैं धर्मेंद्र लाहौर हूं। मैं भंवर धावरे जी से परेशान हूं। मेरे से पैसों की मांग की जा रही है।



सांसद बचीं, डीएसपी की गाड़ी ने मारी टक्कर

भोपाल। प्रदेश से राज्यसभा सांसद माया नारोलिया शनिवार को एक हादसे में बाल-बाल बच गईं। यह घटना भोपाल के पास रायसेन जिले के मंडीदीप क्षेत्र में हुई। जानकारी के मुताबिक नारोलिया भोपाल जा रही थीं। उनकी गाड़ी जैसे ही मंडीदीप में खेड़ापति माता मंदिर के पास पहुंची, ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इससे काफिले में पीछे चल रही डीएसपी की गाड़ी ने उनकी गाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी।



संसदीय समितियों में फेरबदल: थरूर, चन्नी और अनुराग को फिर मिली जिम्मेदारी

सुधांशु वाणिज्य समिति... काकोली रसायन मंदसौर सांसद गुप्ता होंगे रेलवे समिति प्रमुख

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसदीय समितियां सांसदों का एक छोटा समूह होती हैं जो संसद के बड़े कार्यों को संभालने, विधेयकों की गहराई से जांच करने और वित्तीय मामलों की निगरानी करने के लिए कार्य करती हैं

संसदीय समितियों के अध्यक्षों की नई सूची में कई बदलाव किए गए हैं। भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी को वाणिज्य समिति का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि शशि थरूर, चरणजीत सिंह चन्नी और अनुराग ठाकुर सहित कई नेताओं को फिर जिम्मेदारी मिली है। काकोली घोष दस्तीदार और सुधीर गुप्ता ने क्रमशः रसायन एवं उर्वरक तथा रेलवे समितियों में नए अध्यक्ष के रूप में जगह बनाई है।

रक्षा और वित्त समितियों की जिम्मेदारी भी नए नेताओं को सौंपी गई है। संसदीय समितियों के अध्यक्षों की नई सूची में कई नेताओं को दोबारा जिम्मेदारी दी गई है, जबकि कुछ समितियों की कमान नए नेताओं को सौंपी गई है। भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी को वाणिज्य संबंधी समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की डोला सेन की जगह ली है। वहीं, कांग्रेस के शशि थरूर को विदेश मामलों की समिति का अध्यक्ष फिर नियुक्त किया गया है। कृषि समिति की जिम्मेदारी भी कांग्रेस के चरणजीत सिंह चन्नी के पास बनी रहेगी।

थरूर विदेश मामलों की समिति के फिर अध्यक्ष


शशि थरूर


सुधांशु त्रिवेदी


काकोली घोष


सुधीर गुप्ता

- **कृषि समिति की जिम्मेदारी भी कांग्रेस के चरणजीत सिंह चन्नी के पास ही**
- **रक्षा समिति की जिम्मेदारी राधा मोहन सिंह को सौंपी गई है**
- **संसद में विभागों से संबंधित स्थायी संसदीय समितियां 24**

किन समितियों के अध्यक्ष बदले गए

- **वाणिज्य समितिः** भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी को अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की डोला सेन की जगह ली है
- **कार्मिक, लोक शिकायत, कानून एवं न्याय समितिः** भाजपा के सुजीत कुमार को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है
- **रसायन एवं उर्वरक समितिः** तृणमूल कांग्रेस की काकोली घोष दस्तीदार ने कीर्ति आजाद की जगह ली है
- **रेलवे समितिः** भाजपा के सुधीर गुप्ता को अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने सीएम रमेश की जगह ली है
- **रक्षा समितिः** राधा मोहन सिंह को अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है
- **उद्योग समितिः** द्रमुक के तिरुचि शिवा समिति की कमान

किन नेताओं को फिर से अध्यक्ष बनाया गया?

- **विदेश और कृषिः** कांग्रेस के शशि थरूर विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष फिर नियुक्त हुए हैं, जबकि चरणजीत सिंह चन्नी कृषि समिति के अध्यक्ष बने रहेंगे।
- **परिवहन और ऊर्जाः** संजय कुमार झा को परिवहन समिति का अध्यक्ष फिर बनाया गया है। शिवसेना के श्रीरंग बारणे ऊर्जा समिति के अध्यक्ष पद पर दोबारा नियुक्त हुए हैं।
- **गृह और सूचना प्रौद्योगिकीः** भाजपा के राधा मोहन दास अग्रवाल गृह मामलों की समिति के अध्यक्ष बने रहेंगे। निशिकांत दुबे को संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी समिति की जिम्मेदारी फिर मिली है।
- **कोयला, खान और इस्पातः** भाजपा के अनुराग ठाकुर इस समिति के अध्यक्ष बने रहेंगे।
- **विज्ञान एवं पर्यावरणः** भाजपा की मेधा विश्राम कुलकर्णी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन संबंधी समिति की अध्यक्ष बनी रहेंगी।

हत्याएं क्यों की? इसका पता नहीं चल सका

युवक ने नाना-नानी, मां और बहन को मार डाला



एक की आंखें फोड़ी, मामा बोले- पत्थर से कुचला, परिवार खत्म कर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अनूपपुर

अनूपपुर में शनिवार को एक युवक ने अपनी नानी, नाना, मां और मामा की बेटी की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। हमले में नाना की आंखें भी फोड़ दी। परिवार के तीन लोग घायल हुए हैं, जबकि हमले में घायल पुजारी गंगाराम का भी इलाज चल रहा है। वारदात अमोदा गांव की है। करनपठार पुलिस के मुताबिक, आरोपी को हिरासत में लिया गया है। मृतकों में 70 वर्षीय नानी भन्नी बाई गोंड, 75 वर्षीय नाना संपत सिंह गोंड, 50 वर्षीय मां अनूपिया बाई और मामा की बेटी मोनिका शामिल हैं।

तीन भारी वाहन आपस में टकराए

खड़े ट्रॉले में घुस गया ट्रेलर कंटेनर पुलिया से टकराया

क्लीनर की मौत हो गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धार



धार जिले के सरदारपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत स्टेट हाईवे-35 सरदारपुर-भैंसोला मार्ग पर शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात मौलाना फाटे से कुछ दूरी पर एचपी पेट्रोल पंप के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। तीन भारी वाहन हादसे की चपेट में आ गए। हादसे में एक क्लीनर की मौत हो गई, जबकि चालक और परिचालक घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सड़क किनारे खड़ा ट्रॉला करीब 30 फीट दूर तक घसीटा चला गया। तीनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि एक कंटेनर पुलिया के पास लटक गया।

भाजपा सांसद गजेंद्र हिंदुओं से बोले

5 बच्चे पैदा करो..'हम दो, हमारे पांच' का दिया नारा



कहा- जनसंख्या संतुलन बिगड़ा तो अल्पसंख्यक हो जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बड़वानी

खरगोन-बड़वानी सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने हिंदू परिवारों से कम से कम 5 बच्चे पैदा करने की अपील की। उन्होंने 'हम दो, हमारे पांच' का नारा देते हुए कहा कि जनसंख्या में संतुलन नहीं रहा तो हिंदू समाज अल्पसंख्यक हो सकता है। उन्होंने युवाओं से समय पर शादी करने और परिवार बढ़ाने की बात कही। पटेल बड़वानी जिला मुख्यालय के कालिका माता मंदिर में नवरात्रि के बाद होने वाले भंडारे को लेकर हुई बैठक में बोल रहे थे। बैठक में कांग्रेस विधायक राजन मंडलोई, पूर्व मंत्री प्रेमसिंह पटेल जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद थे।

आप नेताओं की कथनी और करनी पर सवाल उठाए

आप की राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ कांग्रेस में गईं



नेता प्रतिपक्ष राहुल की तारीफ की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ शनिवार को कांग्रेस में शामिल हो गईं। वह 2013 में आप से जुड़ी थीं और पार्टी में कई संगठनात्मक जिम्मेदारियां संभाल चुकी हैं। 2023 में उन्हें राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता बनाया गया था। कांग्रेस में शामिल होने के बाद कक्कड़ ने आप की शुरुआती नीतियों और बाद के तौर-तरीकों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वह ऐसे मोड़ पर पहुंच गई थीं, जहां उन बातों का बचाव करना संभव नहीं रह गया था, जिनका बचाव किया ही नहीं जा सकता। कक्कड़ ने राहुल गांधी की तारीफ करते हुए उनके लचीलेपन और ईमानदारी की बात कही।

राहुल से मिले स्वामी प्रसाद, गठबंधन में शामिल होंगे


स्वामी प्रसाद मौर्य

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इंडिया गठबंधन का हिस्सा बनेगी।

बैतूल-इंदौर हाईवे पर हुआ हादसा

हार्वेस्टर से टकरा गई कार युवक की गर्दन अलग हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बैतूल


अंकित चंदेल (मृतक)

बैतूल-इंदौर फोरलेन पर चिचोली थाना क्षेत्र के कुम्हली-दनोरा के बीच शुक्रवार रात कार और हार्वेस्टर की टक्कर हो गई। हादसे के बाद कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें कार सवार 20 वर्षीय अंकित चंदेल की मौके पर मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि उसकी गर्दन धड़ से अलग हो गई। उसका साथी रेमोन पवार गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे बैतूल से प्राथमिक उपचार के बाद नागपुर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार गढ़ा निवासी अंकित चंदेल फार्मेसी का छात्र था और मेडिकल पर भी काम करता था। शुक्रवार रात वह अपने दोस्त रेमोन पवार के साथ कार (एमपी 48 जेडई 1111) से बैतूल से चिचोली की ओर जा रहा था।

गूगल का नया वॉयस-बेस्ड इमरजेंसी एसओएस फीचर

सिर्फ 'आवाज' से भेज सकेंगे अलर्ट पावर बटन को नहीं दबाना होगा 5 बार

यूजर के लगातार तीन बार हेल्प बोलने पर यह फीचर एक्टिवेट हो जाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



काम की खबर

टेक कंपनी गूगल अपने एंड्रॉयड यूजर्स की सुरक्षा मजबूत करने के लिए एक नए वॉयस-बेस्ड इमरजेंसी एसओएस फीचर पर काम कर रही है। एंड्रॉयड अथॉरिटी की रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी मदद से यूजर सिर्फ अपनी आवाज से चुने हुए कॉन्टैक्ट्स को एसओएस अलर्ट भेज सकेंगे। अभी इमरजेंसी एसओएस एक्टिवेट करने के लिए पावर बटन को पांच बार दबाना पड़ता है। इस सिस्टम में बिना कोई बटन दबाए अलर्ट चला जाएगा और इमरजेंसी में सबसे पहले रिस्पॉन्ड करने वालों को कॉल भी लग जाएगी। यह फीचर अभी सामान्य यूजर्स के लिए रोलआउट नहीं हुआ है, लेकिन इसे पर्सनल सेफ्टी एप के बिल्ड वर्जन 2026.09.16.982745548 में स्पॉट किया गया है। यूजर्स को एसओएस अलर्ट भेजने के लिए हैंड्स-फ्री तरीका चुनने का ऑप्शन मिल सकता है। यूजर के लगातार तीन बार हेल्प बोलने पर यह फीचर एक्टिवेट होगा।

भारत के पहले 5.56 किमी के फ्री-स्पेस क्वांटम के डिस्ट्रीब्यूशन लिंक का प्रदर्शन

कोई भी हैकर या तीसरा पक्ष डेटा पढ़ या चुरा नहीं सकता क्योंकि छेड़छाड़ होते ही क्वांटम स्थिति तुरंत बदल जाएगी

इसके लिए महंगे ऑप्टिकल फाइबर बिछाने की जरूरत नहीं पड़ती

यह तकनीक भविष्य में जमीनी स्टेशनों और अंतरिक्ष में मौजूद उपग्रहों के बीच सुरक्षित संपर्क स्थापित करने का मुख्य आधार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के पहले फ्री-स्पेस क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन (क्यूकेडी) लिंक का 5.56 किमी की दूरी पर सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया है। क्यूएनयू लैब्स ने भास्करचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लीकेशन एंड जियो-इन्फॉर्मेटिक्स (बीआईएसएजी-एन) और आईआईटी गांधीनगर के साथ मिलकर यह उपलब्धि हासिल की। यह क्षेत्र परीक्षण 27-28 सितंबर की रात को किया गया। इसमें बीआईएसएजी-एन और आईआईटी गांधीनगर के बीच सुरक्षित क्वांटम कम्युनिकेशन चैनल स्थापित किया गया। क्यूएनयू लैब्स के पॉइंटिंग, एक्विजिशन और ट्रैकिंग सिस्टम का उपयोग हुए, इस परीक्षण में 5% से कम का स्थिर क्वांटम बिट एरर रेट हासिल किया गया।

अलग खबर



सैटेलाइट-आधारित क्वांटम कम्युनिकेशन का मार्ग प्रशस्त

इस प्रदर्शन में क्वांटम सुरक्षा की दो पूरक परतों को मिलाया गया। ये परतें हैं -फ्री-स्पेस ऑप्टिकल चैनलों पर क्यूएनयू लैब्स का हार्डवेयर-आधारित क्यूकेडी डिवाइस आर्मोस और क्वांटम रैंडम नंबर जनरेशन के साथ बीसाग-एन का वैदिक कवच सॉफ्टवेयर-आधारित पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी। यह इंटीग्रेटेड आर्किटेक्चर तब भी सुरक्षा सुनिश्चित करता है जब फिजिकल क्वांटम चैनल कुछ समय के लिए उपलब्ध न हो।



दृश्यम 3: बॉक्स ऑफिस पर मचाया तहलका...

मुंबई। अजय देवगन की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'दृश्यम 3: द कन्क्लूजन' ने सिनेमाघरों में आते ही बॉक्स ऑफिस पर ऐसा तूफान मचाया है कि बड़े-बड़े रिकॉर्ड पीछे छूट गए। अभिषेक पाठक के डायरेक्शन में बनी 'दृश्यम 3' 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के मौके पर रिलीज हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन भारत में 66.75 करोड़ रुपए नेट कलेक्शन किया है। वहीं इसका इंडिया ग्रॉस कलेक्शन 80.10 करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। विदेशों में फिल्म ने करीब 15 करोड़ रुपए कमाए हैं। इस तरह फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन पहले दिन ही 95.10 करोड़ रुपए हो गया।

लाइफ Style

यामी

पॉजिटिव रिस्पॉन्स से खुश

एजेंसी ▶▶ मुंबई

यामी गौतम की अपकमिंग फिल्म 'नई नवेली' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ती जा रही है। दशहरा के मौके पर 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली इस फैंटेसी फैमिली एंटरटेनर के ट्रेलर को मिल रहे पॉजिटिव रिस्पॉन्स से एक्ट्रेस भी काफी खुश हैं।

इसी बीच यामी अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए पटना पहुंचीं, जहां फैंस ने उनका जोरदार स्वागत किया। फिल्म में फैंटेसी, ह्यूमर और एक्शन के साथ भारतीय परिवारों से जुड़े कई ऐसे पहलुओं को दिखाया गया है, जिनसे दर्शक खुद को जोड़ सकेंगे। पटना पहुंचने पर यामी गौतम धर का फैंस ने ढोल-नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया। एक्ट्रेस भी अपने चाहने वालों से मिले प्यार को देखकर काफी खुश नजर आईं। इस दौरान उन्होंने फैंस के साथ फिल्म के ट्रेलर को मिल रहे रिस्पॉन्स का जश्न मनाया और उनका आभार जताया। 'नई नवेली' के ट्रेलर में यामी एक अलग और पहले से हटकर अंदाज में नजर आ रही हैं, जिसे लेकर दर्शकों के बीच फिल्म को देखने की उत्सुकता बनी हुई है।

फिल्म प्रमोशन के बीच यामी गौतम धर ने पटना साहिब गुरुद्वारे में भी मत्था टेका। यहां उन्होंने कुछ वक्त शांति के साथ बिताया और फिल्म की रिलीज से पहले आशीर्वाद लिया। पवित्र स्थल पर पहुंचकर यामी ने आभार व्यक्त किया। पटना दौरे के दौरान एक्ट्रेस का फैंस के साथ जुड़ना और गुरुद्वारे में दर्शन करना उनके प्रमोशनल सफर का खास हिस्सा रहा।



हॉलीवुड मसाला



कानूनी पचड़े में फंसी सिंगर...

लॉस एंजेलिस। मशहूर ब्रिटिश सिंगर ओलिविया डीन पर साहित्यिक चोरी का आरोप लगा है। यह आरोप उनके गाने 'आई हैव सीन इट' को लेकर लगाया गया है। इसे लेकर वे कानूनी मुसीबत में घिर गई हैं। ओलाविया पर आरोप है कि उन्होंने बिल विथर्स के गाने 'जस्ट द टू ऑफ अस' की नकल की है। सिंगर ओलिविया डीन पर एक म्यूजिक पब्लिशर ने आरोप लगाया है कि 'आई हैव सीन इट' गाने में बिल विथर्स के 1981 के मशहूर गाने 'जस्ट द टू ऑफ अस'के कुछ हिस्सों की नकल की गई है।



वर्ल्ड वॉर जेड के सीक्वल की तैयारी

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड के दिग्गज एक्टर ब्रैड पिट के फैंस के लिए खुशखबरी है। उनकी 2013 की सुपरहिट हॉरर-एक्शन फिल्म 'वर्ल्ड वॉर जेट' के सीक्वल की तैयारी शुरू हो गई है। ब्रैड पिट एक बार फिर जॉम्बीज से जंग लड़ते नजर आने वाले हैं। 62 साल के एक्टर इस फिल्म में एक बार फिर गेरी लेन के किरदार में वापसी करेंगे। जबकि 'ऑल क्वाइट ऑन द वेस्टर्न फ्रंट' और 'कॉनस्लेव' जैसी फिल्मों के डायरेक्टर एडवर्ड बर्गर इसकी कमान संभालेंगे। पैरामाउंट पिक्चर्स इस लंबे समय से अटके प्रोजेक्ट को आगे बढ़ा रही है। 'वर्ल्ड वॉर जेड' के सीक्वल का सफर काफी लंबा रहा है। इससे पहले डेविड फिंचर के साथ फिल्म का एक वर्जन तैयार किया जा रहा था, लेकिन 2019 में वह प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ सका।



कोमल रानी ने अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

मुंबई। एक्टर गोविंदा और एक्ट्रेस कोमल रानी स्वर्णकार इन दिनों अपने कथित अफेयर को लेकर सुर्खियों में हैं। दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया है, जिसके बाद उनके अफेयर की चर्चाएं तेज हो गईं। इस मामले में दिव्या खोसला और कश्मीरा शाह समेत कुछ सेलेब्स ने भी सुनीता आहूजा का सपोर्ट करते हुए कोमल रानी पर सवाल उठाए थे। अब एक्ट्रेस ने पहली बार इन तमाम बातों पर खुलकर जवाब दिया है। कोमल रानी ने गोविंदा के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म 'रूपा' का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों का साथ नजर आना काम का हिस्सा है। कोमल रानी ने अपने आलोचकों को जवाब देते हुए कहा कि वह और गोविंदा साथ काम कर रहे हैं और आगे भी साथ नजर आएंगे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर किसी को इससे परेशानी है तो वह जल सकता है।



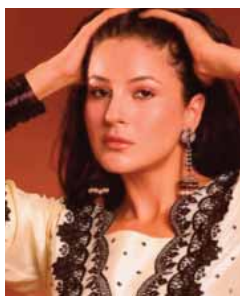
अर्जुन की थ्रिलर फिल्म का हुआ ऐलान

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल ने 'धुरंधर' में मेजर इकबाल का किरदार निभाया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। अब उनके चाहने वालों के लिए एक अच्छी खबर है। दरअसल, एक्टर की नई थ्रिलर फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम '3 मंकीज' है। फिल्म में अर्जुन रामपाल के साथ विशाल जेठवा, मुस्तफा बर्मावाला और तेनजिन दल्हा भी नजर आने वाले हैं और इसका निर्देशन अब्बास-मस्तान ने किया है। '3 मंकीज' का कैंपेन 'थ्री वाइज मंकीज' की मशहूर सोच को आज के समय के हिसाब से नए अंदाज में पेश करता है। मोशन पोस्टर में फिल्म के मुख्य किरदारों की झलक दिखाई गई है, लेकिन कहानी को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।'3 मंकीज' को अल्लारखा वोहरा, फारूक वोहरा और सईद वोहरा ने प्रोड्यूस किया है।

टीवी मसाला

अफवाहें फैलाने वालों पर तंज बोलीं- मेरी वजह से व्यूज मिल जाएं

मुंबई। शहनाज गिल अपने बेबाक और मजाकिया अंदाज के लिए जानी जाती हैं। उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर फैंस के बीच काफी दिलचस्पी रहती है। यही वजह है कि उनके बारे में अक्सर अफवाहें और कई तरह की खबरें सामने आती रहती हैं। कभी उनके लिंकअप की खबरें आती हैं तो कभी उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाता है। हालांकि, शहनाज इन बातों को गंभीरता से लेने के बजाय मजाकिया अंदाज में जवाब देती हैं। हाल ही में एक बातचीत के दौरान शहनाज ने अपने बारे में छपने वाली खबरों और सुर्खियों पर बात की। उन्होंने कहा कि वह समझ सकती हैं कि ऐसी खबरें बनाने वालों का मकसद क्या होता है। शहनाज के मुताबिक, लोगों को खबरें बेचने के लिए कभी-कभी खराब या चटपटी हेडलाइन का सहारा लेना पड़ता है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, जो लोग हेडलाइन बनाते हैं, मैं उनका इरादा समझ सकती हूं। उन्हें व्यूज चाहिए, वरना वो बेचारे न्यूज कैसे बेचेंगे अगर खराब हेडलाइन नहीं लगाएंगे। अगर मेरी जुबान फिसल गई और वो हेडलाइन बन गई, तो मैं बस दुआ करती हूं कि बेचारे को मेरी वजह से व्यूज मिल जाएं। इतनी अच्छी बातों से तो कुछ फायदा नहीं हुआ है, पर किसी का तो भला हो।"





5 साल बाद पर्दे पर की वापसी

मुंबई। अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी एक बार फिर स्क्रीन पर वापसी करने जा रही हैं। वह फिल्ममेकर कपिल कौस्तुभ शर्मा की अपकमिंग फिल्म 'जिंदगी फिर भी खूबसूरत है' में नजर आएंगी। फिल्म में तनीषा ऐसा किरदार निभा रही हैं, जो जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरता है। फिल्ममेकर कपिल ने तनीषा की तारीफ करते हुए कहा कि इस किरदार के लिए उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री की जरूरत थी, जो कहानी में भावनाओं की गहराई और संवेदनशीलता ला सके। कपिल कौस्तुभ शर्मा ने कहा, तनीषा एक ऐसी एक्टर हैं, जिनमें एक खास तरह की भावनात्मक समझ है और इस किरदार के लिए यह बहुत जरूरी थी। कहानी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से होकर गुजरती है और मैं चाहता था कि इस सफर को कोई पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ पर्दे पर उतारे। 'जिंदगी फिर भी खूबसूरत है' की कहानी मुंबई की पारसी कम्युनिटी के बीच सेट है। फिल्म 1990 के दशक से लेकर साल 2025 तक का दौर दिखाती है। इसमें रोमांस, ह्यूमर और इमोशन्स का मेल देखने को मिलेगा।

'रिपोर्टिंग लाइव' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। परिणीति चोपड़ा एक इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर में नजर आने वाली हैं। थ्रिलर फिल्म 'रिपोर्टिंग लाइव' का ट्रेलर अब आ गया है। ध्रुव त्रिपाठी के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म अवैध रेत खनन पर आधारित है और फिल्म में एक रिपोर्टर और उसके कैमरामैन की कहानी देखने को मिलेगी, जिन्हें एक दुखद घटना की जांच के दौरान एक खौफनाक सच्चाई का पता चलता है। मेकर्स ने हाल ही में 'रिपोर्टिंग लाइव' का ट्रेलर जारी किया है। 2 मिनट 2 सेकंड लंबे इस ट्रेलर की शुरुआत एक जानलेवा घटना के साथ होती है, जो एक महत्वाकांक्षी रिपोर्टर संध्या और उसके कैमरामैन विनोद का ध्यान अपनी तरफ खींचती है। फिल्म में पत्रकार की भूमिका में परिणीति चोपड़ा और कैमरामैन के रोल में देवेन भोजानी नजर आएंगे। दोनों अवैध रेत खनन से जुड़ी दुखद घटना की जांच में लगे होते हैं और जैसे-जैसे वह मामले की गहराई में जाते हैं और ताकतवर लोगों से सवाल-जवाब करते हैं, हालात खतरनाक हो जाते हैं। हर एक जवाब एक नया सवाल खड़ा करता है, जिससे दोनों और अधिक जोखिम में फंसते जाते हैं।



'मैं ना रहा मेरा' का नया गाना रिलीज

मुंबई। फिल्म 'मैं ना रहा मेरा' के मेकर्स ने इसका नया गाना 'शायद' रिलीज कर दिया है। अध्ययन सुमन और दिविता राय पर फिल्माए गए इस गाने को रेखा भारद्वाज ने अपनी आवाज दी है। रेखा भारद्वाज ने बताया कि इस गाने की सबसे खास बात उन्हें इसकी सादगी लगी। 'शायद' के बारे में बात करते हुए रेखा भारद्वाज ने कहा, मेरे लिए यह गाना शब्दों के पीछे छिपी भावनाओं को समझने के बारे में है। गाने के बोल में एक खास तरह की संवेदनशीलता है और राहुल नायर की धुन उस भावना को खुलकर सामने आने की जगह देती है। मैं चाहती थीं कि मेरी आवाज ऐसी लगे जैसे कोई व्यक्ति सच में अपने दिल की बात कह रहा हो। मुझे खास तौर पर गाने की सादगी काफी पसंद आई है। इसी सादगी की वजह से गाना असरदार तरीके से बन पाया है। उन्होंने कहा, गाना उन भावनाओं को सामने लाता है जिन्हें अक्सर शब्दों में कहना आसान नहीं होता। प्यार के साथ आने वाली अनिश्चितता, किसी के लिए तड़प और दिल की कमजोरी को गाने में बेहद सहज तरीके से दिखाया गया है।



फ्रीडा ने दी करियर बदलने की सलाह

मुंबई। हरलीन सेठी के एक्टिंग करियर की शुरुआत डांस से हुई। वह डांस करती थीं और सिखाती भी थीं। इसी दौरान उनकी मुलाकात 'स्लमडॉग मिलेनियर' फेम अभिनेत्री फ्रीडा पिंटो से हुई। फ्रीडा ने हरलीन से डांस की कुछ पर्सनल क्लासेस ली थीं। इसी दौरान उन्होंने हरलीन से एक्टिंग में आने के बारे में पूछा। फ्रीडा उस वक्त फिल्म 'डेजर्ट डांसर' की तैयारी कर रही थीं। उन्हें अपने बॉडी मूवमेंट और परफॉर्मेंस पर काम करना था। इसके लिए उन्होंने हरलीन से ट्रेनिंग ली।

बॉक्स ऑफिस पर मनेगी दिवाली, सिनेमाघरों में धमाका करेंगी ये फिल्में

साल 2026 में कई बड़ी फिल्में रिलीज हुईं। रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा दिया। कई रिकॉर्ड हासिल करने के बाद यह कमाई के मामले में हिंदी भाषा की नंबर 1 फिल्म बन चुकी है। अगस्त में रिलीज हुई बेहद कम बजट की 'हनुमान अंश' ने तो चौंका ही दिया है। साल अभी खत्म नहीं हुआ है। पिक्चर अभी बाकी है। शेष तीन महीनों- अक्टूबर-नवंबर और दिसंबर में कई और बड़ी फिल्में रिलीज की कतार में हैं।

उड़ता तीर

रिलीज डेट: 9 अक्टूबर

आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, राहुल बोस और राम कपूर जैसे सितारों से सजी यह फिल्म अपने ट्रेलर रिलीज के बाद खूब चर्चा में है। यह एक स्पाई कॉमेडी फिल्म है। आयुष्मान खुराना पाकिस्तानी जासूस की भूमिका में है।

'प्रहार: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्जवल निकम'

रिलीज डेट: 16 अक्टूबर

राजकुमार राव की फिल्म 'प्रहार' काफी चर्चा बटोर रही है। अभिनेता फिल्म में भारत के एक मशहूर और जाने-माने विशेष लोक अभियोजक उज्जवल निकम की मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा, ललित प्रभाकर आतंकवादी कसाब के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में वामिका गब्बी, सिकंदर खेर और जयदीप अहलावत भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों पर आधारित है। अविनाश अरुण निर्देशित यह फिल्म 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



नई नवेली : अक्टूबर में दशहरे पर यामी गौतम एंटरटेनमेंट का तगड़ा डोज देने वाली हैं। उनकी फिल्म 'नई नवेली' फैमिली ड्रामा से भरपूर है। इसमें हॉरर का तड़का है। आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं, निर्देशन की कमान बालाजी मोहन ने संभाली है।

पायर : नेशनल अवॉर्ड विजेता विनोद कापड़ी की फिल्म 'पायर' अब सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। उत्तराखंड में शूट हुई यह फिल्म एक बुजुर्ग दंपति के प्यार, अकेलेपन और बच्चों के पलायन के बाद उनके इंतजार की कहानी दिखाती है। यह फिल्म अब तक 18 अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुकी है। यह फिल्म 23 अक्टूबर को रिलीज होगी।

काली खेती : जैकी श्रॉफ और शरद केलकर अभिनीत फिल्म 'काली खेती' भी रिलीज की कतार में है। यह एक रूरल हॉरर फिल्म है। फिल्म के निर्देशक और लेखक हारिस इम्तियाज खान हैं। इसे ब्लैक कैनवस स्टूडियो के बैनर तले बनाया जा रहा है। सना खान इसकी निर्माता हैं। इसमें वीरेंद्र सक्सेना और शाजी चौधरी भी अहम भूमिकाओं में होंगे। फिल्म रिलीज डेट: 23 अक्टूबर।

रामायण पार्ट 1 : यह इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्म है। नितेश तिवारी की यह मेगा बजट फिल्म दिवाली के अवसर पर इस साल दस्तक देने जा रही है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में हैं। साई पल्लवी माता सीता का किरदार निभा रही हैं। रवि दुबे लक्ष्मण बने दिखेंगे। रिलीज डेट: 6 नवंबर 2026।

ये प्रेम मोल लिया : सूरज बड़जात्या पारिवारिक ड्रामा फिल्म लेकर आ रहे हैं। इसमें आयुष्मान खुराना और शरवरी लीड रोल में नजर आएंगे। अनुपम खेर भी अहम भूमिका में दिखाई देंगे। रिलीज डेट: 27 नवंबर।

ईठा : श्रद्धा कपूर अभिनीत इस फिल्म की भी काफी चर्चा है। यह इस साल दिसंबर में दस्तक देगी। इसका टीजर काफी पसंद किया गया। फिल्म 'ईठा' महाराष्ट्र की मशहूर लावणी साम्रज्ञी कलाकार विठाबाई नारायणगावकर के जीवन पर आधारित है। श्रद्धा इस फिल्म में बिठाबाई के किरदार में नजर आएंगी। रिलीज डेट: 04 दिसंबर।

घर में घुसकर वारदात करने वाले 2 संदिग्ध भागते देखे गये

लूटपाट के बाद मूक बधिर महिला की हत्या

जबलपुर। खितौला थाना क्षेत्र के ग्राम दरौलीकला में घर में अकेली रह रही 55 वर्षीय मूक-बधिर महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। महिला के हाथ-पैर बांधकर और मुंह में कपड़ा ठूंसकर हत्या की गई। घटना के बाद घर से दो युवक भागते हुए दिखाई दिए। पुलिस को आशंका है कि लूटपाट के दौरान विरोध करने पर महिला की हत्या की गई। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।



पुलिस के अनुसार दरौलीकला निवासी संजय राठौर ने बताया कि वह मजदूरी करता है। 2 अक्टूबर को वह गांव में काम पर गया था, जबकि उसके पिता भी काम के सिलसिले में ग्राम केवलारी गए थे। घर में उसकी 55 वर्षीय मां लक्ष्मीबाई अकेली थीं। लक्ष्मीबाई बचपन से ही मूक-बधिर थीं। संजय ने बताया कि सुबह करीब 11.30 बजे वह घर आया था। उस समय उसकी मां घर के अंदर परछी में दीवार से टिककर बैठी थीं। कुछ देर रुकने के बाद वह दोबारा काम पर चला गया। दोपहर करीब 1.30 बजे मोहल्ले के संदीप बर्मन ने आकर बताया कि उसके घर से करीब 20-25 वर्ष उम्र के दो युवक निकलकर भागे हैं और आशंका है कि वे चोरी करके भागे हैं।

संजय तत्काल घर पहुंचा तो उसकी मां अंदर कमरे में गद्दे पर मृत अवस्था में पड़ी थीं। उनके दोनों पैर रस्सी से और हाथ कपड़े से बंधे थे। मुंह में पीला गमछा बंधा हुआ था। कनपटी और गाल पर चोट के निशान भी मिले। परिजन उन्हें ऑटो से शासकीय अस्पताल सिहोरा लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने लक्ष्मीबाई को मृत घोषित कर दिया। घर का सामान बिखरा हुआ था। परिजनों के अनुसार महिला के गले में पहने सोने के छह गुरियों वाला मंगलसूत्र और लॉकेट भी गायब था। संजय ने आशंका जताई कि घर में घुसे दोनों युवकों ने लूटपाट के दौरान उसकी मां के विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की और उनकी हत्या कर दी। मोहल्ले की ज्योति बर्मन ने भी दोनों युवकों को घर से निकलकर भागते हुए देखने की बात पुलिस को बताई है।

एफएसएल और फिंगर प्रिंट टीम ने जुटाए साक्ष्य

घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसडीओपी पाटन आदित्य सिंघारिया, एफएसएल अधिकारी डॉ. नीता जैन और फिंगर प्रिंट विशेषज्ञ अखिलेश चौकसे ने टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने रिपोर्ट पर धारा 331(7), 309(4) और 103(1) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए खितौला थाना पुलिस की टीम गठित की गई है। पुलिस संदिग्ध युवकों के संबंध में जानकारी जुटाने के साथ घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

कटनी के कुठला थाने की घटना, परिजनों ने पुलिस पर लगाया जलाने का आरोप

थाने में किया अग्निदाह, जबलपुर में इलाज के दौरान मौत

जबलपुर। संभाग के कटनी जिले में कटनी के ही कुठला थाना परिसर में चोरी की वारदात के संदिग्ध ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। उसे उपचार के लिए जबलपुर लाया गया जहां अस्पताल में उपचार के दौरान शनिवार की सुबह उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि इंद्रनगर निवासी दलपत पटेल को कल शुक्रवार को हुई अग्निदाह की घटना के बाद गंभीर हालत में जबलपुर रेफर किया गया था। मामले में दलपत के परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस मामले में पुलिस अधीक्षक का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है।

पुलिस के अनुसार इंद्रनगर में अभी हाल सितंबर माह में ही हुई चोरी के मामले में कार्रवाई चल रही थी। इस मामले में आरोपी लाला निषाद पहले पकड़ा जा चुका था, जबकि दलपत का बेटा मोहित पटेल जेल में बंद था। गुरुवार को कुठला पुलिस मोहित को न्यायालय से पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ के लिए थाने लाई थी। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में मोहित और उसकी मां ने चोरी के गहने एक सुनार के पास बेचने की बात बताई थी। पुलिस के अनुसार इसके बाद संबंधित सुनार की दुकान और आसपास जांच की गई, जिसमें दलपत की पत्नी की मौजूदगी के प्रमाण मिले। उससे हुई पूछताछ में महिला ने पुलिस को बताया था कि चोरी का बचा हुआ कुछ जेवर उसका पति दलपत शुक्रवार को लेकर आएगा। इसके बाद शुक्रवार को दलपत थाने पहुंचा, जहां कोई कुछ कहता कि इससे पहलें उसने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली।

पुलिस पर लगे गंभीर आरोप

इस घटना के बाद दलपत के परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगाए हैं। उसके बेटे महेंद्र पटेल ने आरोप लगाया कि पुलिस ने ही उसके पिता को आग लगाई। महेंद्र के मुताबिक, जलने के बाद उसके पिता ने उसे बताया था कि थाने वालों ने आग लगाई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मौके का जायजा लिया।

मामले की निष्पक्ष जांच का वादा

इस पूरे घटनाक्रम पर कटनी एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि इंद्रनगर चोरी मामले में रिमांड पर लिए गए आरोपी मोहित और उसकी मां से पूछताछ के आधार पर सुनार के यहां जांच की गई थी। वहां महिला की मौजूदगी की पुष्टि हुई थी। महिला ने अपने पति द्वारा शेष जेवर शुक्रवार को लाने की बात कही थी। शुक्रवार को उसके पति ने थाने पहुंचने के बाद आत्मघाती कदम उठा लिया। उन्होंने कहा कि परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों सहित पूरे मामले की गहन और निष्पक्ष जांच कराई जा रही है।

सायबर ठग ने बहनोई बनकर वृद्ध को लगाई 50 हजार की चपत

जबलपुर। रांझी थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने एक बुजुर्ग को उसके बहनोई का व्हाट्सऐप हैक कर 50 हजार रुपये की चपत लगा दी। आरोपी ने बहनोई बनकर रुपये की जरूरत बताई और एक घंटे में वापस करने का भरोसा देकर यूपीआई के माध्यम से रकम ट्रांसफर करा ली। बाद में पता चला कि बहनोई का मोबाइल हैक किया गया था।

पुलिस के अनुसार व्हीएफजे उदयनगर रांझी निवासी 70 वर्षीय सनत कुमार बेनर्जी ने 2 अक्टूबर को साइबर सेल में लिखित शिकायत दी। उन्होंने बताया कि 30 सितंबर की शाम करीब 5.40 बजे उनके मोबाइल पर व्हाट्सऐप के जरिए आगरा निवासी उनके बहनोई राकेश कुमार सिंह का संदेश आया। संदेश में 55 हजार रुपये की जरूरत बताते हुए कहा गया कि उनका यूपीआई काम नहीं कर रहा है और रकम एक घंटे में वापस कर दी जाएगी। विश्वास में आकर सनत कुमार ने बताए गए यूपीआई खाते पर दो बार में 50 हजार रुपये गूगल-पे के माध्यम से भेज दिए। इसके बाद बैंक से संदेश आया कि एक ही व्यक्ति बार-बार रकम भेज रहा है, इसलिए लेन-देन की जांच करने को कहा गया। संदेह होने पर उन्होंने राकेश कुमार को फोन किया, लेकिन उनका मोबाइल बंद मिला। बाद में अन्य रिश्तेदारों से जानकारी मिली कि राकेश कुमार के नाम से कई लोगों को इसी तरह के संदेश भेजे जा रहे हैं। राकेश कुमार से संपर्क होने पर उन्होंने बताया कि उनका मोबाइल हैक हो गया है। इसके बाद सनत कुमार को अपने साथ हुई ठगी का पता चला। पुलिस ने शिकायत के आधार पर धारा 318(4) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

गोरखपुर में फ्लैट पर दबिश, अवैध शराब और प्रतिबंधित हुक्का बरामद

किराएदारों और केयरटेकरो की सघन जांच

जबलपुर। भोपाल में एक रिटायर्ड आईएएस अधिकारी की सनसनीखेज हत्या की वारदात के बाद जबलपुर पुलिस ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी बढ़ा दी है। पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के बाद शहरभर में किराए के मकानों, फ्लैट, डुप्लेक्स, पेइंग गेस्ट और केयरटेकर के रूप में रहने वाले लोगों का सत्यापन एवं संदिग्ध ठिकानों की जांच शुरू की गई है। इसी अभियान के तहत गोरखपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक अपार्टमेंट स्थित फ्लैट पर दबिश दी। तलाशी के दौरान पुलिस को भारी मात्रा में अवैध शराब और प्रतिबंधित हुक्का मिला। पुलिस ने मौके से एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

गोरखपुर सीएसपी एमडी नगोतिया के नेतृत्व में भारी पुलिस बल और थाना प्रभारियों ने क्षेत्र में सघन सर्चिंग अभियान चलाया। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली थी कि एक अपार्टमेंट में कुछ लोगों ने हाल ही में फ्लैट किराए पर लिया है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने संबंधित फ्लैट की तलाशी ली, जहां अवैध शराब और प्रतिबंधित हुक्का बरामद हुआ।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार हिरासत में लिए गए युवक की गतिविधियां संदिग्ध पाई गई हैं। उससे पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि अवैध शराब और हुक्का कहां से लाया गया था तथा उसके संपर्क में और कौन-कौन लोग हैं।

नए किराएदारों के सत्यापन के निर्देश

घटना के बाद पुलिस अधीक्षक ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। नए किराएदारों का अनिवार्य रूप से सत्यापन करने के साथ ही हॉस्टल, पेइंग गेस्ट और अन्य संदिग्ध ठिकानों पर लगातार चेकिंग करने को कहा गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा नियमों के उल्लंघन की जानकारी मिलने पर तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मंदिर भूमि के राजस्व रिकार्ड में बदलाव पर हाईकोर्ट की रोक

जबलपुर । हाईकोर्ट ने श्रीराधा कृष्ण मंदिर की भूमि के राजस्व अभिलेख में सरवराकार के नाम को लेकर चल रहे विवाद में अंतरिम आदेश देते हुए अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस मनिंदर सिंह भट्टी की सिंगल बेंच ने सुरेंद्र जायसवाल की याचिका पर प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब तलब किया है।



याचिकाकर्ता की ओर से 24 अगस्त 2026 को अतिरिक्त कलेक्टर, जबलपुर द्वारा पारित आदेश को चुनौती दी गई है। विवाद ग्राम खैरी, तहसील शाहपुरा (भिटौनी) स्थित खसरा नंबर 25 की 1.485 हेक्टेयर मंदिर भूमि से संबंधित है। याचिकाकर्ता का दावा है कि वर्ष 1948 से राजस्व रिकार्ड में मंगल्ली एवं उनके परिवार का नाम सरवराकार के रूप में दर्ज रहा है। वर्ष 2014 में अन्य व्यक्तियों के नाम प्रबंधक के रूप में दर्ज किए गए थे, जिसे अपीलीय प्राधिकारी ने 30 अक्टूबर 2017 को निरस्त कर मंगल्ली का नाम पुनः दर्ज करने का निर्देश दिया था। याचिका के अनुसार एसडीओ ने 24 अक्टूबर 2025 को उक्त आदेश का पालन किया, लेकिन अतिरिक्त कलेक्टर ने 24 अगस्त 2026 को आदेश निरस्त कर पुनः अन्य नाम दर्ज करने का रास्ता खोल दिया। हाई कोर्ट ने प्रथमदृष्टया मामले पर विचार करते हुए नोटिस जारी किए और अगली सुनवाई तक राजस्व रिकार्ड में वर्तमान स्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। प्रकरण चार सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है।



सेवा संकल्प अभियान के तहत चारों विधानसभा क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर

जबलपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के तहत भाजपा जबलपुर महानगर की चारों विधानसभा क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श दिया। रक्तचाप, शुगर सहित विभिन्न जांचें की गईं तथा जरूरत के अनुसार दवाइयां और चश्मे वितरित किए गए। कार्यक्रम में सांसद आशीष दुबे, जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर, राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीकि, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, विधायक अशोक रोहाणी, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम प्रभारी संदीप जैन के अनुसार पश्चिम विधानसभा में 730, उत्तर में 400, कैंट में 350 तथा पूर्व विधानसभा में 257 नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा कि जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना जनसेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि 'सेवा मेरा योगदान' अभियान समाज के प्रति दायित्व निभाने का संकल्प है। शिविरों में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

श्रीगोविंद गंज रामलीला का श्रीमुकुट पूजन चल समारोह आज

जबलपुर। मध्य भारत की सर्वाधिक प्राचीन श्रीगोविंद गंज रामलीला समिति का 162वां श्रीमुकुट पूजन चल समारोह रविवार सायं 7 बजे से प्रारंभ होगा। सोमवार 5 अक्टूबर को नारद मोह श्री राम जन्म की लीला के साथ रामलीला का मंचन प्रारंभ हो जाएगा। इस बारे में जानकारी देते हुए रामलीला समिति के अध्यक्ष पं. अनिल तिवारी ने बताया कि आज सायं 7 बजे पूर्व महापौर प्रभात साहू भगवान की श्रीमुकुटों का पूजन-अर्चन कर चल समारोह रवाना करेंगे। चल समारोह रामलीला मंदिर से प्रारंभ होकर गुड़हाई, तमरहाई, कोतवाली, सराफा, कमानिया, फुहारा, बड़े महावीर, बल्देवबाग, चेरीताल, गोपाल बाग, दमोह नाका होते हुए वापस रामलीला प्रांगण पहुंचेगा। इससे पूर्व सायं चार बजे रामलीला व्यास पं. वासुदेव शास्त्री श्रीमुकुटों की प्राण प्रतिष्ठा कराएंगे।

चेक बाउंस मामले में न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी का महत्वपूर्ण निर्णय

रिटर्न चेक पर बैंक की सील और अधिकारी के हस्ताक्षर नहीं तो दोषसिद्धि नहीं

जबलपुर। रिटर्न चेक पर बैंक की सील और अधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर नहीं होने की स्थिति में आरोपी को चेक बाउंस के मामले में दोषी नहीं ठहराया जा सकता। न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी डा. गौरव गर्ग की अदालत ने चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में यह महत्वपूर्ण अभिमत व्यक्त करते हुए परिवाद निरस्त कर दिया।

मामले में ठक्कर ग्राम निवासी मिजाल हुसैन ने गोहलपुर निवासी मो. अख्तर अंसारी के विरुद्ध परिवाद प्रस्तुत किया था। आरोप था कि अख्तर अंसारी ने दो लाख रुपये का चेक दिया था, जो बैंक में प्रस्तुत किए जाने पर बाउंस हो गया।आरोपी की ओर से तर्क दिया गया कि प्रस्तुत रिटर्न चेक पर बैंक की सील नहीं लगी है और न ही संबंधित बैंक अधिकारी के हस्ताक्षर हैं। ऐसी स्थिति में चेक के बैंक द्वारा विधिवत लौटाए जाने के संबंध में आवश्यक प्रमाणिकता स्थापित नहीं होती। दलीलों और उपलब्ध साक्ष्यों पर विचार के बाद न्यायालय ने रिटर्न चेक पर बैंक की सील व अधिकारी के हस्ताक्षर के अभाव को महत्वपूर्ण मानते हुए परिवाद निरस्त कर दिया।

पाटन और किसरोद रोड से गुजरेंगे वाहन

आज और कल मार्ग रहेगा परिवर्तित

जबलपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा शहपुरा भिटोनी स्थित कैथरा रेलवे फाटक पर आवश्यक मरम्मत एवं तकनीकी सुधार कार्य के चलते 24 घंटे के लिए यातायात पूरी तरह से बंद रहेगा। अनुविभागीय राजस्व अधिकारी एवं उप खंड मजिस्ट्रेट शहपुरा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 04 अक्टूबर की सुबह 8:00 बजे से 05 अक्टूबर की सुबह 8:00 बजे तक कैथरा फाटक से दो-पहिया, चार-पहिया तथा अन्य सभी वाहनों का आवागमन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। मेंटेनेंस कार्य के दौरान क्षेत्रवासियों और यात्रियों को असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन द्वारा वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। जबलपुर से भोपाल की ओर जाने वाले समस्त वाहनों को पाटन मार्ग से होकर डायवर्ट किया गया है, जिससे भोपाल जाने वाले वाहन पाटन होते हुए अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। इसके अतिरिक्त, आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों तथा पाटन एवं बेलखेड़ा की ओर जाने वाले स्थानीय वाहनों के लिए किसरोद मार्ग को वैकल्पिक रास्ते के रूप में उपयोग करने की सलाह दी गई है।



सिहोरा रोड स्टेशन पर 'वानर सेना' का आतंक, यात्री हो रहे लहूलुहान

सामान छीनने से लेकर यात्रियों पर हमले तक, प्लेटफॉर्म से फुट ओवरब्रिज तक बंदरों का कब्जा

सिहोरा।

सिहोरा रोड रेलवे स्टेशन पर बंदरों का आतंक दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। यात्रियों से खाने-पीने की वस्तुएं और सामान छीनने वाले बंदर अब उन पर हमला कर उन्हें घायल करने लगे हैं। शुक्रवार सुबह गौड़वाना एक्सप्रेस से जबलपुर जा रही एक छात्रा पर बंदरों ने हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गई। इसके पूर्व भी एक वृद्ध महिला



का सामान छीनने के दौरान उसे घायल करने की घटना सामने आ चुकी है। स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक एक और दो के अलावा वेटिंग हॉल, टिकट खिड़की के आसपास तथा फुट ओवरब्रिज पर बंदरों के झुंड खुलेआम घूमते रहते हैं। यात्रियों के मुताबिक सुबह और शाम के समय इनकी संख्या और बढ़ जाती है। खाने-पीने की वस्तुएं देखते ही बंदर यात्रियों की ओर झपटते हैं और विरोध करने पर आक्रामक हो जाते हैं। इससे विशेष रूप से बच्चों, महिलाओं और बुजुर्ग यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

रेलवे कॉलोनी में भी दहशत

बंदरों का आतंक केवल यात्रियों तक सीमित नहीं है। रेलवे कॉलोनी में रहने वाले कर्मचारी और उनके परिवार भी परेशान हैं। कुछ दिन पूर्व कॉलोनी में रहने वाले एक बच्चे को भी बंदरों ने घायल कर दिया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। सूत्रों के अनुसार रेलवे प्रशासन द्वारा नगर पालिका को पत्र लिखकर बंदरों को पकड़ने के लिए टीम भेजने का अनुरोध किया गया है। इससे पहले भी पत्र लिखा जा चुका है, लेकिन अब तक नगर पालिका की टीम मौके पर नहीं पहुंची। यात्रियों और रेलवे कॉलोनी के रहवासियों ने बंदरों के आतंक से निजात दिलाने के लिए तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

आदर्श स्टेशन का तमगा, सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

सिहोरा रोड रेलवे स्टेशन को आदर्श स्टेशन का दर्जा प्राप्त है। वहीं 6 अगस्त 2023 से अमृत भारत योजना के तहत करोड़ों रुपये की लागत से स्टेशन के विकास कार्य किए जाने का दावा किया जा रहा है। इसके बावजूद यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ी इस गंभीर समस्या का समाधान नहीं होने से रेलवे की व्यवस्थाओं पर सवाल उठ रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि स्टेशन पर बंदरों के आतंक के चलते कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

इकीगाई किड्स इंटरनेशनल प्रीस्कूल में शोकेस डे, नन्हों ने दिखाई प्रतिभा

जबलपुर। इकीगाई किड्स इंटरनेशनल प्रीस्कूल, तिलहरी में शोकेस डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में **PG**, नर्सरी, **LKG** एवं **UKG** के नन्हे विद्यार्थियों ने विभिन्न रचनात्मक एवं संवादात्मक गतिविधियों, प्रोजेक्ट्स और प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी सीख, समझ और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने कक्षा में सीखी गई विभिन्न अवधारणाओं को अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से अभिभावकों के समक्ष साझा किया। गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति एवं संचार कौशल की झलक देखने को मिली। अभिभावकों ने बच्चों की मेहनत और उत्साह की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। विद्यालय की संस्थापक श्रीमती अर्पिता मलपानी एवं प्रधानाचार्य श्रीमती सोनिया कोचर की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बनाया।



उनकी उत्साहवर्धक उपस्थिति ने बच्चों एवं शिक्षकों का मनोबल बढ़ाया।

खेलो इंडिया अस्मिता सेपक टकरा स्टेट लीग में जबलपुर ओवरऑल चैंपियन

जबलपुर। मध्यप्रदेश के रायसेन जिले के मंडीदीप में 25 से 27 सितंबर 2026 तक आयोजित खेलो इंडिया अस्मिता महिला सेपक टकरा स्टेट लीग 2026-27 में अंडर-17 बालिका वर्ग में जबलपुर जिले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंडर-17 बालिका वर्ग में जबलपुर की खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक अंक अर्जित किए और ओवरऑल चैंपियनशिप हासिल की। जबलपुर की इस उपलब्धि से जिले का नाम प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित हुआ



है। टीम की सफलता पर जिला शिक्षा खेल अधिकारी मधुमिता हाजरा, मध्यप्रदेश सेपक टकरा संघ के सह-सचिव आशीष मिश्रा एवं सेपक टकरा संघ के सचिव राम सिंह लोधी ने खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गरीब नवाज कमेटी ने जरूरतमंद का कराया अंतिम संस्कार



जबलपुर। कांचघर, शुक्ला होटल, लालमाटी निवासी सिमोन वाइटर (57) का उपचार के दौरान मेडिकल अस्पताल में निधन हो गया। वे पिछले करीब आठ माह से कैंसर से पीड़ित थे। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। मृतक के पुत्र लक्की वाइटर ने गरीब नवाज कमेटी से संपर्क कर बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और वे अपने पिता के अंतिम संस्कार का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मेथोडिस्ट चर्च को भी सूचना दी गई थी, लेकिन उन्हें वहां से सहायता नहीं मिल सकी। जानकारी मिलने के बाद गरीब नवाज कमेटी ने मानवता का परिचय देते हुए अंतिम संस्कार में सहयोग किया। कमेटी के सहयोग से मृतक का अंतिम संस्कार उनके पुत्र लक्की वाइटर के हाथों ईसाई रीति-रिवाज के अनुसार तिलवारा में दफनाकर किया गया। इस मानवीय कार्य में आदिल पठान, रियाज अली, दीपक निगम, बाबू भाई एवं विकास जैन ने सहयोग किया। कमेटी के इस प्रयास की स्थानीय लोगों ने सराहना की।

धम्म विजयादशमी पर विशाल शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर बैठक

जबलपुर। प्रियदर्शी सम्राट अशोक धम्म विजयादशमी महापर्व पर 20 अक्टूबर को डॉ. आंबेडकर चौक, हाईकोर्ट से प्राचीन बौद्धमठ गोपालपुर, लम्हेटाघाट तक विशाल धम्म शोभायात्रा निकाली जाएगी। आयोजन की तैयारियों को लेकर 2 अक्टूबर को त्रिमूर्ति बुद्धा पार्क, सदर कैंट में बैठक आयोजित हुई। बैठक में शोभायात्रा को भव्य स्वरूप देने तथा विभिन्न बौद्ध विहारों, आंबेडकरी-बौद्धिस्ट एवं बहुजन संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई। शोभायात्रा सुबह 9 बजे डॉ. आंबेडकर चौक से प्रारंभ होकर घंटाघर,



मालवीय चौक, तीन पत्ती, शास्त्री ब्रिज, मदन महल, धनवंतरी नगर, लम्हेटा बायपास एवं चौकीताल होते हुए बौद्धमठ पहुंचेगी। यहां सभा के बाद भोजनदान होगा। बैठक की अध्यक्षता आयु. मनोज वाघमारे ने की। बौद्धाचार्य उदयभद्र बौद्ध सहित अनेक पदाधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजकों ने सभी से शोभायात्रा में सहभागिता की अपील की।

स्वच्छता जागरूकता रैली निकली, लगाया स्वास्थ्य शिविर

पाटन। सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत नगर परिषद पाटन द्वारा विभिन्न जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए गए। नगर परिषद अध्यक्ष आचार्य जगेन्द्र सिंह की अगुवाई में मिस्पा मिशन स्कूल के कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं को नाग तालाब पार्क, ऐतिहासिक धरोहरों एवं प्राचीन मंदिरों का भ्रमण कराया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को नगर के इतिहास एवं धरोहरों की जानकारी देने के साथ प्लास्टिक मुक्त परिसर, गीले-सूखे कचरे के पृथक्करण और कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूक किया गया। विद्यार्थियों एवं नागरिकों को स्वच्छता का सामूहिक संकल्प दिलाया गया। नगर परिषद कार्यालय से मुख्य बाजार होते हुए शिलाफलकम तक स्वच्छता



जागरूकता रैली निकाली गई। नाग तालाब के घाट पर वृक्षारोपण भी किया गया। सिविल अस्पताल पाटन में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 74 सफाई कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्त जांच की गई। महिला कर्मियों को सेनेटरी पैड तथा आयरन, कैल्शियम एवं फोलिक एसिड की दवाएं वितरित की गईं। चार कर्मियों के आयुष्मान भारत कार्ड भी बनाए गए। कार्यक्रम में सीएमओ जयश्री चौहान, जनप्रतिनिधि एवं नगर परिषद कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोहारी ग्रामसभा में विकास कार्यों के हिसाब को लेकर ग्रामीणों ने उठाए सवाल

पनागर। ग्राम पंचायत मोहारी में 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित आमसभा में पंचायत के विकास कार्यों और सरकारी राशि के उपयोग को लेकर ग्रामीणों ने जमकर सवाल उठाए। ग्रामीणों ने सरपंच राजकुमारी कोल, सचिव प्रियंका परिहार एवं सहायक सचिव अभिलाषा लोधी से पंचायत के कार्यों और भुगतान का पूरा हिसाब सार्वजनिक करने की मांग की। ग्रामसभा में सामुदायिक शौचालय की स्थिति, डग पॉइंट के कार्य, मजदूरी भुगतान, मस्टर रोल, हाजिरी तथा पंचायत राशि के लेनदेन से जुड़े मुद्दे उठाए गए। ग्रामीणों ने संबंधित कार्यों की स्वीकृत राशि, भुगतान विवरण, मस्टर रोल, बैंक रिकॉर्ड एवं कार्य पूर्णता संबंधी दस्तावेज ग्रामसभा के समक्ष प्रस्तुत करने की मांग की।

ग्रामीणों ने कुछ कार्यों में कथित अनियमितता तथा फर्जी हाजिरी और मस्टर रोल की आशंका भी जताई। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। उपसरपंच जगमोहन सिंह ठाकुर सहित ग्रामीणों ने पूरे



मामले की जांच और अभिलेखों के सार्वजनिक सत्यापन की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत की राशि जनता की है और उसके उपयोग की जानकारी ग्रामसभा में पारदर्शी तरीके से दी जानी चाहिए। अब संबंधित रिकॉर्ड और जांच से ही आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

जनेकृविवि में निकाली गई नशामुक्ति अभियान रैली, विद्यार्थियों ने दिया जागरूकता का संदेश



जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के 63वें स्थापना वर्ष के अवसर पर तृतीय दिवस नशामुक्ति अभियान रैली का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा के मुख्य आतिथ्य एवं कृषि महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. अल्पना सिंह के मार्गदर्शन में रैली आयोजित हुई। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं एनसीसी एमपी बटालियन-2 के संयुक्त आयोजन में विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक, स्लोगन और नारों के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक किया। कुलपति डॉ. मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया और स्वयं अधिकारियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के साथ रैली में शामिल हुए। रैली महाविद्यालय परिसर से सुहागी बस्ती, मेन रोड होते हुए विश्वविद्यालय परिसर पहुंची। इस अवसर पर एनसीसी गर्ल्स बटालियन द्वारा संकल्प वृक्ष कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारी, प्राध्यापक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पूनम राठौर ने हासिल की पीएचडी की उपाधि



जबलपुर। शहर निवासी श्रीमती पूनम राठौर ने प्राणिशास्त्र विषय में लेडीबर्ड बीटल (कोक्सिनेलिड्स) पर शोध कार्य पूर्ण कर एमयू विश्वविद्यालय, इंदौर से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। पूनम राठौर, श्री आयुष राठौर की पत्नी, श्री देव प्रकाश राजपूत एवं श्रीमती वंदना राजपूत की पुत्री तथा श्री सोवरन सिंह राठौर एवं श्रीमती इंद्रा राठौर की बहू हैं। उन्होंने अपनी इस शैक्षणिक उपलब्धि का श्रेय कड़ी मेहनत, लगन और परिवार के निरंतर सहयोग को दिया। उनकी इस सफलता पर परिजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

भेड़ाघाट में चेकिंग प्वाइंट को लेकर कांग्रेस ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

भेड़ाघाट। भेड़ाघाट नगर कांग्रेस कमेटी ने पर्यटन क्षेत्र में पुलिस चेकिंग प्वाइंट को लेकर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। नगर कांग्रेस अध्यक्ष आशीष जैन ने कहा कि भेड़ाघाट प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थल है, जहां देश-विदेश से पर्यटक और श्रद्धालु पहुंचते हैं। उनके अनुसार नगर परिषद सीमा क्षेत्र में सुबह-शाम होने वाली चेकिंग से पर्यटकों को परेशानी होती है और छोटे दुकानदारों के कारोबार पर भी असर पड़ता है। कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि चेकिंग प्वाइंट



को नगर परिषद की सीमा से बाहर भेड़ाघाट चौराहा या चौकीताल रोड के आसपास लगाया जाए, ताकि पर्यटन और स्थानीय व्यापार प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने की योजनाएं चला रही है, वहीं चेकिंग व्यवस्था से पर्यटकों के प्रभावित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

ज्ञापन के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष चतुर सिंह लोधी, रामेश्वर गिरी, सुनील जैन, किशोर दुबे, अभिषेक दाहिया सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

मझौली में आंगन मिलन समारोह, पोषण और योजनाओं की दी जानकारी

मझौली। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर परिषद मझौली के वार्ड क्रमांक 15 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में आंगन मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती के पूजन से हुआ। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों एवं वक्ताओं ने महिलाओं और अभिभावकों को बच्चों के पोषण, शिक्षा तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। आंगनबाड़ी केंद्र में पौष्टिक आहार की प्रदर्शनी लगाई गई तथा बच्चों के समुचित स्वास्थ्य एवं विकास में



पौष्टिक भोजन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं आशा कार्यकर्ता का सम्मान किया गया। महिलाओं के लिए चम्मच खेल प्रतियोगिता भी आयोजित हुई, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं सहित विभिन्न गतिविधियों में शामिल बच्चों एवं महिलाओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष शिप्रा राजेंद्र चौरसिया, उपाध्यक्ष सुनील गामा सोनकर, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष रमेश झारिया, सीएमओ स्नेहा मिश्रा सहित जनप्रतिनिधि, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

शासकीय कॉलेज में ब्यूटीशियन व कंप्यूटर प्रशिक्षण का समापन



सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित ब्यूटीशियन एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. एम.के. श्रीवास्तव ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों से प्रशिक्षण के दौरान अर्जित कौशल को स्वरोजगार के रूप में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एडवांस्ड ब्यूटीशियन कोर्स में प्रशिक्षण लेने की इच्छुक छात्राओं को पहले अपने प्रशिक्षण का प्रदर्शन करना होगा। ब्यूटीशियन प्रशिक्षण के लिए 70 छात्राओं तथा कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए 55 छात्र-छात्राओं ने पंजीयन कराया था। कंप्यूटर प्रशिक्षण का दूसरा बैच 5 अक्टूबर से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में डॉ. नीता तिवारी, डॉ. राजेश वाहने, आईक्यूएसी प्रभारी सुश्री प्रिंसी सिन्हा सहित अन्य उपस्थित रहे। संचालन डॉ. एस.के. मेहरोलिया ने किया।

बुधुआ स्कूल में विद्यार्थियों को मिली निःशुल्क यूनिफॉर्म, खिले चेहरे



सिहोरा। शासकीय माध्यमिक विद्यालय बुधुआ में पितृपक्ष के अवसर पर छात्र-छात्राओं को निःशुल्क स्कूल यूनिफॉर्म वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित 9 विद्यार्थियों को गणवेश प्रदान की गई, जिसे पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार अनुपस्थित विद्यार्थियों को अगले सप्ताह यूनिफॉर्म वितरित की जाएगी। विद्यालय में पितृपक्ष के अवसर पर सेवा कार्य की परंपरा रही है। पिछले वर्ष भी इसी अवसर पर सभी विद्यार्थियों को पानी की बोतलें वितरित की गई थीं। कार्यक्रम में शाला प्रभारी प्रहलाद पटेल, शिक्षक प्रमोद नामदेव, ऋषिराज उपाध्याय, सतीश तिवारी एवं शिक्षिका श्रीमती करुणा चौबे उपस्थित रहीं। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने और मन लगाकर अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया।

आम सूचना

मैं, समायरा सिंह (SAMAYRA SINGH), पुत्री श्री निमिष प्रदीप्त सिंह (Shri Nimish Pradeepta Singh) एवं श्रीमती करुणा निमिष सिंह (Smt. Karuna Nimish Singh), निवासी मकान नंबर 40, आकर्ष एन्क्लेव, तिलहरी, ऑक्सीजन जिम के पास, मण्डला रोड, जबलपुर, मध्यप्रदेश 482020 एतद्वारा आम जनता एवं संबंधित अधिकारियों को सूचित करते हुए निम्नलिखित घोषणा करती हूँ कि मेरे पासपोर्ट क्रमांक P8756865 में मेरी माता का नाम त्रुटिवश करुणा सिंह (KARUNA SINGH) अंकित हो गया है। यह कि मेरी माता का सही एवं पूर्ण नाम करुणा निमिष सिंह(KARUNA NIMISH SINGH) है तथा मेरे आधार कार्ड में मेरी माता का नाम करुणा निमिष सिंह एवं मेरे पिता का नाम निमिष प्रदीप्त सिंह (NIMISH PRADEEPTA SINGH) अंकित है यह कि करुणा सिंह (KARUNA SINGH) एवं करुणा निमिष सिंह (KARUNA NIMISH SINGH) दोनों नाम एक ही महिला के हैं, जो मेरी सगी माता हैं। यह कि मेरी माता का सही एवं पूर्ण नाम करुणा निमिष सिंह (KARUNA NIMISH SINGH) है तथा भविष्य में उन्हें इसी नाम से जाना, पहचाना एवं सभी शासकीय एवं अशासकीय अभिलेखों में सदर्भित किया जाए। यह कि उक्त घोषणा मेरी माता के नाम में पासपोर्ट एवं अन्य पहचान संबंधी दस्तावेजों में विद्यमान अंतर को स्पष्ट करने तथा आवश्यकतानुसार संबंधित विभागों एवं अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु की जा रही है।

स्थानः जबलपुर

घोषणाकर्ता-
समायरा सिंह (SAMAYRA SINGH)
: 9823555455, 9131198883
KARTIK SHUKLA (ADVOCATE)
M.P. HIGH COURT
Add. - Shop No. 10, Narmada Jyoti Printing Press, Beside Gate No. 2, Session Court Nagar Nigam Market, Clock Tower, Jabalpur (M.P.) - 482001
Email - kartikshukla.shukla@gmail.com
Contact. No. - 7000699652,

नाम परिवर्तन सूचना

मैं साजिद खान पिता की अब्दुल वाहिद खान उम्र 32 वर्ष निवासी म. न. 1555 दुर्गा मंदिर के पास रानी दुर्गावती वार्ड गढ़ा जबलपुर मध्यप्रदेश शपथ पूर्वक कहता हूँ, मैं उपरोक्त पते पर निवास करता हूँ एवं मेरी 10 वीं व 12 वीं के अंकसूची में मेरा नाम अब्दुल साजिद खान दर्ज तथा आधारकार्ड, पेन कार्ड, परिचय पत्र में मेरा नाम साजिद खान दर्ज है जो सही है एवं दोनो नाम एक ही व्यक्ति के है अतः मुझे सभी दस्तावेजों मे साजिद खान के नाम से जाना जाए इस हेतु शपथ पत्र पेश है।

पुराना नाम
अब्दुल साजिद खान
नया नाम
साजिद खान

नाम परिवर्तन सूचना

I, ARMY NO.JC 375916P, RANK-SUB, NAME BP DWIVEDI S/O RAM PRAKASH DWIVEDI OF UNIT DEPOT REGT (CORPS OF SIGNALS), JABALPUR (M.P) AADHAR CARD NO. 8004 5241 4377, शपथपूर्वक नि.लि. कथन करता हूँ कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरे बेटे का नाम RISHIRAJ DWIVEDI दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि मेरे बेटे के आधार कार्ड एंव अन्य दस्तावेजों में मेरे बेटे का नाम RISHI RAJ DWIVEDI दर्ज हैं। जो कि सही है मेरे बेटे के नाम को पढा व सुना एंव मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए । द्वारा शपथ पत्र नं BY595222 दिनांक 06-08-26 नोटरी जबलपुर म.प्र. ।

गलत नाम-RISHIRAJ DWIVEDI
सही नाम-RISHI RAJ DWIVEDI

नाम परिवर्तन सूचना

मै, पिंकी भावनानी पत्नी श्री सतराम भावनानी पिता श्री रमेश लाल मनवानी उम्र लगभग 45 वर्ष, निवासी-133/1 सांई मंदिर के पास नारायण चौक कांचघर जबलपुर म.प्र. की होकर निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूँ कि मेरा विवाह दिनांक 06/06/2005 को श्री सतराम भावनानी के साथ हुआ था। शादी के पूर्व मेरा नाम गीता मनवानी पिता श्री रमेशलाल मनवानी लिखा व पढ़ा जाता था । शादी के बाद अब मेरा नाम पिंकी भावनानी हो गया है अतः आज के बाद मुझे पिंकी भावनानी के नाम से ही जाना जावे उक्त नाम मेरे आधार कार्ड एवं पेन कार्ड में भी अंकित है। मेरा आधार नं. 4121 27434559 है । अतः नाम परिवर्तन हेतु यह शपथ पत्र प्रस्तुत किया जा रहा है। अतः मुझे पिंकी भावनानी के नाम से जाना जावे एवं सभी शासकीय, अशासकीय, शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों में मुझे इसी नाम से पहचाना जावे।

पुराना नाम - गीता मनवानी
नया नाम - पिंकी भावनानी
शपथकर्ता

नाम परिवर्तन सूचना

I, CHARAN SINGH of ARMY NO-JC393485W, Rank - NB / SUB, presently residing at Vill-NAGLA BARI, POST- SONKH, Teh MATHURA, Distt-MATHURA, State- UTTAR PRADESH, PIN- 281123, शपथपूर्वक नि. लि. कथन करता हूँ कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरे बेटे का नाम VINAY KUMAR दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि मेरे बेटे के आधार कार्ड एंव अन्य दस्तावेजो में मेरे बेटे का नाम VINAY दर्ज हैं। जो कि सही है मेरे बेटे के नाम को पढा व सुना एंव मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए । द्वारा शपथ नं. 38AA850475 दिनांक 03-10-26 नोटरी जबलपुर

गलत नाम-VINAY KUMAR
सही नाम-VINAY

CHANGE OF NAME AND DATE OF BIRTH

I, **MANJU LATA** is Mother of No **14648117K** Rank **BHM** Name **PAVAN KUMAR** presently, residing at **VILL-BANIYANI, PO- PARPAPPUR, TEH-SAHAWAR, DIST-KASGANJ (UP) - 207241** I, have changed of my name and date of birth from name **MANJU DEVI** and date of birth **01/07/1967** (name and date of birth as per my **SON,** Army service records) to name **MANJU LATA** and date of birth **07/02/1964** (name and date of birth as per my **AADHAR CARD NO.8422 9292 2724 AND PAN CARD NO. CEKPL8118N** vide affidavit dated **03/10/2026** (date of affidavit) formerly before Public Notary Jabalpur

CORRECT NAME-MANJU LATA
INCORRECT NAME-MANJU DEVI
CORRECT DATE OF BIRTH 07/02/1964
INCORRECT DATE OF BIRTH 01/07/1967

श्री जगदीश प्रसाद पांडे- गली नं. 4, बाई का बगीचा घमापुर निवासी श्री जगदीश प्रसाद पांडे (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नरेश बंशकार- प्रेमसागर शीतालामाई वार्ड निवासी श्री रामदीन बंशकार के पुत्र श्री नरेश बंशकार (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुंदरी बाई कोरी- जवाहर नगर अधारताल निवासी श्री नमई लाल कोरी की धर्मपत्नी श्रीमती सुंदरी बाई कोरी (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम सजीवन बंशकार- गोपाल होटल लालमाटी निवासी श्री राम सजीवन बंशकार का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

मुकुल कोरी- लठा पांडे का बगीचा गोरा बाजार निवासी श्री नरेंद्र कोरी के अल्पायु पुत्र श्री मुकुल कोरी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती बतसिया बाई- बागड़ा दफाई पोलीपाथर निवासी श्री रेवाराम की धर्मपत्नी श्रीमती बतसिया बाई (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती कौशल्या कोरी- मड़ई व्हीकल निवासी श्री चंपा लाल कोरी की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या कोरी (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम चंद्र- अनुराधा कॉलोनी वाटर वर्क्स रोड निवासी श्री राम चंद्र (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री सीताराम सोंधिया- कटनी झिंझरी निवासी श्री सीताराम सोंधिया (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राज नारायण मिश्रा- न्यू कुदवारी अमखेरा निवासी श्री राज नारायण मिश्रा (99) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती कीर्ति केवट- शिवनगर गढ़ा निवासी श्री प्रेमलाल केवट की धर्मपत्नी श्रीमती कीर्ति केवट (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।



निवेश मंत्रा
समझदारी

बाजार पूंजीकरण के आधार पर शेयरों की तीन प्रमुख श्रेणियां, फायदे-नुकसान जान लें, समझें कौन-सा विकल्प उपयुक्त

लार्ज, मिड या स्मॉलकैप : किसमें कितना निवेश करें

लार्जकैप शेयरों में आम तौर पर छोटी कंपनियों की तुलना में उतार-चढ़ाव कम हो सकता है। स्थापित कारोबार और मजबूत वित्तीय स्थिति कई बार बाजार में गिरावट के दौरान अपेक्षाकृत सहारा दे सकती है। कई बड़ी कंपनियां नियमित मुनाफा कमाने और लाभांश देने का भी रिकॉर्ड रखती हैं।

शेयर बाजार में निवेश शुरू करने वाले लोगों के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल अच्छे शेयर चुनना नहीं होती। यह समझना भी जरूरी है कि कंपनी किस श्रेणी में आती हैं और उसके शेयर में जोखिम कितना है। बाजार पूंजीकरण के आधार पर कंपनियों को मुख्य रूप से लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप श्रेणियों में देखा जाता है। इन तीनों श्रेणियों में कंपनियों का आकार, कारोबार की परिपक्वता, विकास की संभावना और शेयर की कीमत में उतार-चढ़ाव अलग-अलग हो सकता है। इसलिए निवेशक को केवल संभावित रिटर्न देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। निवेश की अवधि, जोखिम उठाने की क्षमता और वित्तीय लक्ष्य भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

लार्जकैप: अपेक्षाकृत स्थिर कंपनियां

लार्जकैप कंपनियां बाजार पूंजीकरण के लिहाज से सबसे बड़ी कंपनियां होती हैं। भारतीय म्यूचुअल फंड वर्गीकरण में बाजार पूंजीकरण के आधार पर शीर्ष 100 कंपनियां लार्जकैप श्रेणी में आती हैं। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक और इंफोसिस जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों का कारोबार आमतौर पर स्थापित होता है और इनके पास मजबूत ब्रांड, बड़ा ग्राहक आधार तथा लंबे समय का कारोबारी अनुभव हो सकता है।

फायदा क्या?

लार्जकैप शेयरों में आम तौर पर छोटी कंपनियों की तुलना में उतार-चढ़ाव कम हो सकता है। स्थापित कारोबार और मजबूत वित्तीय स्थिति कई बार बाजार में गिरावट के दौरान अपेक्षाकृत सहारा दे सकती है। कई बड़ी कंपनियां नियमित मुनाफा कमाने और लाभांश देने का भी रिकॉर्ड रखती हैं।



जोखिम क्या?

स्थापित और बड़ी कंपनी के लिए बहुत तेज गति से कारोबार बढ़ाना मुश्किल हो सकता है। इसलिए कुछ परिस्थितियों में इनका विकास छोटे आकार की कंपनियों की तुलना में धीमा रह सकता है। इसका मतलब यह नहीं कि लार्जकैप में जोखिम नहीं है। आर्थिक संकट या बाजार में बड़ी गिरावट के दौरान इनके शेयर भी काफी नीचे जा सकते हैं।

किसके लिए?

लंबी अवधि के निवेशक, पहली बार शेयर बाजार में कदम रखने वाले और अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव पसंद करने वाले निवेशक अपने इक्विटी पोर्टफोलियो में लार्जकैप को आधार के तौर पर देख सकते हैं। हालांकि व्यक्तिगत शेयर चुनते समय कंपनी का मूल्यांकन और वित्तीय स्थिति देखना जरूरी है।

मिडकैप : विकास और जोखिम के बीच संतुलन

मिडकैप कंपनियां बाजार पूंजीकरण के लिहाज से 101वीं से 250वीं रैंक के बीच आती हैं। ये कंपनियां आमतौर पर अपने कारोबार को स्थापित कर चुकी होती हैं, लेकिन बड़ी कंपनियों की तुलना में इनके विस्तार की गुंजाइश अधिक हो सकती है। इनमें कई ऐसी कंपनियां होती हैं, जो आने वाले वर्षों में कारोबार और बाजार हिस्सेदारी बढ़ाकर बड़ी कंपनियों की श्रेणी में पहुंच सकती हैं।

फायदा क्या?

मिडकैप कंपनियों के पास कारोबार बढ़ाने की संभावना अपेक्षाकृत अधिक हो सकती है। सफल कंपनियों में मुनाफा और बाजार मूल्य तेजी से बढ़ने की क्षमता होती है। यही वजह है कि लंबी अवधि में कुछ मिडकैप शेयरों ने लार्जकैप की तुलना में अधिक रिटर्न दिया है।

जोखिम क्या?

ज्यादा विकास क्षमता के साथ ज्यादा उतार-चढ़ाव भी आता है। आर्थिक मंदी, प्रतिस्पर्धा बढ़ने, कर्ज का दबाव या कारोबार के विस्तार में असफलता का असर मिडकैप कंपनियों पर पड़ सकता है। बाजार में गिरावट के दौरान मिडकैप शेयरों में लार्जकैप की तुलना में तेज गिरावट देखने को मिल सकती है। इसलिए इनमें निवेश करते समय धैर्य जरूरी है।

किसके लिए?

ऐसे निवेशक जिनकी निवेश अवधि लंबी है और जो बाजार में अस्थायी गिरावट को सहन कर सकते हैं, वे मिडकैप पर विचार कर सकते हैं। आम तौर पर 7-10 साल या उससे अधिक की अवधि वाले लक्ष्यों के लिए इस श्रेणी को देखा जाता है।

स्मॉलकैप: ज्यादा विकास क्षमता, ज्यादा जोखिम

बाजार पूंजीकरण के लिहाज से 250वीं कंपनी के बाद आने वाली कंपनियां स्मॉलकैप श्रेणी में आती हैं। इनमें कई कंपनियां अपेक्षाकृत छोटे कारोबार से शुरुआत कर रही होती हैं और कुछ विशेष क्षेत्रों या नए कारोबारी अवसरों पर काम कर सकती हैं। इनमें से कुछ कंपनियां भविष्य में तेजी से विस्तार करके मिडकैप या लार्जकैप बन सकती हैं। लेकिन हर छोटी कंपनी ऐसा कर पाए, यह जरूरी नहीं है।

फायदा क्या?

छोटे आधार से कारोबार बढ़ाने वाली सफल कंपनियों में आय और मुनाफे की वृद्धि तेज हो सकती है। यदि कंपनी लंबे समय तक मजबूत प्रदर्शन करती है तो उसके शेयर में भी बड़ी वृद्धि देखने को मिल सकती है।

जोखिम क्या?

स्मॉलकैप शेयर तीनों श्रेणियों में सबसे ज्यादा उतार-चढ़ाव वाले हो सकते हैं। छोटे कारोबार को आर्थिक मंदी, पूंजी की कमी, प्रतिस्पर्धा और प्रबंधन से जुड़ी समस्याओं का ज्यादा असर पड़ सकता है। बाजार में तेजी के दौरान ऐसे शेयर तेजी से बढ़ सकते हैं, लेकिन गिरावट में नुकसान भी तेज हो सकता है। हर स्मॉलकैप कंपनी भविष्य की बड़ी कंपनी बनेगी, यह मानना जोखिमपूर्ण है।



किसके लिए?

स्मॉलकैप आम तौर पर ऐसे निवेशकों के लिए अधिक उपयुक्त माने जाते हैं, जिनकी निवेश अवधि लंबी है और जो ज्यादा जोखिम उठा सकते हैं। ऐसे निवेशकों के लिए भी पूरी रकम स्मॉलकैप में लगाने के बजाय कुल पोर्टफोलियो में इसकी भूमिका और जोखिम को समझना महत्वपूर्ण है।

तीनों में अंतर एक नजर में

- श्रेणी कंपनियों का आकार विकास की संभावना उतार-चढ़ाव निवेश अवधि
- लार्जकैप सबसे बड़ी कंपनियां अपेक्षाकृत स्थिर अपेक्षाकृत कम लंबी अवधि
- मिडकैप मध्यम आकार की कंपनियां अपेक्षाकृत अधिक मध्यम से अधिक 7-10 साल या अधिक
- स्मॉलकैप छोटी कंपनियां अधिक हो सकती है सबसे अधिक बहुत लंबी अवधि

क्या तीनों में निवेश किया जा सकता है?

हां। निवेशक अपनी जोखिम क्षमता और लक्ष्य के अनुसार तीनों श्रेणियों में अलग-अलग स्तर पर निवेश कर सकता है। कई म्यूचुअल फंड योजनाएं भी अलग-अलग बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों में निवेश करती हैं। फ्लेक्सीकैप जैसे फंडों में फंड मैनेजर को लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों के बीच निवेश का फैसला करने की अधिक स्वतंत्रता होती है। इससे निवेशक को एक ही फंड के माध्यम से अलग-अलग श्रेणियों का एक्सपोजर मिल सकता है।

तेजी के बाजार में स्मॉलकैप बेहतर हैं?

सिर्फ बाजार में तेजी देखकर स्मॉलकैप को बेहतर मानना सही नहीं है। तेज बाजार में निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता बढ़ने पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में तेजी अधिक दिखाई दे सकती है, लेकिन बाजार की दिशा बदलने पर इन्हीं शेयरों में गिरावट भी तेज हो सकती है। इसलिए किसी श्रेणी का चुनाव केवल मौजूदा बाजार माहौल देखकर करने के बजाय निवेश के लक्ष्य और समयावधि के आधार पर करना चाहिए।

निवेशक के लिए जरूरी बात

लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप में अंतर समझना जरूरी है, लेकिन केवल कंपनी का आकार देखकर शेयर खरीदना पर्याप्त नहीं है। कंपनी की आय, मुनाफा, कर्ज, नकदी प्रवाह, कारोबार की गुणवत्ता, प्रबंधन और शेयर का मूल्यांकन भी देखना चाहिए।

मिडकैप में विकास और जोखिम का मिश्रण

लार्जकैप में अपेक्षाकृत स्थिर और स्थापित कारोबार मिल सकते हैं, मिडकैप में विकास और जोखिम का मिश्रण हो सकता है, जबकि स्मॉलकैप में अधिक विकास क्षमता के साथ ज्यादा उतार-चढ़ाव का जोखिम रहता है। इसलिए निवेश का सही सवाल यह नहीं है कि लार्जकैप, मिडकैप या स्मॉलकैप में से कौन सबसे अच्छा है। सही सवाल यह है कि आपके वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के हिसाब से इन तीनों में कितना जोखिम लेना उचित है।



वरना बढ़ती सैलरी भी नहीं बढ़ा पाएगी आमदनी

नौकरी शुरू करने के बाद शुरुआती पांच साल किसी भी व्यक्ति की वित्तीय जिंदगी के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान आमदनी धीरे-धीरे बढ़ती है, आर्थिक स्वतंत्रता आती है और अपने फैसले खुद लेने का मौका मिलता है। लेकिन इसी दौर में कई ऐसी आदतें भी बन जाती हैं, जिनका असर लंबे समय तक दिखाई देता है। पहली सैलरी से लेकर पांचवें साल तक अगर खर्च लगातार बढ़ता जाए, निवेश को टाला जाता रहे और क्रेडिट कार्ड या कर्ज पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता हो, तो बढ़ती आमदनी के बावजूद संपत्ति तेजी से नहीं बढ़ती। दूसरी तरफ, इसी समय नियमित बचत, निवेश, आपातकालीन निधि और कौशल विकास की आदत बना ली जाए तो आगे की वित्तीय यात्रा मजबूत हो सकती है।

मार्केट मंत्र | बिजनेस डेस्क

सैलरी बढ़ते ही खर्च बढ़ाना

करियर के शुरुआती वर्षों में वेतन बढ़ना अच्छी बात है, लेकिन हर बढ़ोतरी को खर्च करने का मौका मान लेना नुकसानदेह हो सकता है। महंगा किराया, नया मोबाइल, कार, लगातार बाहर खाना, छुट्टियां और ऑनलाइन खरीदारी जैसे खर्च धीरे-धीरे बजट का बड़ा हिस्सा बन सकते हैं। अगर सैलरी 10 प्रतिशत बढ़ी और खर्च भी करीब उतना ही बढ़ गया, तो आमदनी बढ़ने के बावजूद बचत और निवेश में खास सुधार नहीं होगा। इसलिए वेतन बढ़ने पर खर्च बढ़ाने से पहले बचत और निवेश की राशि बढ़ाने पर ध्यान देना बेहतर है।

निवेश को बाद के लिए न टालें

युवा नौकरीपेशा लोगों को अक्सर लगता है कि रिटायरमेंट अभी बहुत दूर है। इसलिए वे निवेश शुरू करने के बजाय सोचते हैं कि कुछ साल बाद ज्यादा कमाई होने पर शुरुआत करेंगे। लेकिन निवेश में समय बहुत महत्वपूर्ण है। शुरुआती उम्र में छोटी रकम भी लंबे समय तक निवेशित रहने पर चक्रवृद्धि की वजह से बड़ी हो सकती है। दूसरी तरफ, पांच-दस साल की देरी की भरपाई के लिए बाद में ज्यादा रकम निवेश करनी पड़ सकती है।

कमाई के पहले पांच साल में इन बातों को रखें ध्यान
न करें ये कुछ बड़ी गलतियां

आपातकालीन निधि न बनाना

कई युवा निवेश पर तो ध्यान देते हैं, लेकिन अचानक आने वाले खर्च के लिए अलग रकम नहीं रखते। नौकरी जाने, परिवार में आपात स्थिति, बीमारी, घर की मरम्मत या किसी अन्य अनपेक्षित खर्च के समय ऐसी कमी भारी पड़ सकती है। ऐसी स्थिति में निवेश तोड़ना या महंगे ब्याज पर कर्ज लेना पड़ सकता है। इसलिए सामान्य तौर पर कम से कम छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर आपातकालीन निधि बनाने को प्राथमिकता दी जाती है। इसे ऐसे साधन में रखना चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से उपलब्ध हो।

कंपनी की सुविधाओं को नजरअंदाज करना गलत

कई कर्मचारी अपने नियोक्ता की ओर से मिलने वाली सुविधाओं की पूरी जानकारी नहीं लेते। भविष्य निधि, स्वास्थ्य बीमा, अतिरिक्त बीमा कवर, सेवानिवृत्ति योजनाएं, स्टॉक विकल्प या शिक्षा से जुड़ी सुविधाएं कुल वित्तीय लाभ का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकती हैं। नौकरी बदलते समय भी यह देखना जरूरी है कि पुरानी कंपनी की कौन-सी सुविधा जारी रखनी है और नई कंपनी में कौन-सा अतिरिक्त लाभ उपलब्ध है।

क्रेडिट कार्ड और आसान कर्ज का गलत इस्तेमाल

क्रेडिट कार्ड, उपभोक्ता ऋण और 'अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें' जैसी सुविधाओं ने खरीदारी आसान कर दी है। लेकिन सुविधा और जरूरत के बीच अंतर समझना जरूरी है। ऐसी चीजों के लिए कर्ज लेना जिनकी कीमत समय के साथ घटती है, भविष्य की बचत को प्रभावित कर सकता है। खासकर क्रेडिट कार्ड का बकाया समय पर पूरा नहीं करने पर ब्याज तेजी से बढ़ सकता है। इसलिए कर्ज लेने से पहले यह देखना चाहिए कि वह संपत्ति बनाने में मदद कर रहा है या केवल मौजूदा खर्च को आगे खिसका रहा है।

सोशल मीडिया देखकर निवेश करना

किसी शेयर, क्रिप्टोकरेंसी या किसी नए निवेश विकल्प के तेजी से बढ़ने की खबर देखकर तुरंत पैसा लगा देना जोखिमपूर्ण हो सकता है। सोशल मीडिया पर दिख रहा पिछला रिटर्न भविष्य के प्रदर्शन की गारंटी नहीं होता। निवेश का आधार किसी ट्रेंड या इंटरनेट पर चल रही चर्चा के बजाय लक्ष्य, समयावधि, जोखिम क्षमता और निवेश की समझ होनी चाहिए। विविधीकरण और नियमित निवेश की रणनीति भी इसी वजह से महत्वपूर्ण मानी जाती है।

बड़े खर्चों की योजना न बनाना

शादी, घर खरीदना, बच्चों की शिक्षा और रिटायरमेंट जैसे लक्ष्य शुरुआती करियर में दूर लग सकते हैं। लेकिन महंगाई के कारण भविष्य में इनकी लागत आज की तुलना में काफी अधिक हो सकती है। अगर इन लक्ष्यों के लिए पहले से निवेश शुरू नहीं किया गया तो बाद में अचानक बड़ी रकम जुटाने का दबाव बन सकता है। इसलिए अलग-अलग लक्ष्यों के लिए अलग समयसीमा और निवेश योजना बनाना उपयोगी रहता है।

बीमा को नजरअंदाज करना

कई युवा मानते हैं कि कम उम्र में बीमा की जरूरत नहीं है। कंपनी की ओर से मिलने वाला स्वास्थ्य बीमा भी उन्हें पर्याप्त लगता है। लेकिन नियोक्ता का बीमा नौकरी बदलने या नौकरी खत्म होने पर जारी रहे, यह जरूरी नहीं है। परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ने के साथ पर्याप्त स्वास्थ्य और जीवन बीमा की जरूरत भी बदल सकती है।

अपनी कमाई की क्षमता बढ़ाने पर ध्यान न देना

शुरुआती करियर में केवल खर्च कम करना और निवेश बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं है। व्यक्ति की सबसे बड़ी संपत्ति उसकी कमाने की क्षमता होती है। नई तकनीक सीखना, प्रमाणपत्र हासिल करना, उच्च शिक्षा, विशेषज्ञता विकसित करना और पेशेवर नेटवर्क मजबूत करना भविष्य की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। अगर किसी कौशल को सीखने पर आय में बड़ा सुधार संभव है, तो शुरुआती वर्षों में उस पर किया गया खर्च लंबे समय में किसी सामान्य निवेश से भी अधिक प्रभाव डाल सकता है।

छोटी आदतें बना सकती हैं बड़ा अंतर

कमाई के शुरुआती पांच साल में वित्तीय अनुशासन का मतलब यह नहीं है कि व्यक्ति अपनी हर इच्छा छोड़ दे। असली लक्ष्य यह है कि बढ़ती आय का पूरा हिस्सा बढ़ती जीवनशैली पर खर्च न हो। सैलरी बढ़ने पर निवेश बढ़ाना, आपातकालीन निधि बनाना, महंगे कर्ज से बचना, बीमा की समीक्षा करना और अपनी कमाई की क्षमता बढ़ाना। ये आदतें धीरे-धीरे मजबूत वित्तीय आधार तैयार कर सकती हैं।

रिटायरमेंट पर एनपीएस का पूरा पैसा निकालना जरूरी नहीं

बिजनेस डेस्क। रिटायरमेंट के बाद एनपीएस का पैसा एक साथ निकाल लेना ही एकमात्र विकल्प नहीं है। पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण यानी पीएफआरडीए के नियमों में ऐसे विकल्प मौजूद हैं, जिनके तहत पात्र एनपीएस सब्सक्राइबर 60 वर्ष की उम्र या सेवानिवृत्ति के बाद भी अपना पैसा एनपीएस में बनाए रख सकते हैं और निकासी को आगे के वर्षों में टाल सकते हैं। सामान्य तौर पर यह सुविधा 75 वर्ष की उम्र तक उपलब्ध है। इसका मतलब यह नहीं है कि एनपीएस में 60 साल के बाद कोई तय ब्याज दर मिलती है। एनपीएस बाजार से जुड़ा निवेश है और इसमें मिलने वाला रिटर्न गारंटीड नहीं होता। खाते में बची रकम संबंधित निवेश विकल्पों के प्रदर्शन के अनुसार बढ़ या घट सकती है। पीएफआरडीए के अनुसार पात्र सब्सक्राइबर 60 वर्ष की उम्र या सुपरएनुएशन के बाद भी एनपीएस में बने रह सकते हैं। वह 75 वर्ष तक खाते को जारी रख सकते हैं या बीच में किसी भी समय बाहर निकल सकते हैं। एकमुश्त निकासी को टालने का विकल्प है। सब्सक्राइबर एकमुश्त राशि को बाद में निकाल सकता है या इसे चरणबद्ध तरीके से निकाल सकता है। पीएफआरडीए ने सिस्टेमैटिक लंपसम विड्रॉल यानी एसएलडब्ल्यू की सुविधा भी उपलब्ध कराई है।

एसएलडब्ल्यू से धीरे-धीरे निकाल सकते हैं पैसा

मान लीजिए रिटायरमेंट के समय किसी को एनपीएस से मिलने वाली एकमुश्त राशि बड़ी है और उसे पूरी रकम की तत्काल जरूरत नहीं है। ऐसे में पूरी रकम एक साथ बैंक खाते में लेने के बजाय वह चरणबद्ध निकासी का विकल्प चुन सकता है। एसएलडब्ल्यू के तहत निर्धारित अवधि में राशि निकालने की सुविधा मिलती है। पीएफआरडीए ने इस सुविधा को इसी उद्देश्य से शुरू किया है कि सब्सक्राइबर को एकमुश्त रकम निकालने के बजाय उसे व्यवस्थित तरीके से इस्तेमाल करने का विकल्प मिले।

जुलाई 2026 में बदले एनपीएस के नियम

जुलाई 2026 में पीएफआरडीए ने निकासी नियमों में बदलाव किया है। इसलिए पुराने 60% एकमुश्त और 40% वार्षिकी वाले नियम को हर एनपीएस श्रेणी पर लागू मानना सही नहीं है। ऑल-सिटिजन मॉडल में सामान्य निकासी के लिए पात्रता और कॉर्पस के आकार के आधार पर अब अधिकतम 80% राशि एकमुश्त निकालने तथा कम से कम 20% राशि से वार्षिकी लेने का विकल्प उपलब्ध है। कुछ छोटे कॉर्पस के लिए पूरी रकम निकालने अथवा एसएलडब्ल्यू जैसे विकल्प भी उपलब्ध हैं। वहीं सरकारी क्षेत्र के मौजूदा नियमों में सामान्य निकासी पर अधिकतम 60% एकमुश्त और कम से कम 40% वार्षिकी का प्रावधान बना हुआ है। इसलिए एनपीएस में पैसा लगाने वाले व्यक्ति को अपने मॉडल और लागू नियम के अनुसार ही गणना करनी चाहिए।

एनपीएस में बचा पैसा कैसे बढ़ेगा?

एनपीएस में जमा रकम बाजार से जुड़े विभिन्न विकल्पों में निवेशित होती है। इसलिए रिटायरमेंट के बाद खाते में बची रकम पर कोई निश्चित 10% या 12% ब्याज मिलने की गारंटी नहीं है। निवेश का प्रदर्शन इक्विटी, कॉरपोरेट बॉन्ड और सरकारी प्रतिभूतियों जैसे विकल्पों में किए गए आवंटन तथा बाजार की स्थिति पर निर्भर करता है। इसलिए यह कहना सही नहीं होगा कि 60 से 75 वर्ष के बीच एनपीएस निश्चित रूप से बैंक एफडी से ज्यादा रिटर्न देगा। यही कारण है कि रिटायरमेंट के बाद एनपीएस में पैसा बनाए रखने का फैसला केवल पिछले रिटर्न देखकर नहीं करना चाहिए। नियमित आय की जरूरत, महंगाई, कर प्रभाव और परिवार की वित्तीय जरूरतों को भी ध्यान में रखना चाहिए।

पूरा पैसा एफडी में डालना भी हमेशा जरूरी नहीं

रिटायरमेंट के समय बड़ी रकम हाथ में आने पर उसे पूरी तरह बचत खाते या एफडी में रखना आसान विकल्प लग सकता है। लेकिन एफडी और एनपीएस की प्रकृति अलग है। एफडी में ब्याज दर पहले से तय होती है, जबकि एनपीएस बाजार से जुड़ा होता है। एफडी में पूंजी की स्थिरता अपेक्षाकृत अधिक होती है, जबकि एनपीएस में बाजार उतार-चढ़ाव का जोखिम रहता है। दोनों की तुलना केवल ब्याज दर के आधार पर करना उचित नहीं है। रिटायरमेंट के बाद पैसे का कुछ हिस्सा नियमित खर्च के लिए सुरक्षित साधनों में और शेष रकम दीर्घकालिक जरूरत के अनुसार अलग-अलग विकल्पों में रखना कुछ निवेशकों के लिए उपयोगी रणनीति हो सकती है।

शेयर गिरने पर खरीदारी बढ़ाएं या फिर एसआईपी जारी रखें?

1. शेयर में गिरावट हमेशा खरीदारी का मौका नहीं होता
2. एसआईपी बाजार के उतार-चढ़ाव को कर सकती है संतुलित

शेयर बाजार में गिरावट आते ही निवेशकों को अक्सर सलाह दी जाती है कि भाव कम हो गए हैं, इसलिए और खरीदारी करके औसत लागत घटा लें। मसलन, अगर कोई शेयर 1,000 रुपये पर अच्छा लग रहा था तो 800 रुपये पर वह और सस्ता नजर आ सकता है। लेकिन निवेश का यह गणित हर शेयर पर लागू नहीं होता। सवाल यह है कि गिरावट सिर्फ शेयर के भाव में आई है या कंपनी के कारोबार में भी कमजोरी आई है? यही अंतर शेयरों में औसत लागत घटाने और म्यूचुअल फंड में नियमित निवेश के बीच सबसे महत्वपूर्ण है। गलत शेयर में लगातार पैसा लगाते जाना नुकसान को कम करने के बजाय बढ़ा भी सकता है।

क्या है औसत लागत का तरीका?

किसी शेयर या म्यूचुअल फंड में अलग-अलग समय पर अलग-अलग कीमतों पर निवेश करने को औसत लागत का तरीका कहा जा सकता है। इसका उद्देश्य एक ही कीमत पर पूरी रकम लगाने के बजाय कई स्तरों पर खरीदारी करना है। उदाहरण के लिए, किसी शेयर को 1,000 रुपये पर खरीदा और बाद में 800 रुपये पर फिर खरीदा तो दोनों खरीद की औसत लागत 900 रुपये होगी। शेयर की कीमत दोबारा बढ़ने पर निवेशक को शुरुआती खरीद की तुलना में जल्दी लाभ की स्थिति मिल सकती है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण बात है। औसत लागत कम होना और निवेश का जोखिम कम होना एक ही बात नहीं है।

भाव बढ़ने पर खरीदना भी है औसत बढ़ाना

औसत लागत की चर्चा में आमतौर पर गिरते शेयर में खरीदारी की बात होती है, लेकिन भाव बढ़ने पर भी निवेश बढ़ाया जा सकता है। इसे औसत बढ़ाना कहा जा सकता है। यदि किसी कंपनी के कारोबार, मुनाफे और भविष्य की संभावनाओं में सुधार हो रहा है और शेयर का भाव उसी वजह से बढ़ रहा है, तो कुछ निवेशक बढ़ी हुई कीमत पर भी धीरे-धीरे खरीदारी जारी रखते हैं। यहां फैसला सिर्फ भाव देखकर नहीं, बल्कि कंपनी के प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं को देखकर करना जरूरी है।

म्यूचुअल फंड में एसआईपी क्यों अलग है?

म्यूचुअल फंड में एसआईपी औसत लागत के सिद्धांत को काफी व्यवस्थित तरीके से लागू करती है। निवेशक हर महीने एक तय रकम लगाता है। बाजार नीचे होने पर उसी रकम से ज्यादा यूनिट मिलती हैं और बाजार ऊपर होने पर कम यूनिट मिलती हैं। इससे निवेशक को हर बार बाजार का सही स्तर पहचानने की जरूरत नहीं पड़ती। लंबे समय में अलग-अलग भाव पर खरीदी गई यूनिट का औसत मूल्य बनता रहता है। उदाहरण के तौर पर, अगर कोई निवेशक हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी करता है और बाजार में गिरावट आती है तो उस महीने उसे अधिक यूनिट मिलेंगी। बाजार चढ़ने पर कम यूनिट मिलेंगी। बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच निवेश लगातार चलता रहता है।

म्यूचुअल फंड में बंट जाता है जोखिम

म्यूचुअल फंड और व्यक्तिगत शेयर में सबसे बड़ा अंतर विविधीकरण का है। सामान्य तौर पर म्यूचुअल फंड का पैसा कई कंपनियों और क्षेत्रों में लगाया जाता है। किसी एक कंपनी का प्रदर्शन खराब होने पर उसका असर पूरे निवेश पर उसी अनुपात में नहीं पड़ता। फंड का पोर्टफोलियो फंड मैनेजर की निगरानी में रहता है। फंड की रणनीति के अनुसार कमजोर कंपनियों में निवेश घटाया या समाप्त किया जा सकता है और दूसरी कंपनियों को शामिल किया जा सकता है।

शेयर में गिरावट आए तो सावधान

व्यक्तिगत शेयर में औसत लागत घटाना कहीं ज्यादा सावधानी मांगता है। किसी शेयर का भाव गिरने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। बाजार की सामान्य गिरावट या किसी क्षेत्र में अस्थायी कमजोरी एक वजह हो सकती है। कंपनी के मुनाफे में लगातार गिरावट, कर्ज बढ़ना, बाजार हिस्सेदारी कम होना, नकदी प्रवाह कमजोर होना या प्रबंधन से जुड़े गंभीर सवाल दूसरी वजह हो सकते हैं। पहली स्थिति में गिरावट अस्थायी हो सकती है। दूसरी स्थिति में कम भाव कंपनी के कमजोर होते कारोबार का संकेत भी हो सकता है। ऐसे में सिर्फ यह सोचकर खरीदारी करते जाना कि शेयर पहले 1,000 का था और अब 500 रुपये का हो गया है, खतरनाक हो सकता है। शेयर का भाव 50 फीसदी गिरने का मतलब यह नहीं कि वह 50 फीसदी सस्ता ही हो गया है।

औसत घटाने से पहले ये सवाल पूछें

- कंपनी की बिक्री और मुनाफा किस दिशा में जा रहा है?
- कंपनी पर कर्ज बढ़ तो नहीं रहा?
- नकदी प्रवाह मजबूत है या कमजोर?
- कंपनी का बाजार हिस्सा बढ़ रहा है या घट रहा है?
- प्रबंधन और कॉरपोरेट गवर्नेंस से जुड़े कोई गंभीर सवाल तो नहीं?
- शेयर में गिरावट पूरे बाजार की वजह से है या कंपनी की अपनी समस्या है?
- मौजूदा कीमत पर कंपनी का मूल्यांकन उचित है या नहीं?
- इन सवालों के जवाब सकारात्मक हैं तो गिरावट पर चरणबद्ध खरीदारी पर विचार किया जा सकता है। लेकिन अगर कंपनी के मूल कारोबार में लगातार कमजोरी है तो केवल औसत लागत घटाने के लिए पैसा लगाना जोखिम बढ़ा सकता है।

एक ही शेयर या फंड में लगातार पैसा न लगाएं

औसत लागत घटाने की कोशिश में एक और गलती हो सकती है। किसी एक शेयर या फंड में जरूरत से ज्यादा पैसा लग जाना। किसी निवेश में लगातार रकम बढ़ाते रहने से पोर्टफोलियो में उसका हिस्सा बहुत बड़ा हो सकता है। इसलिए निवेशक को समय-समय पर अपने पूरे पोर्टफोलियो की समीक्षा करनी चाहिए और यह देखना चाहिए कि किसी एक कंपनी, क्षेत्र या फंड में जरूरत से ज्यादा एकाग्रता तो नहीं हो रही। गिरावट देखकर नहीं, कारण समझकर फैसला करना चाहिए।

**देश में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सियासी पारा लगातार चढ़ा हुआ है। विशेषकर विपक्षी दल जिस तरह से इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, उससे माहौल में एक भ्रम फैल रहा है। ज्यादातर राज्यों में आखिरी गहन पुनरीक्षण 2002 से 2004 के आसपास हुआ था। चुनाव आयोग का कहना है कि बीस साल में शहर बढ़े और पलायन बढ़ा, इसलिए 24 जून 2025 को देशभर में एसआईआर का आदेश दिया। मूल उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक विश्वसनीय बनाना है, लेकिन मतदाता सूची की शुद्धता और मतदाता के अधिकार-दोनों को एक साथ सुरक्षित रखना आवश्यक है। विपक्ष का आरोप है कि आयोग सत्ताधारी पार्टी के दबाव में काम कर रहा है। 'वोट चोरी' जैसी घटनाएं देशभर में हुई हैं। खासतौर पर राहुल गांधी, लंबे समय से चुनाव आयोग पर पक्षपात के आरोप लगाते रहे हैं। इसी वजह से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठ रही है। असली सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग की निर्णय-क्रिया इतनी पारदर्शी है कि नागरिक उस पर बिना किसी संदेह के भरोसा कर सके? जनता का भरोसा उस पर तभी मजबूत होगा, जब उसे पता हो कि संस्थान के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया क्या है? इसके लिए पारदर्शिता बेहद जरूरी है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

एसआईआर पर हंगामा : हकीकत से ज्यादा फसाना



विश्लेषण

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सियासी पारा लगातार चढ़ा हुआ है। विशेषकर विपक्षी दल जिस तरह से इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, उससे माहौल में एक भ्रम फैल रहा है। विपक्षी हंगामे और सवालों के चलते ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है, जो मानने लगे हैं कि मतदाता सूची की जांच एक तरह से नागरिकता की जांच हो गई है। लोग एक बारगी वोटर न होने को बर्दाश्त कर भी लें, लेकिन कोई नहीं चाहेगा कि उसकी जन्मजात नागरिकता पर सवाल उठे या वह खतरे में पड़े। कहना न होगा कि विशेषकर पश्चिम बंगाल में हुए एसआईआर के बहाने विपक्ष यह भ्रम और डर-दोनों फैलाने में किंचित सफल रहा है। हालांकि यह भी सच है कि ऐसा डर सिर्फ पश्चिम बंगाल और बिहार के ही कुछ इलाकों में ही दिख रहा है। एसआईआर उत्तर प्रदेश में भी हुआ है और दिल्ली में भी जारी है। एसआईआर तमिलनाडु में भी हुआ है, लेकिन यहां के मतदाताओं के बीच ऐसा भ्रम और डर न के बराबर दिखा है। सवाल यह उठता है कि आखिर बिहार और पश्चिम बंगाल में ऐसा डर क्यों दिख रहा है? इसकी वजह है, वहां पिछले कुछ दशकों में बांग्लादेश से बढ़ी घुसपैठ। पश्चिम बंगाल में जब सत्ता में वाममोर्चा था, तब यही ममता बनर्जी वहां घुसपैठ के मुद्दे को उछालती रहती थीं और वाममोर्चे पर आरोप लगाती रहती थीं कि वह इसे बढ़ावा दे रहा है। ममता बनर्जी इस बहाने परोक्ष रूप से वाममोर्चा पर आरोप लगाती थीं कि मतदाता बने घुसपैठियों के ही सहारे वह पश्चिम बंगाल की सत्ता में काबिज है। बाद के दिनों में ये मतदाता ममता के समर्थक हो गए और ममता की सत्ता के आधार बनने लगे तो उन्हें भी यह मामला फिजूल का लगने लगा। बिहार का सीमांचल इलाका भी बांग्लादेशी घुसपैठ से प्रभावित रहा है। इसलिए वहां भी ऐसे सवाल और भ्रम उठ रहे हैं। चूंकि एसआईआर में ऐसे अवैध मतदाता ज्यादा सवालों के घेरे में हैं या फिर उनके नाम कट रहे हैं, इस वजह से इन्हीं राज्यों में यह मुद्दा कुछ ज्यादा तुर्श दिख रहा है। मतदाता सूची में सुधार और उसमें चुनाव आयोग एवं मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर भी बड़े सवाल उठे हैं।

विशेषकर पश्चिम बंगाल में हुए एसआईआर के बहाने विपक्ष यह भ्रम और डर-दोनों फैलाने में किंचित सफल रहा है। हालांकि यह भी सच है कि ऐसा डर सिर्फ पश्चिम बंगाल और बिहार के ही कुछ इलाकों में ही दिख रहा है। एसआईआर उत्तर प्रदेश में भी हुआ है और दिल्ली में भी जारी है। एसआईआर तमिलनाडु में भी हुआ है, लेकिन यहां के मतदाताओं के बीच ऐसा भ्रम और डर न के बराबर दिखा है। सवाल यह उठता है कि आखिर बिहार और पश्चिम बंगाल में ऐसा डर क्यों दिख रहा है? इसकी वजह है, वहां पिछले कुछ दशकों में बांग्लादेश से बढ़ी घुसपैठ। पश्चिम बंगाल में जब सत्ता में वाममोर्चा था, तब यही ममता बनर्जी वहां घुसपैठ के मुद्दे को उछालती रहती थीं और वाममोर्चे पर आरोप लगाती रहती थीं कि वह इसे बढ़ावा दे रहा है।



संस्थाओं पर बहस हो, लेकिन तथ्यों के आधार पर

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। चुनाव आयोग बार-बार यह भरोसा दिलाने की कोशिश कर रहा है कि एसआईआर मतदाताओं को बेहतर सुविधा देने की व्यवस्था है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य है, कोई भी वैध और योग्य मतदाता छूटे नहीं। मोटे तौर पर एसआईआर का एक ही मकसद है, हर योग्य और वैध मतदाता को सूची में जोड़ना, दिए गए पते पर न रहे मतदाताओं और मृतकों का नाम सूची से हटाना। इसके साथ ही विदेशी और घुसपैठियों को मतदाता सूची से बाहर करना है। एक आरोप यह लग रहा है कि मतदाता सूची तैयार करने में ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर की भूमिका बीएलओ और ईआरओ की तुलना में बढ़ गई है, जिसकी वजह से मतदाता सूची को फाइनल करने के ईआरओ के अधिकार दरकिनार हो गए हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। ईसीआईनेट सिर्फ तकनीकी मंच है, जिसकी बुनियाद अधिकारियों द्वारा घर-घर से जुटाए आंकड़े हैं। नहीं भूलना चाहिए कि मतदाता सूची में किसी नाम को जोड़ने या उसे हटाने का निर्णय सिर्फ ईआरओ ही ले सकता है और वह भी जनप्रतिनिधित्व कानून 1950 के तहत, नोटिस और सुनवाई के बाद ही ऐसा कर सकता है। कहना न होगा कि ऐसा ही हो रहा है। लेकिन राजनीति इसे देखने की बजाय अपने हिसाब से घटनाओं और कार्यों की व्याख्या कर रही है।

ज्यादा आपत्ति बिहार-प. बंगाल से

सवाल यह भी है कि क्या एसआईआर को लेकर उठाए जा रहे सवाल असल में प्रक्रियात्मक और कानूनी हैं या इनके जरिए सिर्फ राजनीति हो रही है? पहले ही कहा जा चुका है कि एसआईआर को लेकर विपक्षी दलों की सबसे ज्यादा आपत्तियां बिहार और पश्चिम बंगाल से जुड़ी बताई जा रही हैं। कुछ राजनेताओं और दलों ने एसआईआर के आधार पर इन राज्यों के चुनावी परिणामों और मतदाता सूची की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। यहां ध्यान रखने की बात है कि एसआईआर केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी हुआ, लेकिन वहां बिहार या पश्चिम बंगाल की तरह इस पर सियासी विवाद नहीं हुआ। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि यदि कुछ राज्यों में एसआईआर को लेकर गंभीर आपत्ति नहीं है तो फिर एक या दो राज्यों में गंभीर आपत्तियां क्या राजनीतिक एजेंडे की वजह से तो नहीं उठाई जा रहीं? एसआईआर को देखने और समझने की एक ही कसौटी हर राज्य में क्यों नहीं लागू की जा रही है? इससे तो यही संकेत जाता है कि इसका सियासी विरोध सेलेक्टिव है और दोहरे मापदंड से भरा हुआ है। एसआईआर को लेकर जारी बहस में बड़े पैमाने पर नाम हटाने, तकनीकी प्रणाली के इस्तेमाल और पारदर्शिता जैसे सवाल उठाए गए हैं।

यह है मानक प्रक्रिया

मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया निर्धारित कानूनी और प्रशासनिक चरणों के तहत होती है। नाम हटाने से पहले मतदाता को नोटिस जारी करने और उसकी आपत्तियों और तर्कों की सुनवाई की जाती है। इसके बाद आखिरी निर्णय संबंधित निर्वाचन अधिकारी के स्तर पर होता है। इसलिए ड्राफ्ट मतदाता सूची में किसी मतदाता का नाम नहीं होना और अंतिम मतदाता सूची से नाम हट जाना, एक ही बात नहीं है। इसलिए जरूरी है कि दावे, ड्राफ्ट आंकड़े, आपत्तियों और अंतिम निर्णय, इन सभी चरणों को अलग-अलग समझा जाए। हर स्तर पर चूंकि आयोग ने पारदर्शी व्यवस्था अपना रखी है, इसे समझना हो तो अभी दिल्ली के किसी बीएलओ केंद्र का दौरा किया जा सकता है।

दिल्ली में खूब नोटिस जारी किए गए हैं, उनके जवाब में लोग बीएलओ यानी बूथ स्तर के अधिकारी के पास पहुंच रहे हैं। लेकिन अफरा-तफरी, घबराहट या दहशत नहीं दिख रही। बीएलओ लोगों से जरूरी फॉर्म और प्रमाण ले रहे हैं। ज्यादातर नोटिस की वजह पूरा नाम दर्ज न होना, नाम की वर्तनी गलत होना, पिता या पति के नाम का पूरा न होना या फिर उनके नाम की वर्तनी में गड़बड़ी या कमी होना पाया गया है।

ईसीआईनेट का सॉफ्टवेयर

अधिकारियों का कहना है कि ईसीआईनेट का सॉफ्टवेयर मतदाता सूची के पहले से जारी नाम और आवेदन में कुछ भी गड़बड़ी पाता है तो वह नोटिस जेनरेट कर देता है। उदाहरण के लिए, पहले से किसी का नाम मतदाता सूची में सिर्फ रमेश दर्ज है, जबकि उसका पूरा नाम रमेश शर्मा है, या इसी तरह उसके पिता का पूरा नाम दर्ज नहीं है। लेकिन पहचान के दूसरे दस्तावेजों में उसका पूरा नाम दर्ज है। जब अधिकारी ईसीआईनेट पर इसे लोड करते हैं तो सॉफ्टवेयर इस गड़बड़ी या बेमेल तथ्य को पकड़ता है। इसी तरह किसी का पता बदल गया है, जो पहले से दर्ज रिकॉर्ड से अलग है तो उसे भी नोटिस जा रहा है। बस इन्हें प्रमाणित करना भर है। लेकिन राजनीतिक दल इसे या तो समझ नहीं रहे या फिर जानबूझकर नासमझी दिखा रहे हैं। इन प्रमाणों को घुसपैठिए या अवैध मतदाता साबित नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए उनके नाम कट रहे हैं या काटे जाने की संभावना बन रही है। मौजूदा बहस में नागरिकों के लिए कुछ प्रश्न बेहद महत्वपूर्ण हो जाते हैं,क्या पुनरीक्षण निर्धारित संवैधानिक और कानूनी प्रक्रिया के तहत हुआ? क्या किसी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से हटाया गया? यदि ऐसा हुआ, तो क्या दावा और आपत्ति की प्रक्रिया के जरिए उसे सुधारा गया?

अपील की प्रक्रिया आसान बनाना महत्वपूर्ण विकल्प



व्यवस्था

प्रदीप सिंह

स्वतंत्र पत्रकार

देश की राजनीति में इस समय मतदाता सूची के शुद्धि के लिए चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर बहस के केंद्र में है। सत्तापक्ष और चुनाव आयोग इस प्रक्रिया को मतदाता सूची को पारदर्शी बनाने और लोकतंत्र को मजबूत करने वाला कदम बता रहा है, जबकि विपक्ष एसआईआर की पूरी कवायद को लोकतंत्र और कानून के शासन के खिलाफ बता रहा है। कुछ विपक्षी दल, नागरिक संगठन, अकादमिक संस्थाएं और बुद्धिजीवी चुनाव आयोग के इस विशेष अभियान को गैर-कानूनी बता रहे हैं। एसआईआर को आम मतदाताओं के खिलाफ एक साजिश बताने वाले इसे देश के लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए एक गंभीर प्रशासनिक, कानूनी और राजनीतिक चुनौती बता रहे हैं। हालांकि उच्चतम न्यायालय ने एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए इसकी कानूनी वैधता को बरकरार रखा है, लेकिन जमीनी स्तर पर बड़े पैमाने पर नाम हटने और प्रक्रियात्मक पारदर्शिता की कमी के आरोपों के कारण यह मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। दरअसल बिहार और पश्चिम बंगाल में इस प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नामों की जांच, हटाने और पुनः शामिल करने को लेकर विवाद सामने आया। यह आरोप लगा कि एसआईआर के जरिए वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। लेकिन चुनाव आयोग ऐसे आरोपों को खारिज करता रहा है। फिलहाल इस पूरी प्रक्रिया में हमें यह देखना होगा कि देश में एसआईआर की जरूरत क्या है, और इसका विरोध क्यों हो रहा है? क्या जरूरत और विरोध के बिंदुओं का मिलान करते हुए कोई बीच का रास्ता नहीं निकाला जा सकता है? जिससे मतदाता का अधिकार सुरक्षित रहे और मतदाता सूची भी पाक-साफ हो सके। इस विवाद को केवल सरकार बनाम विपक्ष के राजनीतिक संघर्ष के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसका सीधा संबंध चुनाव आयोग की विश्वसनीयता, मतदाता के अधिकार और चुनावी प्रक्रिया में जनता के विश्वास से है। यह सही है कि लंबे समय तक मतदाता सूची का पुनरीक्षण न करने पर सूची में मृत लोगों के नाम, स्थान बदल चुके मतदाताओं के पुराने पते, दोहरे नाम और अन्य गलतियां समय के साथ जमा रहते हैं। चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर शुरू करते समय भी दो दशक से अधिक समय में हुए शहरीकरण, बड़े पैमाने पर पलायन, मृत्यु के बाद नाम नहीं हटने और डुप्लीकेट प्रविष्टियों को मतदाता सूची की शुद्धता के लिए चुनौती बताया था। लेकिन समस्या तब पैदा हुई जब कुछ वास्तविक मतदाताओं का नाम भी दस्तावेजी प्रक्रिया या किसी तकनीकी जांच के कारण सूची से बाहर हो गए। बिहार में एसआईआर के प्रारंभिक मसौदे से लगभग 65 लाख नाम बाहर रह गए थे। बाद में दावों और आपत्तियों की प्रक्रिया के जरिए कई मामलों की समीक्षा हुई। हमारे देश में एक सच्चाई यह भी है कि रोजगार की तलाश में बड़ी संख्या में लोग दूसरे राज्यों और देशों में पलायन करते हैं। पूर्वी और उत्तर भारत के लोग दक्षिण भारत, महाराष्ट्र, दिल्ली, मुंबई और पंजाब जाते हैं। जबकि पंजाब के लोग कनाडा, यूरोप और केरल, तमिलनाडु के लोग खाड़ी देशों में रोजी-रोटी की तलाश में जाते हैं, और जीवन का बड़ा समय वहां गुजार देते हैं। ये परदेशी और प्रवासीसमय-समय पर अपने गांव आते तो है लेकिन जानकारी के अभाव और समय के दबाव में वे अपने पैतृक स्थान पर अपना नाम दर्ज कराने नहीं आ पाते हैं। क्या यह केंद्र सरकार के लिए चुनौती है?एसआईआर चुनाव आयोग द्वारा संचालित प्रक्रिया है, जो संविधान के तहत स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है। इसलिए हर प्रशासनिक निर्णय को सीधे केंद्र सरकार का निर्णय मानना उचित नहीं होगा। फिर भी, राजनीतिक स्तर पर केंद्र सरकार के लिए चुनौती जरूर पैदा हो सकती है। यह विवाद यदि लंबे समय तक जारी रहता है तो विपक्ष इसे सरकार के खिलाफ राजनीतिक मुद्दे के रूप में इस्तेमाल कर सकता है। एसआईआर पर सबसे बड़ी चुनौती जनता के विश्वास की है। चुनाव केवल मतदान का आयोजन नहीं है, लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह विश्वास भी जरूरी है कि मतदाता सूची में शामिल हर योग्य नागरिक को मतदान करने का अवसर मिलेगा। यदि बड़ी संख्या में नागरिकों को अपने नाम के लिए बार-बार दस्तावेज जमा करने पड़ें या उन्हें यह स्पष्ट न हो कि उनका नाम क्यों हटाया गया, तो चुनावी प्रक्रिया के प्रति अविश्वास बढ़ सकता है। इस मुद्दे पर सरकार और चुनाव आयोग के सामने विकल्प की बात करें तो पहला विकल्प पूर्ण पारदर्शिता है। किस आधार पर किसी मतदाता का नाम संदिग्ध माना गया, कितने नाम हटाए गए, कितने नाम वापस जोड़े गए और कितनी अपीलें लंबित हैं-इन आंकड़ों को राज्य और निर्वाचन क्षेत्र के स्तर पर व्यवस्थित रूप से सार्वजनिक किया जा सकता है। अपील की प्रक्रिया को आसान बनाना भी एक महत्वपूर्ण विकल्प है। किसी नागरिक से नाम हटाए जाने के बाद ऐसी प्रक्रिया की उम्मीद की जानी चाहिए जिसमें वह आसानी से अपनी आपत्ति दर्ज करा सके और समयबद्ध तरीके से निर्णय प्राप्त कर सके। एसआईआर का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक विश्वसनीय बनाना है, लेकिन मतदाता सूची की शुद्धता और मतदाता के अधिकार-दोनों को एक साथ सुरक्षित रखना आवश्यक है।

चुनाव आयोग ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर शुरू करते समय भी दो दशक से अधिक समय में हुए शहरीकरण, बड़े पैमाने पर पलायन, मृत्यु के बाद नाम नहीं हटने और डुप्लीकेट प्रविष्टियों को मतदाता सूची की शुद्धता के लिए चुनौती बताया था।

अलग राय दर्ज होना संस्था का टूटना नहीं



मंथन

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

देश में एसआईआर को लेकर जो बहस चल रही है, उसे सिर्फ "गड़बड़ी हो गई" कहकर नहीं समझा जा सकता। एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण मतदाता सूची की गहरी जांच है। चुनाव आयोग कहता है कि मृत, दोहरे और जगह छोड़ चुके लोगों के नाम हटने चाहिए। विरोधी दल और कई नागरिक समूह कहते हैं कि सही मतदाताओं के नाम भी कट रहे हैं। बीच में यह खबर भी आई कि आयोग के अंदर कुछ फैसलों पर अलग राय दर्ज हुई। कई लोगों ने इसे संस्था के टूटने जैसा पढ़ लिया।

संवैधानिक संस्थाओं में राय का फर्क अपने आप में गड़बड़ी नहीं होता। गड़बड़ी तब होती है, जब फर्क छिपाया जाए, नियम तोड़े जाएं, या आदमी को जवाब देने का मौका न मिले। एसआईआर कोई नया अलग कानून नहीं है। संविधान का अनुच्छेद 324 मतदाता सूची की तैयारी चुनाव आयोग को सौंपता है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 (3) आयोग को कारण लिखकर विशेष पुनरीक्षण का अधिकार देती है। ज्यादातर राज्यों में आखिरी गहन पुनरीक्षण 2002 से 2004 के आसपास हुआ था। आयोग का कहना है कि बीस साल में शहर बढ़े और पलायन बढ़ा, इसलिए 24 जून 2025 को देशभर में एसआईआर का आदेश दिया। शुरुआत बिहार से हुई। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स बनाम इलेक्शन कमीशन मामले में अदालत ने कहा कि एसआईआर पुराने कानून से टकराता नहीं है और स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव के लक्ष्य को कमजोर नहीं करता। यानी सूची साफ करने की शक्ति गलत नहीं है। पर शक्ति और जमीन पर अमल एक बात नहीं है। बिहार में प्रारूप सूची से करीब 65 लाख नाम बाहर रहे। अंतिम सूची में मतदाता करीब 7.89 करोड़ से घटकर लगभग 7.42 करोड़ रह गए। बाद के चरणों में नाम कटने और नोटिस जाने की शिकायतें बढ़ीं। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि दो निर्वाचन आयुक्तों ने कुछ फैसलों पर लिखित आपत्ति दर्ज की। आयोग ने 26 सितंबर 2026 को कहा कि एसआईआर के आदेश तीनों की सर्वसम्मति से पास हुए थे और विचार के दौरान अलग टिप्पणी सामान्य है। ऐसा फर्क दूसरी संवैधानिक संस्थाओं में भी रहा है। सबसे बड़ा उदाहरण केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य का मामला है, जिसका फैसला 24 अप्रैल 1973 को आया। केरल के एडनीर मठ के प्रमुख स्वामी केशवानंद भारती ने केरल के जमीन सुधार कानून को चुनौती दी थी। असली सवाल जमीन से बड़ा था। क्या संसद अनुच्छेद 368 के तहत संविधान का कोई भी हिस्सा, यहां तक कि मौलिक अधिकार भी, बदल सकती है? यह सुनवाई भारत के इतिहास की सबसे बड़ी पीठ ने की। तेरह जजों की राय 7 के मुकाबले 6 से बंट गई।

बहुमत ने कहा कि संसद संविधान संशोधित कर सकती है, पर उसका मूल ढांचा नहीं मिटा सकती। लोकतंत्र, न्यायिक समीक्षा, संघवाद और अधिकारों का मूल इस ढांचे में आता है। अल्पमत मानता था कि संशोधन की शक्ति इतनी बांधी हुई नहीं है। फैसला एक वोट से टिका। उस समय भी तीखी बहस हुई। आज वही बंटवारा संविधान की सबसे बड़ी सुरक्षा माना जाता है। केशवानंद में फर्क गड़बड़ी नहीं था। वह संविधान को बचाने वाली बहस थी। एक और उदाहरण लें। आपातकाल में मिसा कानून के तहत बंद लोगों ने बंदी प्रत्यक्षीकरण की याचिकाएं डाली थीं। सवाल था कि क्या अनुच्छेद 21 का जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार उस समय भी अदालत में मांगा जा सकता है। चार जजों के बहुमत ने कहा कि आपातकाल में यह दरवाजा बंद है।

जस्टिस एच. आर. खन्ना अकेले असहमत रहे। उनका कहना था कि जीवन और आजादी संविधान की देन नहीं, इनसे राज्य भी वंचित नहीं कर सकता। बाद में देश ने उनकी असहमति को सही माना और 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने उस बहुमत वाले फैसले को गलत ठहराया। रिपोर्टों के मुताबिक करीब 38 लाख अपीलों में से अधिकांश रुकी रहीं, और जो निपटीं उनमें ज्यादातर नाम वापस जुड़े। केशवानंद की तरह यहां भी राय अलग होना संस्था का कमजोर होना नहीं है। संस्था तब कमजोर होती है, जब सवाल न उठे। वह तब मजबूत होती है जब सवाल दर्ज हो, जवाब सार्वजनिक हो, और योग्य मतदाता का नाम बिना वजह न कटे। राय का फर्क दुश्मन नहीं है, छिपा हुआ फैसला है।



केशवानंद की तरह यहां भी राय अलग होना संस्था का कमजोर होना नहीं है। संस्था तब कमजोर होती है, जब सवाल न उठे। वह तब मजबूत होती है जब सवाल दर्ज हो, जवाब सार्वजनिक हो, और योग्य मतदाता का नाम बिना वजह न कटे। राय का फर्क दुश्मन नहीं है, छिपा हुआ फैसला है।

पारदर्शिता से ही बढ़ेगी विश्वसनीयता



चुनाव आयोग

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

हाल के बरसों में कामकाज के तरीकों को लेकर चुनाव आयोग लगातार विवादों में रहा है। विपक्ष का उस पर अविश्वास इतना गहरा शायद कभी नहीं रहा, जहां उसके तमाम फैसलों पर संदेह जताया गया। ऐसे में आयोग के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया से जुड़ा जो खुलासा हुआ है, वह गंभीर सवाल खड़े करता है। चुनाव आयोग (ईसीआई) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। कहा गया है कि दो चुनाव आयुक्तों और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के बीच कुछ महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर मतभेद रहे हैं। इनमें मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा भी शामिल है। विपक्ष इन दिनों लगातार चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि आयोग सत्ताधारी पार्टी के दबाव में काम कर रहा है। 'वोट चोरी' जैसी घटनाएं देशभर में हुई हैं। खासतौर पर राहुल गांधी, लंबे समय से चुनाव आयोग पर पक्षपात के आरोप लगाते रहे हैं।

इसी वजह से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठ रही है। हालांकि, चुनाव आयुक्तों को हटाना आसान नहीं है। उन्हें संसद में महाभियोग की प्रक्रिया के जरिये ही हटाया जा सकता है। लेकिन चुनाव आयोग की अपनी विश्वसनीयता के लिए जरूरी है कि वह इन सवालों पर अंदरूनी तौर पर गंभीर चर्चा करे और जनता को पारदर्शी तरीके से बताए कि वह किस तरह काम कर रहा है और भविष्य में ऐसी समस्याओं को दूर करने के लिए क्या कदम उठाएगा। आयोग ने फिलहाल इतना ही कहा है कि उसके निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए, लेकिन इससे पूरी स्थिति स्पष्ट नहीं होती। खैर, चुनाव आयोग पर पक्षपात का निष्कर्ष निकालने में जल्दबाजी भी नहीं करनी चाहिए। यह समझना जरूरी है कि भारत जैसे विशाल देश में चुनाव व्यवस्था चलाना बेहद कठिन काम है। देश में करीब एक अरब मतदाता हैं और आयोग के पास सीमित संसाधन हैं। इसलिए हमें सिर्फ आरोप लगाने के बजाय यह सोचना चाहिए कि ऐसी समस्याओं को दूर कैसे किया जा सकता है ताकि बड़ी संख्या में योग्य मतदाताओं के नाम गलती से मतदाता सूची से न हटें। मुख्य बात यह है कि हर समस्या के पीछे साजिश या पक्षपात मान लेना जरूरी नहीं है। एसआईआर बेहद ही संवेदनशील मसला है। बिहार में इसकी शुरुआत से लेकर दिल्ली तक, कई बार इसे लेकर असंतोष जताया जा चुका है। अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए जा चुके हैं। पश्चिम बंगाल में तो विवाद अभी तक शांत नहीं हुआ है। हालांकि जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं, उन्हें इसके खिलाफ अपील करके अपना जवाब देने का विकल्प दिया गया है। इस घटना से विपक्ष के आरोपों को बल मिलेगा और एसआईआर को लेकर शंका बढ़ेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि एसआईआर की प्रक्रिया पारदर्शी, समयबद्ध और ऐसी हो कि एक भी पात्र मतदाता अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हो। 2025 के एसआईआर को लेकर उठे सवाल, आयोग का पक्ष, विशेषज्ञों की आपत्तियां और सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला, सभी को देखें तो यह केवल एक चुनावी प्रक्रिया नहीं, बल्कि मतदाता सूची की विश्वसनीयता और चुनावी व्यवस्था में नागरिक के अधिकार से जुड़ा बड़ा सवाल है। इस पूरे विवाद से जो अहम बातें सामने आती हैं, वो है- सर्वोच्च न्यायालय को चुनाव आयोग की आंतरिक कार्यप्रणाली के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय करने चाहिए और यह साफ होना चाहिए कि आयोग महत्वपूर्ण फैसलों पर सहमति कैसे बनाता है। साफ है, देश में स्वस्थ लोकतंत्र का सबसे जरूरी आधार चुनाव आयोग है। जनता का भरोसा उस पर तभी मजबूत होगा, जब उसे पता हो कि संस्थान के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया क्या है। चुनाव आयोग से यह अपेक्षा किसी अन्य सरकारी विभाग की तुलना में अधिक है, क्योंकि वह स्वयं लोकतांत्रिक प्रक्रिया का प्रहरी है। उसकी विश्वसनीयता किसी सरकार, किसी राजनीतिक दल या किसी व्यक्ति से बड़ी है। इसलिए इस समय सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह नहीं है कि चुनाव आयोग के भीतर कौन किससे असहमत है। असली सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग की निर्णय-क्रिया इतनी पारदर्शी है कि नागरिक उस पर बिना किसी संदेह के भरोसा कर सके?



हर समस्या के पीछे साजिश या पक्षपात मान लेना जरूरी नहीं है। एसआईआर बेहद ही संवेदनशील मसला है। बिहार में इसकी शुरुआत से लेकर दिल्ली तक, कई बार इसे लेकर असंतोष जताया जा चुका है। अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए जा चुके हैं।

स्वच्छ भारत के संकल्प को जन-जन का आंदोलन बनाना जरूरी

गांधी जयंती पर उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने जेपी अस्पताल में श्रमदान कर स्टाफ को दिलाई स्वच्छता की शपथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल


जेपी अस्पताल में सफाई करते डिप्टी सीएम शुक्ल।

गांधी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को जेपी अस्पताल में स्वच्छता का संदेश जनभागीदारी के साथ दिया गया। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने अस्पताल परिसर में स्वच्छता अभियान में शामिल होकर श्रमदान किया और स्वच्छ अस्पताल को स्वस्थ समाज की पहली जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान तक सीमित नहीं, बल्कि इसे प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दैनिक आदत बनाना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत के संकल्प को जन-जन का आंदोलन बनाने के लिए सामूहिक सहभागिता जरूरी है। उप मुख्यमंत्री ने मातृ एवं शिशु रोग विभाग के सामने ऑक्सीजन प्लांट के पास साफ-सफाई कर श्रमदान किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सालय के स्टाफ को अस्पताल परिसर की स्वच्छता बनाए रखने और नियमित रूप से श्रमदान में भाग लेने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि अस्पताल जैसे स्थानों पर स्वच्छ वातावरण का सीधा संबंध मरीजों और उनके परिजनों के स्वास्थ्य से है। गांधीजी के सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के संदेश को जीवन में अपनाकर ही स्वच्छ और स्वस्थ भारत की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। कार्यक्रम में सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा, सिविल सर्जन डॉ. संजय जैन सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और चिकित्सालय का स्टाफ मौजूद रहा।

कायस्थम ने गांधी-शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि, भजन भी हुए


कायस्थम

कायस्थ समाज की संस्था कायस्थम मप्र ने शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। कायस्थम के पदाधिकारियों और सदस्यों ने पुरानी विधानसभा मिंटो हाल स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका पुण्य स्मरण किया। इस अवसर पर भजन भी प्रस्तुत किए गए। कायस्थम ने कायस्थ कुल के गौरव भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व शास्त्री की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव ने कहा कि भारत की दोनों महान विभूतियां आज भी समाज और देश के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है। इस मौके पर कायस्थम के कोषाध्यक्ष मुकुल अस्थाना, सचिव आलोक श्रीवास्तव, कार्यकारिणी सदस्य संजय खरे, विशेष आमंत्रित सदस्य राजेश खरे, अजय कुमार श्रीवास्तव, विष्णु कांत सहाय, उमंग खरे, रत्ना खरे, रचना सक्सेना डेविड, अर्चना भटनागर सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रेलवे में स्वच्छता अभियान, प्रभात फेरी से लेकर श्रमदान तक हुए कार्यक्रम



गांधी जयंती पर शुक्रवार को भोपाल मंडल में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत रेलवे स्टेशनों, अस्पतालों, कॉलोनियों और रेलवे प्रतिष्ठानों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्वच्छता में सहभागिता; स्वच्छ भारत, विकसित भारत थीम पर हुए आयोजनों में प्रभात फेरी, श्रमदान, स्वच्छता शपथ और वृक्षारोपण किया गया। हबीबगंज रेलवे कॉलोनी में निकली प्रभात फेरी में अपर मंडल रेल प्रबंधक अभिराम खरे, अपर मंडल रेल प्रबंधक योगेंद्र बघेल समेत अधिकारी शामिल हुए। इटारसी स्टेशन पर भी प्रभात फेरी निकालकर यात्रियों को स्वच्छता का संदेश दिया गया। डीजल लोको शेड में अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्रमदान किया। वहीं भोपाल, बीना, इटारसी और गुना के रेलवे अस्पतालों तथा अन्य परिसरों में सफाईमित्रों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए शिविर लगाए गए। बीना में सफाईमित्रों को मास्क और पीपीई किट भी वितरित की गईं। रेलवे स्कूल इटारसी में विद्यार्थियों ने सफाई अभियान में भाग लिया।

महाकौशल गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ ने 88 वृद्धजनों को किया सम्मानित



जबलपुर। अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठजन दिवस के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ एवं महाकौशल गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ ने संयुक्त रूप से इंडियन रेडक्रास सोसायटी द्वारा संचालित निराश्रित वृद्ध आश्रय गृह, बाजनामठ में वृद्धजन सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में आश्रय गृह के सभी वृद्धजनों का तुलसी माला एवं श्रीफल से सम्मान किया गया एवं फल वितरित किये गये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीपक सावला राष्ट्रीय महामंत्री अखिल भारतीय गहोई वैश्य महासभा, विशिष्ट अतिथि गहोई राजेन्द्र प्रसाद सेठ अध्यक्ष अखिल भारतीय गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ, महेश कुमार गन्धी उपाध्यक्ष अखिल भारतीय गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ, श्रीमती पुष्पा ददरया पूर्व अध्यक्ष गहोई वैश्य महासभा, संदीप जैन अध्यक्ष जबलपुर विकास प्राधिकरण, इंजी. अरूण खर्द मंत्री समाज पंचायत जबलपुर एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता एड. उत्तमचंद गुप्ता बिलैया, अध्यक्ष महाकौशल गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ ने की। मुख्य अतिथि श्री सावला ने कहा कि यह दिवस नई पीढ़ी को बुजुर्गों के अनुभवों से सीखने और उनके प्रति प्रेम व आदर के भाव रखने की प्रेरणा देता है। बुजुर्गों ने अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव, सफलता असफलताएँ देखी है, उनका यह व्यवहारिक अनुभव नई पीढ़ी को कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने और जीवन की चुनौतियों का सामना करने का सही रास्ता दिखाता है। दीपक सावला के विशेष सहयोग से आश्रय गृह के वृद्धजनों को कम्फर्टर प्रदान किये गये। श्री सेठ ने कहा कि समाज परिवार और राष्ट्र के निर्माण में वृद्धजनों का महत्य अतुलनीय है, ये हमारे जीवन की नींव, संस्कारों के संरक्षक और अनुभव की अनमोल पूँजी हैं। श्री जैन अध्यक्ष जबलपुर विकास प्राधिकरण ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज में युवाओं की ऊर्जा को बुजुर्गों का अनुभव और उचित मार्गदर्शन मिलता है तो समाज और परिवार सही दिशा में प्रगति करते हैं। उन्होनें बुजुर्गों को सही मायने में संस्कारों और संस्कृति का संरक्षक बताया। श्रीमती पुष्पा ददरया ने अपने उद्बोधन में कहा कि एक सुखी परिवार और आदर्श समाज के लिए बुजुर्गों का होना आवश्यक है तथा वृद्धजनों के योगदान को याद कर अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। एड. उत्तमचंद गुप्ता बिलैया ने कहा कि यह दिन पूर्णरूप से वरिष्ठजनों के अधिकारों, स्वास्थ्य और उनकी भलाई के लिए समर्पित है। वृद्ध व्यक्ति ज्ञान एवं अनुभव के अमूल्य स्रोत हैं। कार्यक्रम का संचालन इंजी. कमलकांत गुप्ता बहरे एवं आभार इंजी. कृष्णकांत बरसैंया द्वारा किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष महाकौशल क्षेत्रीय गहोई वैश्य सभा विजय कुमार सुहाने, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाषचंद्र रावत, डॉ. अरूण सरावगी, ओमप्रकाश कनकने, ओमप्रकाश तपा, शंभूदयाल बड़ेरिया, इंजी. श्रीकान्त कस्तवार, के.जी. आजाद, दयाशंकर कनकने, प्रकाशचन्द्र बिलैया, दिलीप रावत, इंजी. संतोष सिपोल्या, संतोष सुहाने, विजय बड़ोनिया, सतीश बड़ोनिया, राजेश खर्द, मदन कुमार गुप्ता मोदी, खेमचंद गुप्ता सोनी, एड. अशोक गुप्ता पिपरसानिया, कैलाश लहरिया, गोपालदास नीखरा, अनंतराम बडेरिया, रामगोपाल बजाज, राजू बांगर, नवीन बडेरिया, श्रीमती आशा बडेरिया, श्रीमती सीता सरावगी ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। वृद्ध आश्रय गृह के स्टाफ का सहयोग सराहनीय रहा।

संविदा आधार पर नियुक्त कार्मिकों को नियमित नियुक्ति दिये जाने की स्वीकृति के बावजूद अभी तक आगामी प्रक्रिया प्रारंभ नहीं हुई : राकेश डीपी पाठक



जबलपुर। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने कहा ऊर्जा क्षेत्र की सभी बिजली कंपनियों में परीक्षा देकर आए संविदा कर्मी अनेक वर्षों से कार्यरत हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अतरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा, ऊर्जा सचिव के विशेष आदेश पर सभी को नियमित नियुक्ति प्रदान करने हेतु आदेश दिए गए थे। ऊर्जा विभाग ने जुलाई 2026 के आदेश के माध्यम से संविदा आधार पर नियुक्त कर्मियों को स्वीकृत नये समकक्ष नियमित रिक्त पदों पर नवीन नियुक्ति दिये जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की थी। ऊर्जा विभाग द्वारा जारी पत्र में यह स्पष्ट रूप से आदेशित किया गया है कि नियमित नियुक्ति प्रदान करने की कार्यवाही 31 अक्टूबर 2026 तक पूर्ण किया जाना है । संविदा कर्मियों को नियमित नियुक्ति प्रदान करने के लिए बाह्य स्रोत एजेंसी के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया संपादित करने के लिए पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को नोडल कंपनी नामित किया गया था। उक्त प्रक्रिया के क्रियान्वयन हेतु अल्प अवधि शेष होने के परिप्रेक्ष्य में संविदा कर्मियों से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्राप्त करना, बाह्य स्रोत एजेंसी का निर्धारण, परीक्षा की संभावित तिथि से संविदा कर्मियों को अवगत कराया जाना इत्यादि कार्यवाही शीघ्र पूर्ण किया जाना अति आवश्यक है, जिससे समय सीमा में उक्त प्रक्रिया पूर्ण की जा सके। फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक, यूके पाठक, लक्ष्मण सिंह राजपूत, दिनेश दुबे, एनके यादव, उमाशंकर मेहता, सतीश गुप्ता,सुरेश बाबू खरे, बीएस राठौर, रामेश्वर गांगे, किशोर चौहान, उमाशंकर दुबे, अफसार अहमद,राजेश मिश्रा, गोपाल चौहान, मदन वर्मा,अवनीश तिवारी, सुधीर मिश्रा, दीपक मेमने विमल महापात्र ने कहा कि आश्चर्य की बात है कि दो माह से ज्यादा हो गये है किन्तु आज तक संविदा कर्मियों को नियमित नियुक्ति प्रदान करने हेतु स्वीकृत योजना के क्रियान्वयन हेतु अधिसूचना तक जारी नहीं हो पायी है। इस कारण से सभी संविदा कर्मी अपने आप को शोषित, पीड़ित समझने लगे हैं। इन संविदा कर्मियों के मन में भय, असुरक्षा और असमंजस की स्थिति लगातार निर्मित हो रही है जो बिजली कंपनियों के लिए अच्छी नहीं है। राकेश डीपी पाठक, यूके पाठक, लक्ष्मण सिंह, दिनेश दुबे, एनके यादव, उमाशंकर मेहता, रामेश्वर गांगे, गोपाल चौहान, अनूप वर्मा उमाशंकर दुबे, सतीश गुप्ता, राजेश मिश्रा अविनाश तिवारी, मोहित पटेल, योगेश पटेल, अक्षय श्रीवास्तव, मनोज पाठक ने मुख्यमंत्री, ऊर्जा मंत्री से आग्रह किया है कि अनेक वर्षों से नियमित नियुक्ति प्राप्त करने की बाट जोह रहे संविदा कर्मियों के हित में शीघ्र कार्रवाई प्रारंभ कराये जाने के लिए संबंधित विभाग को निर्देश जारी करने का कष्ट करें।

दुर्गा झांकी में न्यू मार्केट में होंगे नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन



रोशनपुरा पर तैयार हो रही झांकी।


अजय देवनानी


पंकज वरदानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

न्यू मार्केट दुर्गा उत्सव समिति की ओर से इस बार रोशनपुरा चौराहे पर देवभूमि द्वारका के प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग श्री नागेश्वर मंदिर की करीब 60 फीट ऊंची प्रतिकृति तैयार की जा रही है। पांच हजार वर्गफीट में मुख्य पंडाल बनाया जा रहा है। आयोजक पवन वरदानी, सचिव अजय देवनानी ने बताया कि पंडाल में मां अंबे की स्थापना के साथ समुद्र मंथन के प्रसंगों को भी दर्शाया जाएगा। करीब 40 बाय 12 फीट में समुद्र मंथन के साथ झांकी में 12 ज्योतिर्लिंगों की प्रतिकृतियां भी स्थापित की जाएंगी। झांकी के निर्माण पर करीब 48 लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं।

दो माह से जुटे 20 कलाकार

बंगाली कलाकार कार्तिकेय के नेतृत्व में 20 कलाकार पिछले दो माह से झांकी निर्माण में जुटे हैं। समिति के अनुसार झांकी का करीब 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत का संदेश

समिति इस बार स्वदेशी, विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत का संदेश भी देगी। परिसर में डस्टबिन रखे जाएंगे और पॉलीथिन का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। सजावट में इको-फ्रेंडली लाइट्स का इस्तेमाल किया जाएगा।

सीसीटीवी से निगरानी, अलग होंगे एंट्री-एग्जिट

पूरे झांकी स्थल पर सीसीटीवी से निगरानी रखी जाएगी। फायर सिलेंडर, फर्स्ट एड किट, अन्य सुरक्षा उपकरण के साथ दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए व्हीलचेयर भी होगी। तैयारियां समिति अध्यक्ष सतीश गंगराड़े, कोषाध्यक्ष तरुण सिंह और उपाध्यक्ष गौरव आरतवानी के मार्गदर्शन में चल रही हैं।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने आयोजित किया आत्मरक्षा ट्रेनिंग कैंप

भोपाल। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन मप्र आत्मरक्षा ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया गया। इसमें 400 से अधिक छात्राओं ने आत्म सुरक्षा की ट्रेनिंग ली। यह कार्यक्रम तीन दिनों तक चला, जिसमें मध्यप्रदेश के दूरस्थ स्थित जिले की 400 से अधिक छात्राओं ने हिस्सा लिया।

इस ट्रेनिंग टाइम कैंप में प्रदेश अध्यक्ष अजीत सिंह, प्रदेश महामंत्री लक्ष्मीकांत मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल कुमार दीक्षित, संभागीय अध्यक्ष ग्वालियर एवं चंबल संभाग अवधेश शर्मा, शिवपुरी के जिला अध्यक्ष रघुनंदन त्यागी, सभी जिलों के जिला अध्यक्ष शामिल हुए।

एम्स में राष्ट्रीय फार्मा कोविजिलेंस सप्ताह मनाया गया

आम लोगों तक पहुंचा सुरक्षित दवा और सुरक्षित चिकित्सा उपकरण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल



एम्स के फामार्कोलॉजी विभाग (औषधि विज्ञान विभाग) ने छठा राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह मनाया। इस वर्ष का विषय तर्कसंगत दवाएं और सुरक्षित चिकित्सा उपकरणः सुरक्षित स्वास्थ्य सेवा के लिए फामार्कोविजिलेंस और मैटेरियोविजिलेंस को सशक्त बनाना रहा। सांची के सिविल अस्पताल (सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) और रातीबड़ के आयुष्मान आरोग्य मंदिर में जागरूकता कार्यक्रम हुए। लोगों को पीवीपीआई की टोल-फ्री हेल्पलाइन 1800-180-3024, मोबाइल एप और उपभोक्ता रिपोर्टिंग फॉर्म की जानकारी दी गई। एम्स भोपाल के अस्पताल परिसर और पास की दवा दुकानों में पोस्टर लगाए गए और पर्चे बांटे गए। ओपीडी (बाह्य रोगी विभाग) के प्रतीक्षा क्षेत्रों में उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम भी हुआ। पोस्टर निर्माण प्रतियोगिताओं में नर्सिंग अधिकारियों, नर्सिंग और फामेर्सी के विद्यार्थियों ने भाग लिया और विजेताओं को सम्मानित किया गया। भोपाल के तीन फामेर्सी कॉलेजों में विद्यार्थियों और शिक्षकों को फामार्कोविजिलेंस के बारे में जागरूक किया गया।

जहांगीराबाद के आठ केंद्रों की कार्यकर्ताओं ने पूरी की 25 साल की सेवा

नौनिहालों के आंगन में सजा मिलन सेवा का मंच, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल



जहांगीराबाद स्थित बड़वाली मस्जिद के पास यूनानी शफाखाना के आंगनबाड़ी केंद्र में शुक्रवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत मिलन सेवा कार्यक्रम रखा गया। जिसमें केंद्र क्रमांक 560, 571, 579, 569, 575, 584, 553 और 554 की कार्यकर्ताओं को आंगनबाड़ी में सेवा के 25 साल पूरे होने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वार्ड 34 के पार्षद विलास राव धाड़े ने किया। जबकि परियोजना अधिकारी हिबा खानम ने केंद्रों में काम करने वाली कार्यकर्ता शबाना खान, नाजवर, शादमा, रेशमा को को सम्मानित किया। इस मौके पर पोषण आहार से जुड़ी जानकारी बच्चों के पालकों को दी गई। इसके बाद परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण

कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र से जुड़ी गर्भवती महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। जिसके साथ उन्हें जरूरी दवाईयां भी वितरित की गईं। कार्यक्रम में बच्चों और महिलाओं की सेहत को लेकर आकर्षक पोषण प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिसमें कम लागत में पौष्टिक व्यंजन बनाने के तरीके बताए गए।

कोरिया के पटना–पंडोपारा मार्ग की घटना

सड़क हादसे में पांच महिलाओं की मौत, 10 घायलों में 3 गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरिया



जिले के पटना–पंडोपारा मार्ग पर हुए भीषण हादसे में तेज रफ्तार पिकअप ने सड़क पर जा रहे एक बैल को जोरदार टक्कर मार दी और अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे एक ऑटो से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और वह सड़क से करीब दो फीट नीचे जा गिरा।

ऑटो में 13 से 14 महिलाएं सवार थीं। सभी महिलाएं करहीपारा से बिलारी गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थीं। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल घायलों को पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। अस्पताल में उपचार के दौरान तीन महिलाओं की मौत की पुष्टि हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतकों में फूलकुंवर (45), रामबाई (62) और फूलकुंवर (52) के नाम सामने आए हैं। हालांकि मृतकों की संख्या और उनकी पहचान की प्रशासनिक स्तर पर आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

पुलिस कर रही मामले की विस्तृत जांच

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन अस्पताल पहुंचे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी अस्पताल पहुंचे और घायलों की स्थिति की जानकारी ली। जिला प्रशासन की ओर से पटना तहसीलदार समेत संबंधित अधिकारियों को अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने हादसे के कारणों और पिकअप चालक के संबंध में जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार को हादसे की प्रमुख वजह माना जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही होगी।

विकास कार्यों, सुशासन पर हुई चर्चा

सीएम साय ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नबीन से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर



छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से उनके निवास पर मुलाकात की। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में चल रहे विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और सुशासन की पहलों की जानकारी शेयर की। मुख्यमंत्री ने बस्तर सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं के बीच प्रदेश के विकास और संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। सीएम साय ने नई दिल्ली में भाजपा की राष्ट्रीय महासचिव, छत्तीसगढ़ की प्रदेश प्रभारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से उनके निवास पर भेंट की।

समाज के प्रत्येक वर्ग को मिल रहा योजनाओं का लाभ

सीएम ने महिलाओं के सशक्तिकरण, युवाओं के कौशल विकास, रोजगार, किसानों की आय, कृषि आधारित गतिविधियों तथा आदिवासी समुदायों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार का प्रयास है कि विकास योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग और प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचे। सीएम ने राज्य की जनहितकारी योजनाओं की प्रगति से भी उन्हें अवगत कराया।

पुलिस विभाग में नौकरी लगवाने के नाम पर 11.30 लाख रुपए ठगने का मामला

पुलिस ने किया आरोपी को गिरफ्तार, जेल पहुंचा, दो पहले ही गिरफ्तार हो चुके

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

जिले में पुलिस विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर 11.30 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे आरोपी अमन यादव को पुलिस ने आज गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस मामले के दो आरोपी उत्तरा सिदार और संजू यादव को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। मामला चक्रधरनगर थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार, 25 अक्टूबर 2025 को अलेन किड़ो ने चक्रधरनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसके भतीजे राहुल किड़ो को छत्तीसगढ़ पुलिस में कांस्टेबल पद पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर आरोपियों ने 11 लाख 30 हजार रुपये की ठगी की घटना को अंजाम दिया है।

कांस्टेबल पद पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर पीड़ित को बनाया निशाना



अलग-अलग कई टुकड़ों में लिए पैसे

किरोड़ीमल शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय में प्रोफेसर के पद पर पदस्थ उत्तरा सिदार ने प्रारंभ में 50 हजार की मांग की थी। इसमें उसने 30 हजार उत्तरा सिदार को दिए, जबकि इसके बाद संजू यादव को 20 हजार दिए। इस दौरान आरोपियों ने उसे बताया कि यह राशि रायपुर निवासी विकास सिदार को देनी है, जो नौकरी लगाने में मदद करेगा। इसके बाद पीड़ित ने विकास सिदार सहित उसके अन्य साथियों के खातों में अलग-अलग रकम जमा कर दी।

फर्जी दस्तावेज एवं नियुक्ति पत्र दिखाए

पुलिस जांच में आरोपियों द्वारा फर्जी दस्तावेज एवं नियुक्ति पत्र दिखाकर पीड़ित को विश्वास में लेने की बात सामने आई। इस पर थाने में आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 468 और 34 आईपीसी के तहत अपराध दर्ज किया गया। पुलिस ने उत्तरा सिदार और संजू यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि फरार आरोपियों की तलाश की जा रही थी। पुलिस के लगातार बढ़ते दबाव के चलते आरोपी अमन यादव न्यायालय में सरेंडर करने पहुंचा, जहां से पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में अमन यादव ने बताया कि उत्तरा सिदार और संजू यादव के कहने पर ठगी की रकम प्राप्त करने के लिए उसने अपना बैंक खाता नंबर उपलब्ध कराया था। इसके एवज में उसे रकम देने की बात कही गई थी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी अमन यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

डीआरआई की महाराष्ट्र में दो बड़ी कार्रवाई: सोने-हीरे और संरक्षित वन्य जीवों के गिरोह का पर्दाफाश

एयरपोर्ट पर 13.5 करोड़ के गोल्ड-डायमंड जब्त, 8 अरेस्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट, मुंबई में हाई-टेक दोतरफा तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है।

इसमें लगभग 12.64 करोड़ रुपए मूल्य का 8.564 किलो 24-कैरेट विदेशी सोना और लगभग 1.09 करोड़ रुपए मूल्य के 1,168.97 कैरेट हीरे ज़ब्त किए गए। एयरपोर्ट के एक कर्मचारी, छह ट्रांज़िट यात्रियों और भारत से बाहर जाने वाले एक भारतीय यात्री सहित आठ लोगों को गिरफ़्तार किया गया है।



जब्त हीरे और सोना

23 कैप्सूल में मोम के रूप में था सोने का बुरादा

डीआरआई अधिकारियों ने चुपचाप नज़र रखी और उन पांचों यात्रियों को तब पकड़ा जब वे ट्रांज़िट एरिया में एयरपोर्ट स्टाफ़ को सोने के कैप्सूल सौंप रहे थे। तस्करी का सोना सौंपने के बाद ये यात्री आगे सिंगापुर और ढाका जाने वाले थे। कस्टम्स एक्ट, 1962 की संबंधित धाराओं के तहत सभी आठ लोगों को गिरफ़्तार कर लिया गया है।

प्राकृतिक और लैब में बने हीरे जब्त

इसके अलावा, 1,168.97 कैरेट हीरे भी बरामद और जब्त किए गए, जिनकी कुल कीमत लगभग 1.09 करोड़ रुपए थी; इनमें 132.17 कैरेट प्राकृतिक हीरे और 1,036.80 कैरेट लैब में बने हीरे शामिल थे। इस ऑपरेशन ने एक बार फिर एयरपोर्ट के ज़रिए सोने की तस्करी में शामिल एयरपोर्ट स्टाफ़ से जुड़े अंदरूनी ख़तरे को उजागर किया है।

हाथी के दांत, तेंदुए की खाल, बरामद, 11 लोग गिरफ्तार

डीआरआई ने खुफिया जानकारी पर आधारित तीन अभियानों में हाथी के दांत से बनी चार चीज़ें (जिनमें बारीक नक्काशी वाली चीज़ें भी शामिल हैं), तेंदुए की खाल का एक टुकड़ा, दो जीवित पैंगोलिन, 3 किलो बाघ की हड्डियां और बाघ के दो कैनाइन दांत जब्त किए हैं।

इन तीन अभियानों में ग्यारह लोगों को पकड़ा गया है। हाथी के दांतों के अवैध व्यापार को रोकने के लिए चलाए गए एक अभियान में, डीआरआई अधिकारियों ने एक 'डिकॉय ऑपरेशन' (नकली ग्राहक बनकर की जाने वाली कार्रवाई) किया।



हाथी के दांत, तेंदुए की खाल

गोंदिया जिले में दो लोगों को पकड़ा

महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में पुराडा गांव के पास दो लोगों को रोका। शक था कि वे तेंदुए को मारकर उसकी खाल बेचने की कोशिश कर रहे थे। उन्हें रोकने पर तेंदुए की एक खाल बरामद हुई। तेंदुआ (पैंथेरा पार्डस) वाइल्ड लाइफ (प्रोटेक्शन) एक्ट, 1972 की अनुसूची एक में शामिल है, और बरामद खाल को एक्ट के संबंधित प्रावधानों के तहत जब्त किया गया।

अल्लापल्ली वन में चलाया बड़ा अभियान

महाराष्ट्र के अल्लापल्ली वन क्षेत्र में चलाए गए एक संयुक्त अभियान में, डीआरआई ने लुप्तप्राय वन्यजीवों के अवैध व्यापार में शामिल होने के संदेह में छह लोगों को पकड़ा। इस दौरान एक जीवित वयस्क पैंगोलिन, एक जीवित पैंगोलिन का बच्चा, 3 किलो बाघ की हड्डियां और बाघ के दो कैनाइन (नुकीले दांत) बरामद किए गए। लोगों द्वारा इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिलें जब्त की।

खबर संक्षेप

ओमान के पास टैंकर पर हमला, 5 भारतीय सेफ

नई दिल्ली। ओमान में भारत के दूतावास ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में ओमान के पूर्व में करीब चार समुद्री मील दूर कुवैत के



झंडे वाले एक कच्चे तेल के टैंकर पर अज्ञात प्रक्षेपास्त्र से हमला हुआ। इस हमले के बाद पांच भारतीय नागरिकों को सुरक्षित किनारे स्थानांतरित कर दिया गया। दूतावास ने कहा कि उसने एमटी काजीमाह तीन नामक टैंकर पर सवार पांच भारतीय नागरिकों के बचाव कार्य का समन्वय किया। दूतावास ने बचाव अभियान के दौरान ओमान के अधिकारियों की निरंतर सहायता के लिए आभार व्यक्त किया। घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

कनाडा में भारतीय मूल के 5 लोग गिरफ्तार

टोरंटो। कनाडा में भारतीय मूल के पांच लोगों को जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। ये



सभी गोलीबारी, आगजनी, हथियारों की तस्करी और ड्रग्स से जुड़े अपराध शामिल हैं। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने शुक्रवार को अपने एक बयान में कहा कि ये गिरफ्तारियां एक ऑटो डीलरशिप की 16 महीने तक चली जांच के बाद की गईं। इस डीलरशिप के सह-मालिकों ने जून 2025 में जबरन वसूली की मांग की शिकायत की थी, जिसके बाद लैंगली और सरे में स्थित डीलरशिप पर आगजनी और गोलीबारी की दो घटनाएं भी हुई थीं।

पाकिस्तान ने भारतीय दूत को तलब किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बताया है कि उसने भारतीय कार्यवाहक राजदूत



को तलब किया है। इस पोस्ट में दावा किया गया है कि 2 अक्तूबर 2026 को अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बेदियान सेक्टर में भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने दो पाकिस्तानी नागरिकों की हत्या की है। इसी घटना पर विरोध दर्ज कराने के लिए पाकिस्तान में भारतीय कार्यवाहक राजदूत को तलब किया गया है। वहीं, भारत में पंजाब पुलिस का कहना है कि तरन तारन में सीमा सुरक्षा बल ने बीएसएफ़ ने दो पाकिस्तानी घुसपैठियों को मारा है।

वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में वायु सेना प्रमुख एपी सिंह ने जताई चिंता

हर साल शामिल करने होंगे 40 विमान उत्पादन में देरी से खड़ी होंगी 'मुश्किलें'

विकास और उत्पादन में देरी से तकनीक अपना महत्व खो देती है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

> एयर चीफ मार्शल एपी सिंह बार-बार दोहराया कि 'टेक्नोलॉजी में देरी का मतलब है टेक्नोलॉजी से इनकार'। अगर विकास और उत्पादन इतना लंबा खिंच जाए कि दुश्मन आगे निकल जाए तो तकनीक अपना महत्व खो देती है

भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने शनिवार को अपने वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में लड़ाकू स्क्वॉड्रनों की गिरती ताकत पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वायु सेना को हर साल 36 से 40 विमान यानी करीब दो स्क्वॉड्रन के बराबर विमान शामिल करने होंगे ताकि संख्या और न गिरे। इसके बाद और तेज गति से इंडक्शन करके ताकत बढ़ाने की जरूरत है। एयर फोर्स डे से पहले सिंह ने साफ कहा कि रक्षा कार्यक्रमों में देरी सीधे ऑपरेशनल क्षमता को नुकसान पहुंचाती है। उन्होंने बार-बार दोहराया कि 'टेक्नोलॉजी में देरी का मतलब है टेक्नोलॉजी से इनकार'।



एयर चीफ मार्शल एपी सिंह

अगर विकास और उत्पादन इतना लंबा खिंच जाए कि दुश्मन आगे निकल जाए तो तकनीक अपना महत्व खो देती है। उन्होंने स्वीकार किया कि वायुसेना के विमानों की संख्या घट रही है और जिन विमानों के समय पर शामिल होने की उम्मीद थी, उनकी डिलीवरी में देरी हुई है। उन्होंने कहा कि वायुसेना इस अंतर को पाटने के लिए तेजस मार्क-1ए, तेजस मार्क-2, 114 विमानों वाला प्रस्तावित एमआरएफए कार्यक्रम और पांचवीं पीढ़ी का एएमसीए पर काम कर रही हैं। अगर एएमसीए या अन्य कार्यक्रमों में देरी होती है तो ऑपनल लड़ाकू जेट देखने पड़ सकते हैं।

तेजस मार्क-1ए, मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट पर काम जारी

ड्रोन संग हथियारों को एक साथ इस्तेमाल करना ज्यादा प्रभावी

अलग से ड्रोन फोर्स नहीं बनाएंगे

एपी सिंह ने कहा कि ड्रोन भारतीय वायुसेना के लिए कोई नई या क्रांतिकारी क्षमता नहीं हैं, बल्कि यह लंबे समय से मौजूद क्षमताओं के विस्तार का हिस्सा हैं। वायुसेना में ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशन की संख्या, प्रकार और क्षमताएं लगातार बढ़ाई जा रही हैं। हालांकि, उन्होंने अलग से ड्रोन फोर्स बनाए जाने की संभावना से इनकार किया। उन्होंने कहा कि ड्रोन और अन्य हथियार प्रणालियों को अलग-अलग काम करने के बजाए एक साथ इस्तेमाल करना ज्यादा प्रभावी होगा। ड्रोन को मौजूदा व्यवस्था का हिस्सा बनाकर दूसरे हथियारों और प्लेटफॉर्म के साथ मिलकर इस्तेमाल किया जाना चाहिए। वायुसेना में पहले से ऐसी क्षमताओं के लिए विशेष इकाइयां मौजूद हैं और जरूरत पड़ने पर इनकी संख्या बढ़ाई जा सकती है।

कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी को सराहा

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने फ्लाईदुबई के कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि स्मित ने जिस तरह की हिम्मत दिखाई, वह बेहद खास है और हर भारतीय को उन पर गर्व है। एपी सिंह ने कहा कि कैप्टन मच्छार ने मुश्किल हालात में शारीरिक और मानसिक मजबूती का शानदार परिचय दिया। उन्होंने जिस साहस के साथ स्थिति का सामना किया, वह दूसरों के लिए भी सीख है। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि संकट के समय धैर्य बनाए रखना और सही फैसला लेना बेहद जरूरी होता है। कैप्टन मच्छार ने अपने साहस और दृढ़ता से यह साबित किया कि कठिन परिस्थितियों में हिम्मत और सूझबूझ कितनी महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि कैप्टन मच्छार की कार्रवाई से देश के लोगों को प्रेरणा

थिएटर कमांड पर साफ रुख

थिएटर कमांड के मुद्दे पर एयर चीफ ने स्पष्ट किया कि भारतीय वायु सेना इसके खिलाफ नहीं है। लेकिन संरचना और क्रियान्वयन के क्रम को सावधानी से जांचना जरूरी है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद मिले प्रत्यक्ष अनुभवों ने चर्चा की दिशा बदल दी है। अब नए चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के गठन के बाद इस मुद्दे पर फिर से विचार होगा। यह भी देखा जाएगा कि इसे एक साथ लागू करें या चरणबद्ध तरीके से। सैन्य नेतृत्व विकल्प सरकार के सामने रखेगा। उद्देश्य यह होना चाहिए कि संरचना ऑपरेशनल दृष्टि से प्रभावी साबित हो।

रूस के सु-57 ऑफर पर कोई फैसला नहीं

उन्होंने कहा कि रूस के सु-57 ऑफर पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। एचएएल हर साल 24 से अधिक विमान बनाने की दिशा में काम कर रहा है। एमआरएफए कॉन्ट्रैक्ट पूरा होने पर आवश्यक इंडक्शन रेट हासिल करने में मदद मिलेगी। कम संख्या के बावजूद वायु सेना अपनी ऑपरेशनल क्षमता को लेकर सहज है क्योंकि खरीद प्रक्रिया चल रही है। पाकिस्तान और चीन के बीच पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों पर सहयोग को एयर चीफ ने चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि पाक इन प्लेटफॉर्म से पूरा फायदा नहीं उठा पा रहा क्योंकि इन्हें अपनी समग्र युद्ध प्रणाली में अच्छी तरह एकीकृत नहीं कर पाया है। सिर्फ विमान नहीं बल्कि पूरे नेटवर्क में उसका समन्वय ही उसकी प्रभावशीलता तय करता है।

पूरे देश का प्रयास जरूरी

एपी सिंह ने कहा कि बड़े विमानन कार्यक्रमों को समय पर पूरा करने और उनकी परिचालन क्षमता सुनिश्चित करने के लिए 'पूरे देश के प्रयास' वाला दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रमुख विमान कार्यक्रमों में समय पर डिलीवरी और परिचालन क्षमता हासिल करना महत्वपूर्ण है।

ड्रग कार्टेल के खिलाफ लगातार कार्रवाई

नवप्रीत सिंह का तुर्किए से प्रत्यर्पण सरकार की एक और बड़ी उपलब्धि



केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को बताया कि भारत सरकार ने कथित नार्को-ट्रैफिकिंग सरगना नवप्रीत सिंह को तुर्किए से भारत वापस लाने में कामयाबी हासिल की है। उन्होंने कहा कि नवप्रीत सिंह के खिलाफ ड्रग्स की तस्करी और अन्य आपराधिक मामलों में कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इसे मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताते हुए इस कार्रवाई में शामिल सभी एजेंसियों को बधाई दी।

अमित शाह ने 'एक्स; पर कहा कि नवप्रीत सिंह ने 'नवाब विर्क' की कथित फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर तुर्किए की नागरिकता हासिल की थी। इसके बावजूद वह अफगानिस्तान से भारत में हेरोइन और मेथामफेटामाइन की कथित तस्करी में सक्रिय रहा। शाह के मुताबिक, भारतीय एजेंसियों ने नवप्रीत सिंह का पता लगाया और उसकी वास्तविक पहचान का खुलासा किया।

नशे की तस्करी को खत्म करके रहेंगे

अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार दिसंबर 2029 से पहले हर ड्रग कार्टेल को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने नवप्रीत सिंह को भारत लाने की कार्रवाई में शामिल सभी एजेंसियों की सराहना की और इसे नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान में महत्वपूर्ण सफलता बताया। इससे पहले अप्रैल में ड्रग तस्करी के संदिग्ध और मोस्ट वांटेड गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के करीबी सहयोगी मोहम्मद सलीम डोला को भी तुर्किए से भारत वापस लाया गया था। मई में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के साथ मिलकर अजरबैजान से भगोड़े प्रभदीप सिंह को भारत प्रत्यर्पित कराया था। यह कार्रवाई 358 किलो हेरोइन की बरामदगी से जुड़े एक बड़े ड्रग्स मामले में की गई थी। पुलिस के मुताबिक, 2023 से फरार प्रभदीप को प्रत्यर्पण की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद स्पेशल सेल की तीन सदस्यीय टीम बाकू से भारत लेकर आई थी।

2001 में हुई थी भारत-तुर्किए प्रत्यर्पण संधि

भारत और तुर्किए ने वर्ष 2001 में प्रत्यर्पण संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जो जून 2002 में लागू हुई। यह समझौता दोनों देशों को आतंकवाद और अन्य गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित भगोड़ों के प्रत्यर्पण की मांग करने की व्यवस्था उपलब्ध कराता है। ऐसे मामलों में इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस समेत स्थापित अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं के जरिए संबंधित देशों की एजेंसियों के बीच समन्वय किया जाता है। पिछले मामलों में तुर्किए ने चरमपंथी नेटवर्क से जुड़े कुछ संदिग्धों को निर्वासित करने में भी भारत की सहायता की है।

यूएन में मनाई गई गांधी जयंती

मौजूदा दौर में गांधी के शांति व अहिंसा के विचार हैं प्रासंगिक

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पर्वतनेनी ने कहा कि दुनिया में संघर्ष और अस्थिरता के मौजूदा दौर में महात्मा गांधी के शांति और अहिंसा के विचार पहले से अधिक प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि गांधी के लिए अहिंसा केवल हिंसा से दूर रहने का विचार नहीं था, बल्कि यह सत्य, न्याय और मानवीय गरिमा के प्रति अनुशासित प्रतिबद्धता थी।



हरीश पर्वतनेनी

उन्होंने गरीबी, शोषण और असमानता को भी हिंसा के अलग-अलग रूपों से जोड़ा। पर्वतनेनी ने यह बात महात्मा गांधी की जयंती और अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के मौके पर संयुक्त राष्ट्र में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कही। पर्वतनेनी ने गांधी के सर्वोदय के विचार का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह समावेशी, समान और टिकाऊ विकास की मौजूदा जरूरत से जुड़ा है।

डोडा मेडिकल कॉलेज में बवाल

लेबर रूम में इंटर्न को बुर्का पहने से रोका, जांच शुरू



कॉलेज के बाहर प्रदर्शन करते इंटर्न

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में बुर्का विवाद का मामला गरमा गया है। मेडिकल कॉलेज में शनिवार को नर्सिंग इंटर्न ने विरोध-प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि उन्हें गायनेकोलॉजी डिपार्टमेंट के लेबर रूम के अंदर बुर्का (नकाब) पहनने से रोका गया। यह विरोध बुधवार को डोडा मेडिकल कॉलेज के गायनेकोलॉजी डिपार्टमेंट की हेड डॉ. मधु चिब के खिलाफ शुरू हुआ। उन्होंने एक नर्सिंग स्टूडेंट को नकाब पहनने की वजह से लेबर रूम से बाहर जाने को कहा था। इंटर्न ने काम का बहिष्कार किया और अस्पताल परिसर के अंदर प्रदर्शन किया। अस्पताल प्रशासन के दखल के बाद यह गतिरोध खत्म हुआ। मैनेजमेंट ने विरोध की वजहों की जांच के लिए 7 सदस्यों का एक पैनल बनाया।

'तरंग शक्ति' में दिखा साझेदारी का दम



नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना द्वारा बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति 2026' आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान में विभिन्न देशों की वायुसेनाओं की गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। राजस्थान के जोधपुर में चल रहे इस अभ्यास में भारत के साथ कई देशों की वायुसेनाएं हिस्सा ले रही हैं। इसका मुख्य उद्देश्य संयुक्त हवाई अभियानों के जरिए आपसी तालमेल, अनुभव साझा करने और एक-दूसरे की संचालन प्रक्रियाओं को समझने का अवसर देना है।

रूसी सेना में अवैध रूप से भारतीय नागरिकों की भर्ती पर सरकार सख्त

140 नागरिकों की हुई घर वापसी 55 को वापस लाने के प्रयास तेज



विदेश मंत्री जयशंकर भारत-रूस सलाहकार संसदीय समिति की बैठक के सदस्यों के साथ

भारत-रूस सलाहकार समिति की बैठक में प्रमुखता से उठा मुद्दा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती का मुद्दा भारत-रूस सलाहकार समिति की बैठक में प्रमुखता से उठा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बताया कि रूसी सेना में शामिल भारतीयों को जल्द से जल्द वापस लाने के लिए रूसी अधिकारियों से लगातार बातचीत चल रही है और इस मुद्दे को उच्च स्तर पर भी उठाया गया है। अब तक करीब 140 भारतीय नागरिकों को रूसी सेना से मुक्त कराया जा चुका है।

नॉर्दर्न सी रूट तक पर बात

बैठक के दौरान भारत-रूस के बीच कनेक्टिविटी और व्यापार को बढ़ाने वाले कई अहम प्रोजेक्ट भी बैठक के एजेंडे में रहे। चेन्नई-व्लादिवोस्तोक कॉरिडोर, इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) और नॉर्दर्न सी रूट को लेकर दोनों पक्षों ने चर्चा की।

यूक्रेन युद्ध खत्म कराने की कोशिशें जारी

भारत-रूस सलाहकार समिति की बैठक में यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने और शांति बहाल करने की दिशा में भारत की हालिया कोशिशों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में जयशंकर ने पीएम नरेंद्र मोदी की बिश्केक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हुई मुलाकात का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस दौरान पीएम मोदी ने साफ कहा था कि अब अंतहीन युद्ध का दौर खत्म होना चाहिए और युद्ध की जगह शांति की दिशा में आगे बढ़ना जरूरी है।

कारोबार बढ़ाने के लिए 7 क्षेत्रों पर नजर

बैठक में व्यापार, निवेश, ऊर्जा, कनेक्टिविटी, संस्कृति और लोगों के बीच आपसी संपर्क जैसे कई क्षेत्रों में हमारे बहुआयामी सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि व्यापार और निवेश के मुद्दे पर दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि द्विपक्षीय व्यापार को संतुलित तरीके से आगे बढ़ाना साझा लक्ष्य है।

अलग स्रोतों से जारी रखेंगे ऊर्जा आपूर्ति

वहीं, ऊर्जा सहयोग पर भारत ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी प्राथमिकता भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना है। इसके लिए भारत कई अलग-अलग स्रोतों से ऊर्जा की आपूर्ति बनाए रखने के पक्ष में है। यानी किसी एक देश या एक स्रोत पर निर्भर रहने के बजाय आपूर्ति के कई विकल्प खुले रखना भारत की नीति का हिस्सा है।

श्री स्वामीनारायण हिंदू मंदिर पर ईंटों से हमला

खिड़कियां टूटीं, इमारत क्षतिग्रस्त आरोपियों को पकड़ने की अपील

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के ओहायो में श्री स्वामीनारायण वडताल धाम हिंदू मंदिर, रिचमंड हाइट्स में शुक्रवार दोपहर करीब 1:30 बजे हमलावरों ने मंदिर की इमारत पर ईंटें फेंकीं, जिससे काफी नुकसान हुआ। अमेरिकी गैर-लाभकारी संगठन हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने 'एक्स' पर घटना की जानकारी दी। संगठन के अनुसार, घटना के वक्त मंदिर को निशाना बनाया गया और ईंटें फेंके जाने से संरचना को काफी नुकसान पहुंचा।



मंदिर के अंदर का क्षतिग्रस्त हिस्सा

पुलिस को सौंपे सीसीटीवी फुटेज

एचएएफ ने बताया कि घटना की निगरानी कैमरे की फुटेज उपलब्ध है और अधिकारी उसकी समीक्षा कर रहे हैं। मामले की जानकारी एफबीआई और नागरिक अधिकार अधिकारियों को भी दी जा रही है। एचएएफ ने बताया कि वह मंदिर के नेतृत्व के संपर्क में है और जरूरी सहायता उपलब्ध कराने की पेशकश की है।

देश के शीर्ष 20 निजी संस्थानों में शामिल, वैश्विक स्तर पर 1001–1200 रैंक बैंड में पहुँचा; QS रैंकिंग में भी अंतरराष्ट्रीय पहचान मज़बूत

टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2027 में गलगोटियास की ऊँची उड़ान, 24 पायदान चढ़कर देश में 41वाँ स्थान हासिल किया



ग्रेटर नोएडा। टाइम्स हायर एजुकेशन (THE) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2027 में गलगोटियास विश्वविद्यालय ने 24 स्थान की छलांग लगाकर भारत के सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में 41वाँ स्थान प्राप्त किया है। 2026 संस्करण में विश्वविद्यालय 65वें स्थान पर था। विश्वविद्यालय भारत के निजी विश्वविद्यालयों और संस्थानों में भी सात स्थान आगे बढ़कर पिछले वर्ष के 27वें स्थान से 20वें स्थान पर पहुँच गया है। वैश्विक स्तर पर गलगोटियास 2026 के 1201-1500 बैंड से आगे बढ़कर 1001-1200 रैंक बैंड में पहुँच गया है।

THE के साथ QS रैंकिंग में भी मज़बूत उपस्थिति

गलगोटियास विश्वविद्यालय ने QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2027 में भी 1201-1400 वैश्विक बैंड में स्थान हासिल किया है। इस रैंकिंग में विश्वविद्यालय भारत के निजी विश्वविद्यालयों में 16वें, देश के सभी विश्वविद्यालयों में 46वें और उत्तर प्रदेश के निजी विश्वविद्यालयों में तीसरे स्थान पर है। THE और QS, दोनों अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में स्थान मिलना विश्वविद्यालय की बढ़ती वैश्विक पहचान का महत्वपूर्ण पड़ाव है।

THE की इस वर्ष की रैंकिंग में 118 देशों और क्षेत्रों के 2,297 विश्वविद्यालय शामिल हैं। पिछले वर्ष यह संख्या 2,191 थी।

शोध और पढ़ाई की गुणवत्ता पर ज़ोर

विश्वविद्यालय शोध और नवाचार पर लगातार काम कर रहा है। इसका शोध आधार 9,940 से अधिक स्कोपस-इंडेक्स्ड प्रकाशनों, 80,780 से अधिक साइटेशन, और 104 के h-इंडेक्स पर आधारित है। विश्वविद्यालय के सात संकाय सदस्य विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल हैं, और विश्वविद्यालय ने ICSSR, ANRF, CSIR और SERB सहित एजेंसियों से 15 सरकारी वित्तपोषित शोध परियोजनाएँ प्राप्त की हैं।

मिलान से जापान तक बढ़ा शैक्षणिक सहयोग

गलगोटियास विश्वविद्यालय ने इटली, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान, थाईलैंड, वियतनाम और सिंगापुर में अपने शैक्षणिक संबंधों का विस्तार किया है। इन साझेदारियों का उद्देश्य छात्रों को विदेश में पढ़ाई के अवसर देना, संयुक्त शोध को बढ़ावा देना और शिक्षकों के प्रशिक्षण को मज़बूत करना है।

विश्वविद्यालय ने 28 सितंबर 2026 को इटली की यूनिवर्सिटी ऑफ मिलानो-बिकोका के साथ पाँच वर्ष का सहयोग समझौता किया है। इसके तहत शैक्षणिक आदान-प्रदान, संयुक्त शोध और वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।

वहीं, थाईलैंड की क्रिक यूनिवर्सिटी के साथ आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके ज़रिये साझा शैक्षणिक कार्यक्रमों, शोध, छात्रों के आदान-प्रदान और शिक्षकों के प्रशिक्षण की संभावनाओं पर काम होगा। उद्यमिता और महिला नेतृत्व को बढ़ावा देना भी प्रस्तावित सहयोग का हिस्सा है।

जापान में विश्वविद्यालय ने यामानाशी प्रीफेक्चरल सरकार के साथ समझौता ज्ञापन और यूनिवर्सिटी ऑफ यामानाशी के साथ आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। ये समझौते छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए अंतरराष्ट्रीय अवसर बढ़ाने तथा ग्रीन हाइड्रोजन सहित स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में संयुक्त शोध का आधार तैयार करते हैं। समझौते यामानाशी के गवर्नर कोटारो नागासाकी के नेतृत्व में आए 200 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के दौरान हुए।

वियतनाम में हो ची मिन्ह सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (HUTECH), हो ची मिन्ह सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस (UEF) और साइगॉन हाई-टेक पार्क से जुड़े संस्थानों के साथ सहयोग शिक्षा, शोध, उद्योग और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में नई संभावनाएँ तैयार कर रहा है।

छात्रों के लिए विदेश में पढ़ाई के अवसर

कैमब्रिज विश्वविद्यालय के गर्टन कॉलेज के साथ समझौते के तहत वर्ष 2026 में गलगोटियास के 16 छात्रों का चयन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उद्यमिता के दो सप्ताह के ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के लिए हुआ। कार्यक्रम में उनकी भागीदारी का पूरा खर्च गलगोटियास विश्वविद्यालय ने वहन किया।

फ्रांस के YNOV Campus के साथ सहयोग के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और कंप्यूटर साइंस में मास्टर कार्यक्रमों के अवसर उपलब्ध हैं। इनकी संरचना में एक वर्ष भारत और एक वर्ष फ्रांस में पढ़ाई शामिल है।

पढ़ाई को अधिक व्यावहारिक बनाने के लिए विश्वविद्यालय अपने छात्र-केंद्रित सक्रिय शिक्षण मॉडल G-SCALE को आगे बढ़ा रहा है। इसमें नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर के InSPIRE का परामर्श और मार्गदर्शन मिल रहा है। इस मॉडल में छात्रों को परियोजनाओं, समूह में काम करने और वास्तविक समस्याओं के समाधान के ज़रिये सीखने का अवसर मिलता है।

उद्योग से गहरी साझेदारी

गलगोटियास में छात्र क्या और कैसे सीखते हैं, इसे अब उद्योग साझेदार आकार दे रहे हैं। Accenture ने विश्वविद्यालय के साथ मिलकर AI-आधारित BTech और BBA कार्यक्रम शुरू किए हैं। इनमें 40 प्रतिशत पाठ्यक्रम Accenture के विशेषज्ञ पढ़ाएँगे। गलगोटियास और टाटा टेक्नोलॉजीज़ का फ्यूचर मोबिलिटी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस छात्रों को इलेक्ट्रिक वाहन, एम्बेडेड और सॉफ्टवेयर-डिफाइंड वाहन प्रणालियों तथा मैकेनिकल डिज़ाइन में प्रशिक्षित करता है। Apple के साथ संचालित विश्वविद्यालय के iOS डेवलपमेंट सेंटर के छात्र डेवलपर कार्यक्रम को Apple ने विशेष रूप से प्रदर्शित किया है।

छात्रों पर प्रभाव

इन प्रयासों का असर छात्रों के परिणामों में दिख रहा है। 2026 में गलगोटियास के छात्रों को 1,250 से अधिक रिक्रूटर्स से 5,500 से अधिक जॉब ऑफर मिले। Apple के स्विफ्ट स्टूडेंट चैलेंज में विश्वविद्यालय की जीत 2025 के 10 से बढ़कर 2026 में 18 हो गई। छात्रों ने अपने जीवन से जुड़ी समस्याओं को हल करने वाले ऐप बनाए हैं, जिनमें मासिक धर्म स्वास्थ्य साथी Sakhi और ऑटिज़्म की शुरुआती जाँच में सहायक Auticare शामिल हैं।

इस उपलब्धि पर डॉ. ध्रुव गलगोटिया, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, गलगोटियास विश्वविद्यालय, ने कहा, "एक ही वर्ष में भारत में 24 स्थान की बढ़त पूरे गलगोटियास परिवार के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। यह उपलब्धि हमारे उन संकाय सदस्यों की है जिनकी विद्वत्ता ज्ञान को आगे बढ़ाती है, हमारे उन छात्रों की है जिनकी महत्वाकांक्षा हमें प्रेरित करती है, और उन परिवारों की है जो हमारे विश्वविद्यालय पर भरोसा करते हैं।"

उन्होंने आगे कहा, "भारत के शीर्ष 20 निजी संस्थानों में प्रवेश ऊँचा लक्ष्य रखने के हमारे संकल्प को और मज़बूत करता है। हमारा लक्ष्य एक ऐसा विश्वविद्यालय बनाना है जहाँ उत्कृष्ट शिक्षण, सार्थक शोध और वैश्विक अवसर एक साथ मिलें, और जहाँ हर उपलब्धि हमारे छात्रों के लिए और बड़ी संभावनाओं के द्वार खोले।"

तमिलनाडु में हाईवे साइन बोर्ड पर हिंदी लिखने पर 2 अधिकारी सस्पेंड

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

तमिलनाडु सरकार ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के अधीन आने वाले राजमार्ग के एक साइनबोर्ड पर हिंदी शब्दों का इस्तेमाल करने के कारण दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है, जो तमिल और अंग्रेजी वाली आधिकारिक दो-भाषा नीति का उल्लंघन था। जानकारी के अनुसार, हाईवे के डायरेक्टर-जनरल के आदेशों के अनुसार, थूथुकुडी ज़िले में नेशनल हाईवे सब-डिविजन के असिस्टेंट डिविजनल इंजीनियर एन. भूमिनाथन और कलाकाडु में नेशनल हाईवे सेक्शन की असिस्टेंट इंजीनियर टी. मुथुलक्ष्मी को सस्पेंड किया गया है। टीवी न्यूज चैनलों पर साइनबोर्ड के वीडियो दिखाए जाने और उन पर लिखे हिंदी अक्षरों को काला किए जाने के बाद विभाग ने यह कार्रवाई की है। सरकार ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में तमिल और अंग्रेजी की दो-भाषा नीति का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।



विपक्ष ने साधा निशाना

डीएमके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने टीवीके सरकार को राज्य की दो-भाषा नीति में दखल न देने की चेतावनी दी। उन्होंने इस नीति को 'तमिलनाडु की जीवन-रेखा' बताया। उन्होंने कहा, तमिलनाडु ने पहले केंद्र सरकार के हिंदी थोपे जाने का सामना किया था। लेकिन अब ऐसा लगता है कि जिस बदलाव की बात उन्होंने (टीवीके) की थी, वह असल में राज्य सरकार का ही हिंदी थोपना है। क्या यह टीवीके सरकार की एक और कोशिश है, जो हर चीज में पहले हालात परखती है और विरोध शुरू होते ही 'यू-टर्न' ले लेती है।

कब शुरू हुआ ये मामला

यह मामला तब विवाद का विषय बन गया जब तमिलनाडु में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की देखरेख वाली सड़कों पर लगे साइनबोर्ड और माइलस्टोन पर सिर्फ तमिल और अंग्रेजी भाषाएं ही दिखाई दीं. 2017 में एनएचएआई ने साइनबोर्ड पर हिंदी भाषा को भी शामिल करने की कोशिश की थी, जिसके कारण पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। इसके बाद एजेंसी ने वापस तमिल और अंग्रेजी भाषाओं का ही इस्तेमाल करना शुरू कर दिया।



सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

Notice Inviting Tender
GOVERNMENT OF MADHYA PRDESH
FOREST DEPARTMENT, OFFICE OF THE DIVISIONAL FOREST OFFICER, JABALPUR

NIT. No /2026-27 /e-tendering/ MPFD/ JabalpurDate :-

Online percentage rate bids for the following works are invited from registered contractors and Firms of repute fulfilling registration criteria:

S.No. /Pkg/ Code	Name of Work	District (s)	Probable Amount of Contract (Rs. in lakh)	Earnest Money Deposit (EMD) (In Rs.)	Cost of Bid Document	Category of Contractor	Period of Completion
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Training Ground Dog Kennel At Polipathar Jabalpur	Jabalpur	32.50	97,500.00/-	2000/-	Centralised PWD Registration	60 Days (12 Months) (Including Rainy Season)

1. All details relating to the Bid Document(s) can be viewed and downloaded free of cost on the website https://mptenders.gov.in 2. Bid Document can be purchased after making online payment of portal fees. 3. At the time of submission of the Bid the eligible bidder shall be required to:-i) pay the cost of Bid Document;, ii) deposit the Earnest Money;, iii) Submit a check list and, iv) Submit an affidavit.
Details can be seen in the Bid Data Sheet The Above details are to be submitted online only
4. ELIGIBILITY FOR BIDDERS: (a) At the time of submission of the Bid the bidder should have valid registration with the Government of Madhya Pradesh, PWD. However, such bidders who are not registered with the Government of Madhya Pradesh and are eligible for registration can also submit their bids after having applied for registration with appropriate authority. (b) The bidder would be required to have valid registration at the time of signing of the Contract. (c) Failure to sign the contract by the selected bidder, for whatsoever reason, shall result in for feiture of the earnest money deposit. 5. Pre-qualification - Prequalification conditions, wherever applicable, are given in the Bid Data Sheet. 6. Special Eligibility - Special Eligibility Conditions, if any, are given in the Bid Data Sheet. 7. Pre Bid meeting-A pre bid meeting will be held on 15/10/26 (02:00) P.M) in the Office of the Divisional Forest Officer (T) Jabalpur (M.P). 8. The Bid Document can be purchased only online from Date 02/10/26 Time 10:00 AM to Date 23/10/26 Time 06:00PM. As provided in the portal (https://mptenders.gov.in) 9. Amendments to NIT, if any, would be published on website only, and not in newspaper.

Divisional Forest Officer
(T) Divisional Jabalpur

G-19390/26 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

कीट विश्वविद्यालय भुवनेश्वर भारत का चौथा सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय बना, टाइम्स वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 में पूर्वी भारत में शीर्ष स्थान

भुवनेश्वर। कीट डीम्ड विश्वविद्यालय भुवनेश्वर ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए **Times Higher Education (THE) World University Rankings** 2027 में भारत के विश्वविद्यालयों के बीच चौथा स्थान प्राप्त किया है। साथ ही, यह पूर्वी भारत में प्रथम स्थान पर रहा है। रैंकिंग आज जारी की गई।
विश्वविद्यालय ने पिछले वर्ष की तुलना में राष्ट्रीय रैंकिंग में एक स्थान की बढ़त हासिल की है। वैश्विक रैंकिंग में कीट डीम्ड विश्वविद्यालय भुवनेश्वर को 501–550 के समूह (**cohort**) में स्थान मिला है। दुनिया भर से बढ़ी हुई भागीदारी के बावजूद यह पिछले वर्ष की तुलना में महत्वपूर्ण सुधार है।
इस नवीनतम रैंकिंग में विश्वविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक विकास को दर्शाया गया है। विशेष रूप से शिक्षण की गुणवत्ता में



उल्लेखनीय सुधार के साथ-साथ शोध के वातावरण, उद्योग के साथ जुड़ाव और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण के क्षेत्र में भी बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया गया है।
दुनिया भर से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच हासिल हुई यह प्रगति कीट डीम्ड विश्वविद्यालय भुवनेश्वर की निरंतर संस्थागत रणनीतियों, मजबूत गुणवत्ता-आश्वासन व्यवस्था तथा बुनियादी ढांचे और शैक्षणिक विकास में लगातार निवेश को दर्शाती है।
यह उपलब्धि कीट के नेतृत्व के विजन, संकाय सदस्यों की मेहनत, शोधकर्ताओं की उपलब्धियों और विश्वविद्यालय के जीवंत वैश्विक छात्र समुदाय की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है।
इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कीट और कीस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत ने कहा:
"हर राज्य की यह आकांक्षा होती है कि उसका कोई विश्वविद्यालय दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में स्थान बनाए। मुझे खुशी है कि कीट, अन्य विश्वविद्यालयों की तुलना में अपेक्षाकृत युवा विश्वविद्यालय होने के बावजूद, दुनिया के प्रमुख विश्वविद्यालयों में स्थान बनाने में सफल रहा है। यह उपलब्धि विशेष रूप से ओडिशा और पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है।"

बेचना है

बेचना है - बिलासपुर सकरी मेन रोड से दो कदम दूर पूर्ण विकसित कॉलोनी में सीसी रोड नाली, पानी, बिजली, सर्वसुविधायुक्त सहित नॉर्थ फेसिंग प्लॉट 100.x 50= 5000 वर्गफुट बेचना है सम्पर्क करें - 7898855268 (बिलासपुर/05/अक्टू.)

राशिफल

मेष शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। आय वृद्धि के साधन विकसित होंगे।

वृष व्यर्थ के क्रोध से बचें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। खानपान के प्रति सचेत रहें। मन में निराशा एवं

सिंह शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कन्या क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। व्यर्थ के ववादों से बचने का प्रयास

तुला पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृश्चिक घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

धनु पिता का साथ रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मकर परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन सम्भव है। लंबे समय से रुके हुए काम बनने की उम्मीद है।

कुंभ परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। वाहन के रख-रखाव एवं वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। शिक्षा में सुधार होगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी।

मीन वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। मित्र के सहयोग से आय वृद्धि के स्रोत विकसित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिवार में अशांति रहेगी।

गुरू रामदास खालसा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी कुकरीखेड़ा, बरेला, जबलपुर, मध्य प्रदेश

म.प्र. उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल एवं BCI, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त एवं रानी दुर्गावती विश्व विद्यायालय, जबलपुर से सम्बद्धता प्राप्त। कॉलेज कोड- 28 के तहत नियुक्ति हेतु आवेदक की शैक्षणिक एवं अनुभव संबंधी प्रमाण पत्रों की छाया प्रति एवं 02 फोटो सहित आवेदन पत्र आमंत्रित करता है। आवेदन विज्ञापन प्रसारित होने की तिथि से 07 दिनों के अंदर जमा करें विवरण निम्न अनुसार है।

विधि संकाय - सहायक प्राध्यापक 06
अन्य संकाय - सहायक प्राध्यापक : इतिहास - 01, राजनीति विज्ञान - 01, अंग्रेजी - 01, अर्थशास्त्र- 01

- उपरोक्त पदों के लिए अर्हताएं UGC/BCI के नियमों के आधार पर होगी।
- आदेवक अपना आवेदन पत्र महाविद्यालय के संचालक / प्राचार्य के पते पर रू 500/- का डिमांड ड्राफ्ट/ नगद के साथ सीधे या डाक द्वारा अंतिम तिथि से पूर्व भेजे।

अधिक जानकारी के लिए महाविद्यालय के दूरभाष - 9111104326 पर संपर्क कर सकते है।

स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत

सचिव

कार्यालय अधीक्षण यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जबलपुर मण्डल जबलपुर
कार्यालय पता- तहसीली चौक अम्बेडकर भवन के सामने, जबलपुर
दूरभाष 0761(2625425) ई-मेल seresjabalpur@mp.gov.in

क्रमांक / 1323/ निविदा/ग्रायांसेवा/2026 **संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 12/2026-27** जबलपुर, दिनांक 25/9/2026

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा मण्डल जबलपुर के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभागों के निम्नांकित निर्माण कार्यों हेतु केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन व्यवस्था अंतर्गत सिविल श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से प्रतिशत दर पर तालिका के कॉलम क्रमांक 6 में अंकित पी.ए.सी. की राशि रुपये 1.00 करोड़ से अधिक होने पर तीन लिफाफा पद्धति एवं पी.ए.सी. की राशि रुपये 1.00 करोड़ से कम होने पर दो लिफाफा पद्धति में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा लागू निविदा प्रपत्र एपेडिक्स 2.10 में निर्धारित तिथि (Key Date) अनुसार, ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदा शासन के पोर्टल http://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।
(निविदा संशोधन से संबंधित जानकारियाँ ऑनलाईन देखी जा सकती है, पृथक से प्रकाशित नही की जायेगी।) विवरण निम्नानुसार है:-

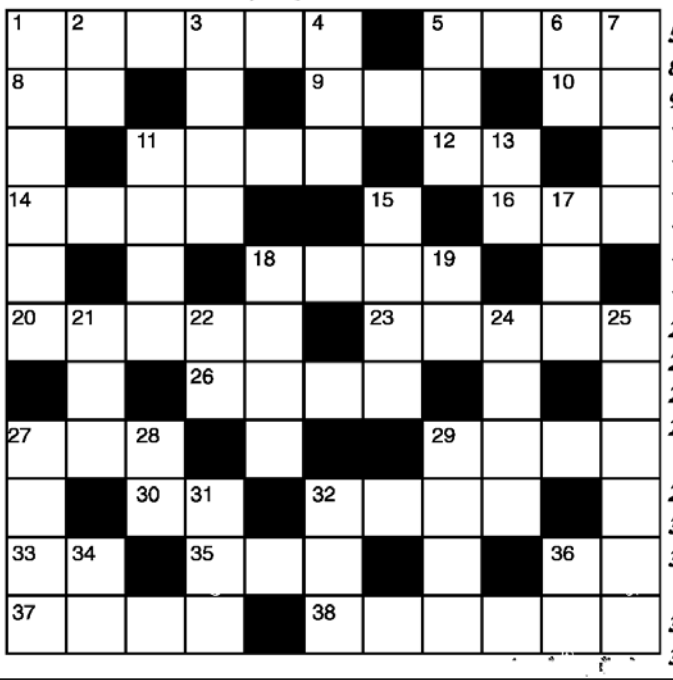
स.क्र.	ग्रायांसेवा संभाग	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य का नाम	जनपद पंचायत	निविदा लागत (PAC) (राशि रुपए में)	अमानत राशि (राशि रुपए में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (राशि रुपये में)	समयावधि (वर्षाकाल सहित)	आमंत्रण का क्रम	ग्रामीण यांत्रिकी सेवा में लागू दर अनुसूची का दिनांक
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	बालाघाट-2	2026_RES_538773_1	बी.टी. रोड निर्माण कार्य जमुनिया से पवारीटोला लम्बाई 2.3 कि.मी. एवं चीचटोला में कॉलेजटोला हनुमान मंदिर से उजाड़बोपली चनई नदी पर स्लेब कल्वर्ट निर्माण कार्य तथा अम्बेझरी बीटी रोड से खैरलॉजी पहुंचमार्ग तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	कटंगी	32323786.00	324000.00	15000.00	365 दिवस	प्रथम	11.04.2022
2	बालाघाट-2	2026_RES_538774_1	समग्र शिक्षा अभियंता अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला भवन निर्माण कार्य कुंडा मोहगांव	किरनापुर	3911713.00	50000.00	5000.00	270 दिवस	प्रथम	11.04.2022
3	बालाघाट-2	2026_RES_538775_1	समग्र शिक्षा अभियंता अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला भवन निर्माण कार्य बगडमारा	किरनापुर	3911713.00	50000.00	5000.00	270 दिवस	प्रथम	11.04.2022
4	नरसिंहपुर	2026_RES_538776_1	घाट निर्माण कार्य राजा हिरदेशाह किले से नर्मदा तट तक केरपानी	करेली	10657458.00	106600.00	12500.00	270 दिवस	तृतीय	11.04.2022
5	नरसिंहपुर	2026_RES_538777_1	सी.सी. रोड निर्माण कार्य, शनि मंदिर से बरी केन्द्र तक ग्राम पंचायत उमरिया	करेली	2335818.00	50000.00	5000.00	180 दिवस	द्वितीय	11.04.2022

नोट - 1. ऑनलाईन निविदा में प्रतिस्पर्धियों द्वारा सुवाच्य एवं स्वच्छप्रति अपलोड होने की स्थिति में ही दस्तावेज मान्य होगें।
2. निविदा संशोधन से संबंधित जानकारियाँ ऑनलाईन देखी जा सकती है, पृथक से प्रकाशित नही की जायेगी।
निविदा संबंधी तिथियाँ (Key Dates) :-
1 Date of Publishing of Tender/ Document Download/Sale Start Date 03.10.2026 (10:00AM)
2 Technical Bid Submision End Date 10.10.2026 (06:00PM)
3 Bid Opening Date 12.10.2026 (10:00AM

अधीक्षण यंत्री
ग्रामीण यंत्रिकी सेवा

जी - 19425/26 स्वच्छता ही सेवा

शब्द पहेली - 6367



बाएँ से दाए
1. पवनपुत्र, हनुमान-3,3
5. मजार-4
8. बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9. तहजीब, तमीज-3
10. सत्य, तेज-2
11. पतंगा-4
12. ईसाई साध्वी-2
14. इंकार करना-4
16. उत्तम, आदर्शवादी-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
20. पागलपन, सनक-5
23. पालन-पोषण-5
26. आनंद लेना-2,2
27. बेईमानी, अमानत में खयानत-3
29. अप्रधान, गौण-4
30. ठाठ-बाट-2
32. अति काला, एक प्रकार की लकड़ी-4
33. रहस्य-2
35. गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36. कमरा, रूम-2
37. जल में रहने वाला-4
38. धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे
1. पलायन करने वाला-6
2. जंगल-2
3. दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4. जिव्हा, जीभ-3
5. घर, भवन-3
6. यात्री गाड़ी-2
7. चौबीस घंटे का समय-4
11. परीक्षण करना-4
13. भीगा हुआ-2
15. खोजना-4
17. उपस्थिती-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
19. संपत्ति-2
21. उचित, सही-3
22. पंख, पराया-2
24. देश निर्वासन-4
25. अंगरक्षक-3,3
27. हाथी-4
28. मद, सरूर-2
29. अनुसार, समान-4
31. निगाह, दृष्टि-3
32. हथियार-3
34. पानी, नीर-2
36. सिगरेट का धुआं खींचना, सुट्टा-2

शब्द पहेली- 6366 का हल

उ	प	चा	र		मि		वि	रा	स	त
	र		घु		ग	द	र		ही	न
क			व	रा	ह		ह			हा
म	हा	बी	र		बा	ल		क	मा	ई
जो		रा		ना	न		श		ख	
र	म	णी	य	ता		भा	व	ही	न	ता
	न		म		ज	ल		ट		र
अ	का	ल		शू	ल		नी	र	व	ता
प			न		प्र	ख	र			र
रा	ल		म	हू	वा		स		मी	
ध	ड़	क	न		ह		ता	र	त	प्य

सूडोकु नवताल - 6377

कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

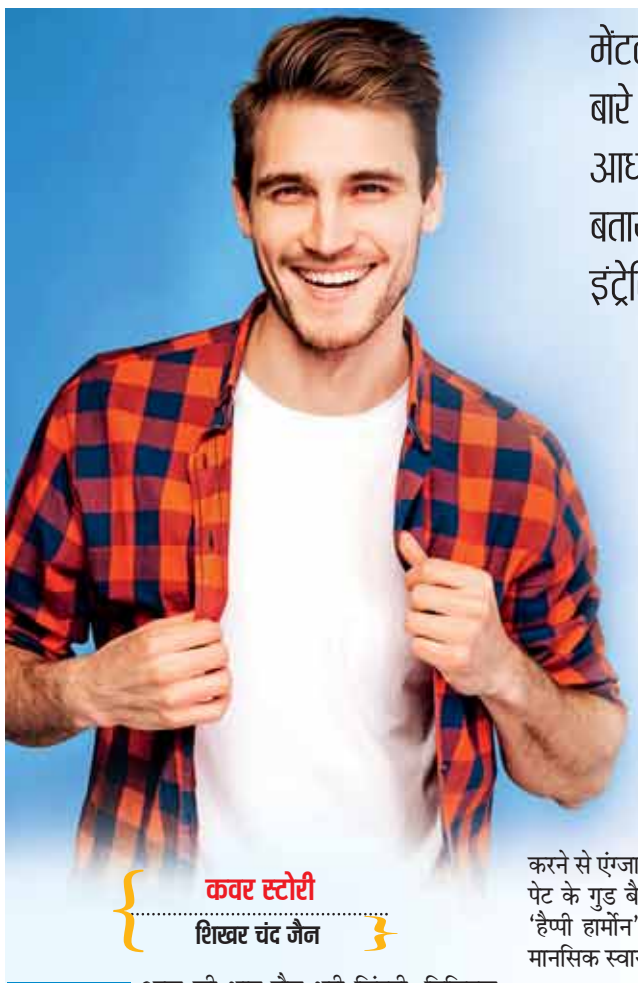
MANGAL SENACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6376 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित
जबलपुर, रविवार 4 अक्टूबर 2026



स्पेशल: मेंटल हेल्थ डे, 10 अक्टूबर

मेंटल हेल्थ को सुधारने के लिए कई कॉमन तरीकों के बारे में आप जानते होंगे। लेकिन वैज्ञानिक शोधों के आधार पर दुनिया के विशेषज्ञों ने कुछ डिफरेंट एक्टिविटीज के बारे में भी बताया है। ये एक्टिविटीज मेंटली हेल्दी रहने में तो कारगर हैं ही, ये बहुत इंट्रेस्टिंग एक्सपीरियंस भी प्रदान करती हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

फॉलो करें ये डिफरेंट एक्टिविटीज

आप रहेंगे मेंटली हेल्दी-एनर्जेटिक

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी, डिजिटल तनाव और लगातार बदलते लाइफस्टाइल के बीच मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। जब भी मानसिक रूप से स्वस्थ रहने की बात आती है, तो आमतौर पर योग, ध्यान, गहरी सांस लेना या आठ घंटे की नींद जैसी सलाहें दी जाती हैं। बेशक ये तरीके कारगर हैं, लेकिन आधुनिक विज्ञान और न्यूरोसाइंस के शोध अब कुछ ऐसे अनूठे और अपरंपरागत तरीकों के बारे में भी बता रहे हैं, जो हमारे मस्तिष्क को पूरी तरह से रीवायर कर सकते हैं। जानते हैं ऐसे ही कुछ उपाय जो आपके मानसिक स्वास्थ्य को एक नए स्तर पर ले जा सकते हैं।





कुछ न करने की डच कला यानी निकसेन

अकसर हमें हर वक्त कुछ न कुछ रचनात्मक या उत्पादक करने की सलाह दी जाती है। लेकिन नीदरलैंड की एक अवधारणा है, जिसे 'निकसेन' कहा जाता है, जिसका अर्थ है 'जानबूझकर कुछ भी न करना।' अकादमिक जर्नल 'एड्रोगोगिका' में प्रकाशित शोध के अनुसार, जब हम बिना किसी उद्देश्य के बैठते हैं या बस खिड़की से बाहर देखते हैं, तो हमारे मस्तिष्क का 'डिफॉल्ट मोड नेटवर्क' सक्रिय हो जाता है। यह नेटवर्क रचनात्मकता को बढ़ाता है, मानसिक थकान को दूर करता है और भविष्य की चिंताओं को कम करने में मदद करता है।

भारी वजन उठाना या रेजिस्टेंस ट्रेनिंग

मानसिक स्वास्थ्य के लिए अकसर वॉक या कार्डियो वर्कआउट की सलाह दी जाती है, लेकिन वर्ष 2018 में 'जामा साइकिएट्री' में प्रकाशित 33 नैदानिक परीक्षणों के एक बड़े विश्लेषण में पाया गया कि रेजिस्टेंस ट्रेनिंग (वजन उठाना या स्ट्रेंथ ट्रेनिंग) सीधे तौर पर अवसाद के लक्षणों को कम करती है। वजन उठाने से मस्तिष्क में ब्रेन डीराइव्ड न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर प्रोटीन का स्तर बढ़ता है। यह प्रोटीन नए मस्तिष्क सेल्स के निर्माण और न्यूरोप्लास्टिसिटी को बढ़ावा देता है, जिससे मानसिक मजबूती आती है। आप मेंटली स्ट्रॉन्ग महसूस करते हैं।

प्रोबायोटिक्स और साइकोबायोटिक्स

विज्ञान ने साबित कर दिया है कि हमारा पेट हमारा 'दूसरा मस्तिष्क' है। हमारे पेट में मौजूद बैक्टीरिया सीधे तौर पर हमारे मूड को नियंत्रित करते हैं। 'गैस्ट्रोएंटरोलॉजी' जर्नल के एक शोध के अनुसार, विशिष्ट प्रोबायोटिक्स (जिन्हें साइकोबायोटिक्स कहा जाता है) का सेवन करने से एंग्जाइटी और डिप्रेशन के लक्षणों में कमी देखी गई है। पेट के गुड बैक्टीरिया शरीर का 90 प्रतिशत सेरोटोनिन यानी 'हैप्पी हार्मोन' बनाते हैं। इसलिए, खान-पान में सुधार सीधे मानसिक स्वास्थ्य को सुधारता है।

अज्ञात जगहों की यात्रा-नई भाषा सीखना

मस्तिष्क को पुरानी दिनचर्या और एक ही ढर्रे पर जीने से बोरियत और मानसिक थकान होती है। न्यूरोसाइंटिफिक अध्ययनों से पता चलता है कि जब आप किसी ऐसी जगह जाते हैं, जहां आप पहले कभी नहीं गए या कोई नई भाषा/संगीत वाद्ययंत्र सीखते हैं, तो मस्तिष्क के हिप्पोकैंपस क्षेत्र में नए न्यूरल कनेक्शन बनते हैं। न्यूरोप्लास्टिसिटी के सिद्धांतों के अनुसार, यह दिमागी लचीलापन पुरानी नकारात्मक सोच के चक्र को तोड़ने में मदद करता है।

क्रायोथेरेपी और कोल्ड शावर

सुबह-सुबह ठंडे पानी से नहाना आपके मूड को तुरंत बदल सकता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'हॉर्मेसिस' कहा जाता है, यानी शरीर को एक छोटा, नियंत्रित तनाव देना जो अंततः फायदेमंद साबित हो। 'मेडिकल हाइपोथीसिस' जर्नल के एक प्रसिद्ध अध्ययन के अनुसार, ठंडे पानी से नहाने से मस्तिष्क में नॉरपेनेफ्रिन और एंडोर्फिन का स्तर बढ़ जाता है। यह त्वचा से मस्तिष्क तक भारी मात्रा में इलेक्ट्रिकल इंपल्स भेजता है, जिससे डिप्रेशन के लक्षणों में दवा जैसी राहत मिल सकती है।

बाइनॉरल बीट्स

यह एक प्रकार का श्रवण भ्रम है, जो तब बनता है जब दोनों कानों में दो अलग-अलग आवृत्तियों की थोड़ी भिन्न ध्वनियां सुनाई जाती हैं। 'बाइनॉरल' शब्द का अर्थ है 'दो कानों से संबंधित'। इसमें यह सिद्धांत काम करता है कि यदि दाएं कान में 300 हर्ट्ज और बाएं कान में 310 हर्ट्ज की ध्वनि दी जाए, तो दिमाग को 10 हर्ट्ज की तीसरी बीट का अहसास होता है। माना जाता है कि यह तकनीक मस्तिष्क की तरंगों को प्रभावित कर विश्राम या ध्यान की स्थिति में मदद करती है। यदि आपको ध्यान लगाने में कठिनाई होती है, तो ध्वनि विज्ञान आपकी मदद कर सकता है। 'फ्रंटियर्स इन ह्यूमन न्यूरोसाइंस' के शोध के अनुसार, बाइनॉरल बीट्स सुनने से गहरी शांति मिलती है और एंग्जाइटी कम होती है। यह तकनीक मस्तिष्क को बिना किसी विशेष प्रयास के ध्यान की स्थिति में ले जाती है।





वॉर्म्थ थेरेपीः गर्माहट का एहसास

जैसे ठंडा पानी काम करता है, वैसे ही शरीर को गहराई से गर्म करना भी मानसिक स्वास्थ्य के लिए चमत्कार कर सकता है। 'जामा साइकियाट्री' में प्रकाशित एक क्लीनिकल ट्रायल के अनुसार, 'होल-बॉडी हाइपरथर्मिया' (शरीर का तापमान बढ़ाना, जैसे गर्म टब में) से डिप्रेशन के लक्षणों में हफ्तों तक चलने वाली कमी देखी गई। गर्मी मस्तिष्क में ऐसे प्रोटीन को बढ़ाती है, जो नए ब्रेन सेल्स बनाने में मदद करता है।

एक्सप्रेसिव राइटिंग

यह केवल डायरी लिखना नहीं है, बल्कि बिना किसी काट-छांट के अपने सबसे गहरे और नकारात्मक विचारों को कागज पर उतारना है। मनोवैज्ञानिक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के प्रसिद्ध शोधों से पता चलता है कि हर दिन 15-20 मिनट तक अपने तनाव या आघात के बारे में लिखने से वर्किंग मेमोरी बेहतर होती है, तनाव कम होता है और यहां तक कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। यह मस्तिष्क के इमोशनल सेंटर की अति-सक्रियता को शांत करता है। इससे दिमाग शांत और संतुष्टि महसूस करता है।

क्रोनोथेरेपी यानी जैविक घड़ी की सही सेटिंग

अपनी जैविक घड़ी को रीसेट करना अकसर मानसिक समस्याओं का सीधा संबंध हमारे सोने और जागने के गलत समय से होता है। क्रोनोथेरेपी में प्रकाश और समय के नियंत्रित उपयोग से जैविक घड़ी को ठीक किया जाता है। 'द लैंसेट साइकियाट्री' के एक अध्ययन के मुताबिक, सुबह की तेज धूप के संपर्क में आने से मेलाटोनिन और कोर्टिसोल का चक्र नियमित होता है। यह न केवल नींद की समस्याओं को ठीक करता है, बल्कि सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर और गंभीर डिप्रेशन में भी बेहद प्रभावी पाया गया है। k



न्यूट्रिशस फूड्स खाने से शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे स्ट्रेंथ और एनर्जी मिलती है। हम कई तरह के रोगों से भी बचे रहते हैं। लेकिन हाल में प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐसी डाइट से हमारा मूड भी हैप्पी रहता है, मेंटल हेल्थ बढ़िया रहती है।

मूड रहेगा हैप्पी-पॉजिटिव रेग्युलर खाएं हेल्दी फूड्स

{ मेंटल हेल्थ / लोकमित्र गौतम }

हमारा भोजन केवल पेट नहीं भरता, वह हमारे मस्तिष्क से संवाद भी करता है। इसलिए जब मन उदास हो, तनाव बढ़े या दिमाग धुंध में डूबा लगे, तो सवाल केवल यह नहीं कि हम क्या सोच रहे हैं- यह भी है कि हम क्या खा रहे हैं, कैसे सो रहे हैं और अपने शरीर के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं? यह आज के दौर में ज्यादातर लोगों की समस्या है। हममें से बहुत से लोग इसे कभी थकान, कभी तनाव, कभी उम्र और कभी खराब याद्दाश्त का नाम देकर आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन क्या हमारे मन, मस्तिष्क और भोजन के बीच भी कोई ऐसा रिश्ता है, जिसे हम लंबे समय से नजरअंदाज करते आए हैं? 'साइकोलॉजी नाउ' पत्रिका के हालिया अंक में प्रकाशित दो लेख- हैप्पी फूड और व्हाट इज ब्रेन फॉग? को साथ रखकर देखें तो एक दिलचस्प तस्वीर बनती है। पहला लेख जहां हमें यह बताता है कि मानसिक स्वास्थ्य केवल 'मन' का मामला नहीं है, इसमें भोजन और शरीर की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। दूसरा लेख उस अनुभव की पड़ताल करता है, जिसमें व्यक्ति को लगता है कि उसका दिमाग जैसे धुंध से भर गया है। कहीं ध्यान नहीं लग रहा, बातें भूल रही हैं और सोचने की गति बेहद धीमी पड़ गई है। इन दोनों को मिलाकर देखें तो क्लीयर होता है कि हमारे भोजन और हमारे दिमाग के बीच सीधा रिश्ता है।





अच्छे खाने से मिले खुशीः भोजन को अब केवल पेट भरने या कैलोरी गिनने की चीज मानकर नहीं देखा जा सकता है। हमारा मस्तिष्क लगातार काम करता है। सोचने, याद रखने, निर्णय लेने और भावनाओं को समझने की जटिल प्रक्रिया में शरीर और मस्तिष्क के बीच निरंतर संवाद चलता रहता है। वास्तव में खुश करने वाले भोजन यानी हैप्पी फूड का केंद्रीय विचार यही है कि हमारे भोजन और 'ब्रेन फंक्शन' के बीच गहरा संबंध है। भोजन में मौजूद पोषक तत्व शरीर की उन प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं, जिनका संबंध हमारे समग्र स्वास्थ्य और मानसिक सलामती से है। खाने का संबंध केवल हमारी फिटनेस तक सीमित नहीं रह गया है। यह हमारे मूड, ऊर्जा और मानसिक सक्रियता की बातचीत का भी हिस्सा बन गया है। कहने का मतलब यह कि पाचनतंत्र और मस्तिष्क को अलग-अलग मानना पूरी तरह सही नहीं है। शरीर के भीतर विभिन्न प्रणालियां लगातार एक-दूसरे से संवाद करती हैं, इसलिए भोजन की गुणवत्ता का असर हमारे अनुभवों से पूरी तरह अलग नहीं माना जा सकता।

क्या है ब्रेन फॉगः जब व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो, चीजें याद करने में कठिनाई महसूस हो, सोचने में स्पष्टता न रहे या मानसिक रूप से लगातार थकान महसूस हो, तो वह कह सकता है मेरा दिमाग आजकल ठीक से काम नहीं कर रहा। लेकिन साइकोलॉजी नाउ में छपा लेख, 'व्हाट इज ब्रेन फॉग', इसी अनुभव को सामने रखता है। वास्तव में इसमें कंसंट्रेशन की कठिनाई, मेमोरी प्रॉब्लम्स और मानसिक अस्पष्टता जैसी स्थितियों का ही उल्लेख किया गया है। लेकिन 'ब्रेन फ्रॉग' का सबसे परेशान करने वाला पहलू यह है कि ऐसा व्यक्ति जो इससे जूझ रहा हो, बाहर से बिल्कुल सामान्य दिखता है। वह अपना काम कर रहा होता है, लोगों से मिल रहा होता है, घर संभाल रहा होता है। लेकिन भीतर उसे लगता है कि उसकी मानसिक गति कुंद पड़ गई है। सवाल यह है कि क्या इसका रिश्ता हमारे खाए जाने वाले भोजन से भी होता है?

हैप्पी फूड-ब्रेन फॉग में रिलेशनः आमतौर पर जब तनाव बढ़ता है, तो हम जल्दी में खाना खाते हैं। थकान बढ़ती है तो हम प्रोसेस्ड फूड खाने में जोर देते हैं या मीठी चीजों खाना चाहते हैं, क्योंकि तत्काल रूप से यही खाना संतुष्टि देता है। नए अध्ययन में यह सामने आया है कि मन, शरीर, नींद, तनाव और भोजन को अलग-अलग खांचों में रखकर नहीं समझा जा सकता। 'ब्रेन फॉग' में तनाव, एंजाइटी, नींद की कमी, थकान और अन्य स्वास्थ्य संबंधी कारकों के संदर्भ में मानसिक अस्पष्टता की चर्चा हैप्पी फूड के निष्कर्षों से ही मेल खाता है। कहने का मतलब यह कि हैप्पी फूड, संतुलित और पोषक भोजन को हमारी मानसिक सलामती के संदर्भ में रखता है। मतलब यह कि अगर दिमाग को स्वस्थ रखना है तो हमें ऐसे फूड से नाता जोड़ना होगा, जो हमें खुश रखते हैं।

क्या होते हैं हैप्पी फूड्सः हैप्पी फूड कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों का समूह है, जिन्हें पोषण की दृष्टि से उपयोगी माना गया है। इनमें एवोकाडो, बादाम, बेरीज, डार्क चॉकलेट, मशरूम, ओट्स और सालमन शामिल हैं। हैप्पी फूड का सीधा-सा मतलब है, ऐसा फूड जिसे खाने से आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलें और जो भोजन की पूरी गुणवत्ता पर खरा उतरता हो। विविधता से भरपूर भोजन, पोषक तत्वों से युक्त खाद्य पदार्थ, अच्छे फैट, फाइबर और अन्य पोषक तत्वों से संतुलित आहार हैप्पी फूड्स की श्रेणी में आते हैं और ये सभी कारगर हैं। k



{ गजल / कृष्ण बिहारी }

बात जमाने की

तुम भी क्या बात करते हो जमाने की
यहां तो होड़ लगी है गंगा नहाने की।

पानी कम है चलो ये मान लिया हमने
जरूरत क्या है चुल्लू में डूब जाने की।

कोई मजबूरी है तो उसे कुबूल करो
सुनेगा कौन किसी बेवजह बहाने की।

जिंदगी भर जो आंसुओं के साथ रहा
कोशिश करता रहा सबको हंसाने की।

कुछ कदम साथ चलो तो जान जाओगे
उद्गम को क्या खबर अपने मुहाने की।

जानता हूं अकेला मैं टूट जाऊंगा
ताकतें कम भी नहीं मुझको झुकाने की।

चीनी के साथ कटोरी भी फ्री दीजिए

जब दुकानदार सामान देता है तो साथ में पन्नी भी फ्री दे देता है। उसी तरह आपको भी होना है मेहरबान। चीनी के साथ-साथ कटोरी भी देना है, श्रीमान। तो सोचना क्या है, कोई कटोरी या ग्लास निकालिए और चीनी भरकर लाइए।

{ व्यंग्य / महेश कुमार केशरी }

एक रोज पड़ोसी ने सुबह-सुबह ही दरवाजा खटखटाया। खटखटाकर पूछा, 'कैसे हैं श्रीमान!' हंसते हुए जब उन्होंने किया प्रणाम, तो बदले में मुझे भी करना पड़ा प्रणाम। जब दांत फाड़कर उन्होंने दिखाया अपना जबड़ा, तो मुझे भी दिखाना पड़ा अपना मुस्कुराता थोबड़ा। फिर उन्होंने हमसे पूछा, 'आपको तो साल भर हुआ सोसाइटी में आए। आप तो ईद के चांद हो गए हैं। क्या एकांत जीवी हैं आप या ले लिया है संन्यास? क्या सोसाइटी के किसी प्रोग्राम में नहीं है आपको दिलचस्पी?'

इस पर मैंने कहा, 'नहीं ऐसा तो नहीं है श्रीमान।'

वे बोले, 'ठीक है तब कभी आइए, हमारे घर चाय पीने। कभी अपने घर भी बुलाइए। इसी बहाने मेल-जोल बढ़ेगा। आदमी मेल-जोल बढ़ाने से ही सामाजिक बनता है।'

उनकी बात को मैं टाल गया। लेकिन वो अगले दिन फिर आ धमके। खींसे निपोरते बोले, 'आपको परेशानी तो होगी। हो गई है रात। नहीं तो बाजार जाकर भी ला सकता था सामान। नहीं देता कोई आपको कष्ट। पड़ोसी हैं तो पड़ोसी होने के नाते काम आना चाहिए।' मैं बोला, 'जी भाई आप बताइए, क्या कोई जरूरी काम है?' 'काम तो कोई खास नहीं। मेरे यहां चीनी खत्म हो गई है। आज आप मेरा काम चलाइए, कल आपका काम मैं चलाऊंगा। बस इतनी सी है बात।' उन्होंने गुजारिश की। मैंने कहा, 'लेकिन चीनी कैसे दूं। आप तो खाली हाथ आए हैं!' वे तुरंत बोले, 'अरे श्रीमान ये इतनी बड़ी समस्या नहीं है। आसान है निदान। जब दुकानदार सामान देता है तो साथ में पन्नी भी फ्री दे देता है। उसी तरह आपको भी होना है मेहरबान। चीनी के साथ-साथ कटोरी भी देना है, श्रीमान। कोई कटोरी या ग्लास निकालिए और चीनी भरकर लाइए। फिर कटोरी ग्लास का आदान-प्रदान चलता रहेगा।' पिंड छुड़ाने के लिए एक कटोरा चीनी उनको निकालकर दे दिया। पड़ोसी लाल हंसते हुए चले गए। लेकिन इसके बाद वो रोज ही आने लगे। कभी चीनी मांगने, कभी तेल मांगने। कभी कटोरी लौटाने के बहाने से आते और मेरा आटा गीला कर जाते। इस तरह से मेरा राशन का बजट बिगड़ने लगा। कभी कटोरी लौटाने के बहाने आते और आकर किचन में यह कहते हुए घुस जाते कि लगता है आज कुछ स्पेशल बन रहा है! क्यों ना खाना आज आपके यहां खा लूं!



इस तरह रोज वो आते और किसी ना किसी बहाने से कुछ ना कुछ खाते या कटोरी में ले जाते। कभी कहते, 'मेरी पत्नी को भिंडी मसाला बनाना ही नहीं आता है। आपके यहां की भिंडी मसाला क्या गजब का बनता है। आपके यहां की पालक पनीर के क्या कहने। वाह! नाम लेते ही देखिए मुंह में पानी आ गया।' मैं आशय समझ जाता और कटोरे में दाल और सब्जी भरकर ले आता। मटन, चिकन जिस दिन बनता, वे पूरे दिन मेरे घर में ही अड्डा जमाए रहते। कहते, 'भाई बहुत चिकन और मटन खाया हूं। लेकिन भाभीजी के हाथों में तो जैसे जादू है। ऐसा खाना मैंने पूरी जिंदगी में कभी नहीं खाया है।' उनका आशय मैं समझ जाता और खीझते हुए ही सही, उन्हें कटोरी भरकर दे देता हूं। k

{ लघुकथा / देवेंद्र सिंह सिसौदिया }

अनुभवी

कॉलोनी के पार्क में सुबह की सैर पर निकले शर्मा जी ने उत्साहित होकर वर्मा जी से कहा, 'सुना आपने, हाल ही में हुए घोटाले की जांच के लिए सरकार ने उच्चस्तरीय समिति गठित कर दी है!' 'अच्छी बात है,' वर्मा जी बोले, 'अब तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।' 'होना ही चाहिए। सचिव स्तर की समिति है। बड़े-बड़े अधिकारी इस जांच समिति के सदस्य हैं।' शर्माजी ने कहा। कुछ देर बाद टहलते- टहलते वर्मा जी ने पूछा, 'जांच का नेतृत्व कौन कर रहा है?'

'अरोरा साहब...' शर्मा जी ने बताया।

'वही अरोरा, जो कुछ साल पहले भ्रष्टाचार और अमानत में खयानत के आरोप में निलंबित हुए थे?'

शर्मा जी कुछ पल सोचते रहे, फिर बोले, 'हां... वही अरोरा साहब।' दोनों के कदम एकाएक रुके और दोनों पार्क में लगी बेंच पर बैठ गए। कुछ देर दोनों के बीच खामोशी छाई रही। फिर वर्मा जी मुस्कुराए और बोले, 'जांच के लिए अनुभवी आदमी ही चुना है। चोरी के सारे तौर-तरीके अच्छी तरह जानते हैं... दूध से पानी अलग करने में आसानी रहेगी।' यह सुनकर शर्मा जी ने भी मुस्कुराते हुए अपनी सहमति प्रकट की। k



{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

विद्यासागर नौटियाल पर एकाग्र

टिहरी गढ़वाल के छोटे से गांव से ताल्लुक रखने वाले कथाकार विद्यासागर नौटियाल ने, हिंदी साहित्य में पहाड़ी जीवन की तमाम विसंगतियों को प्रमुखता से अभिव्यक्त किया। उनकी रचनाशीलता के तमाम आयामों को विवेचित करता 'बनास जन' पत्रिका का विशेषांक (प्रतिरोध के आख्यानकारः विद्यासागर नौटियाल) हाल में प्रकाशित हुआ है। इसमें कई युवा और वरिष्ठ लेखकों ने उनकी कहानियों, उपन्यासों और कथेतर साहित्य को मूल्यांकित किया है। पत्रिका के संपादक पल्लव ने नौटियाल की रचनाशीलता पर सटीक टिप्पणी की है। वे लिखते हैं, 'पहाड़ की रमणीयता में वे वंचितों के दबे स्वरों को खूब पहचानते हैं और उन्हें अपने लेखन में जरूरी जगह प्रदान करते हैं।' उनकी कहानियों के बारे में कई लेखकों ने बेहतरीन लेख लिखे हैं। शंभु गुप्त का लेख विशेष रूप से पठनीय है। अपने लेख में वे लिखते हैं, 'विद्या सागर नौटियाल गहरे जन-प्रतिबद्ध व लोक समर्पित कथाकार हैं।' पत्रिका में नौटियाल से जुड़े कुछ मार्मिक संस्मरण भी पढ़े जा सकते हैं। 'पहाड़ के प्रति प्रतिबद्ध जीवन' संस्मरणात्मक लेख में वरिष्ठ लेखक नवीन जोशी कहते हैं, 'यह उनकी पहाड़ के प्रति अटूट प्रतिबद्धता थी। इसके लिए उन्होंने (कम्युनिस्ट) पार्टी लाइन का खुला विरोध कर दिया था।' k



पत्रिकाः बनास जन (विशेषांक-प्रतिरोध के आख्यानकारः विद्यासागर नौटियाल), **संपादकः** पल्लव, **मूल्यः** 200 रुपए, **प्रकाशन स्थलः** शालीमार बाग, नई दिल्ली

एशियाई खेल : फाइनल में पाकिस्तान को 19 रनों से हराया

भारत ने लगातार दूसरी बार जीता गोल्ड

एजेंसी ▶▶| निशिन

अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा के तूफानी अर्धशतकों की मदद से भारत ने हसन नवाज की आक्रामक पारी के बावजूद रोमांचक फाइनल में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रन से हराकर शनिवार को एशियाई खेलों के पुरुष क्रिकेट में अपने स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव किया।

अभिषेक ने 28 गेंद पर 61 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और सात छक्के शामिल हैं। तिलक वर्मा ने आखिरी ओवरों में 22 गेंद पर नाबाद 51 रन की पारी खेली, जिसमें तीन चौके और चार छक्के शामिल हैं। उन्हें शिवम दुबे का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने 15 गेंद पर 27 रन बनाए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरी भारतीय टीम ने छह विकेट पर 211 रन का बड़ा स्कोर बनाया। पाकिस्तान की तरफ से अहमद दानियाल और अराफात मिन्हास ने दो-दो विकेट लिए।



हसन नवाज ने खेली 51 गेंदों पर 96 रन की पारी

पाकिस्तान खराब शुरुआत के बावजूद हसन नवाज की 51 गेंदों पर 96 रन की पारी से मुकाबले में बना रहा लेकिन आखिर में वह 6 विकेट पर 192 रन तक ही पहुंच पाया। नवाज जब चार रन पर थे तब वैभव सूर्यवंशी ने उनका कैच छोड़ दिया था। नवाज ने अपनी पारी में पांच चौके और सात छक्के लगाए। भारत की तरफ से अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे ने दो-दो विकेट लिए।

अपने प्रदर्शन का स्तर ऊंचा उठाएं : अय्यर

पाकिस्तान के खिलाफ पहली बार कप्तान कर रहे श्रेयस अय्यर ने एशियाई खेलों के फाइनल में अपने साथियों से सिर्फ इतना कहा था कि मुकाबले को लेकर बने माहौल और दबाव को खुद पर हावी नहीं होने दें और बड़े मंच पर अपने प्रदर्शन का स्तर ऊंचा उठाएं। भारतीय खिलाड़ियों ने भी कप्तान की बात पर अमल करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। जीत के बाद अय्यर ने कहा कि टीम ने पाकिस्तान या श्रीलंका के बजाय सिर्फ एक प्रतिद्वंद्वी के रूप में सामने वाली टीम को देखा और अपना पूरा ध्यान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर रखा। उन्होंने कहा, 'हमारे दिमाग में सिर्फ एक प्रतिद्वंद्वी था, पाकिस्तान या श्रीलंका नहीं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अगर हम अपनी क्षमता के मुताबिक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं तो बाकी चीजें अपने आप सही हो जाती हैं। आज इसका सही उदाहरण देखने को मिला और हम उस पर खरे उतरे।'



नहीं किया हैंडशेक

भारत और पाकिस्तान के बीच एशियाई खेलों के क्रिकेट फाइनल को लेकर काफी उत्सुकता थी लेकिन शनिवार को मुकाबला बिना किसी विवाद के संपन्न हुआ। इस दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने एक बार फिर हाथ नहीं मिलाए। फाइनल देखने के लिए तोक्यो, नागोया और जापान के अन्य हिस्सों से बड़ी संख्या में पहुंचे भारतीय समुदाय के लोगों के लिए यह दिन क्रिकेट के नाम रहा। मैच के बाद का घटनाक्रम भी कुछ ऐसा ही रहा। जीत के बाद भारतीय खिलाड़ी जब अपने ड्रेसिंग रूम की ओर बढ़े तो उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के पास जाने की कोशिश नहीं की। पाकिस्तान की टीम अपने ड्रेसिंग रूम से बाहर आई, अंपायरों से हाथ मिलाया और भारतीय खिलाड़ियों से बिना किसी बातचीत के वापस लौट गई। हाथ मिलाने को छोड़ दे तो मैच खेल भावना के साथ खेला गया। खिलाड़ियों के बीच कोई तीखी बहस या बड़ा विवाद नहीं हुआ और उन्होंने अपना ध्यान मुकाबले पर बनाए रखा तथा क्रिकेट को केंद्र में रहने दिया। पदक समारोह भी बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुआ और आयोजकों ने पूरी प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाए रखा।

केएल राहुल ने लगाया तूफानी शतक

इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे किए 10 हजार रन

एजेंसी ▶▶| न्यू चंडीगढ़

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में केएल राहुल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया। उन्होंने इस मैच में 80 गेंदों में शतक लगाया। यह वनडे क्रिकेट में केएल राहुल का 9वां शतक है। इस मुकाबले में राहुल बहुत मुश्किल समय में बल्लेबाजी करने आए थे, लेकिन उन्होंने शानदार शतक बनाकर टीम का स्कोर 300 के पार पहुंचा दिया। शतक बनाने के बाद उन्होंने और तेजी से रन बनाना शुरू किया और टीम इंडिया के स्कोर को 351 रन तक ले गए। यह राहुल का वनडे क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है और उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 10हजार रन भी पूरे कर लिए। टीम इंडिया शुरुआती 2 मुकाबले जीतकर सीरीज में 2-0 से आगे है। मेजबान टीम की निगाहें 'क्लीन स्वीप' पर टिकी हैं।



अब तक चार ही ओपनर बना पाए हैं वनडे में दस हजार से अधिक रन

वैसे तो रोहित शर्मा अब तक अपने वनडे करियर में 12 हजार से भी अधिक रन बना चुके हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 35 शतक और 35 अर्धशतक आए हैं। पिछले ही मैच में रोहित ने वेस्टइंडीज के खिलाफ धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए अपना 35वीं सेंचुरी पूरी की थी। उन्होंने 75 बॉल पर 101 रन बनाए थे। उन्होंने 10 चौके और छह छक्के लगाए थे। जल्दी ही न्यूजलैंड सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया जाएगा, उम्मीद की जा रही है कि उसमें भी रोहित शर्मा का नाम होगा और वे खेलते हुए भी दिखाई देंगे।

रोहित ने किया तेंदुलकर का रिकॉर्ड ध्वस्त

रोहित शर्मा ने अब वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे मुकाबले में सचिन तेंदुलकर का विश्व रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। सचिन का ये कीर्तिमान करीब 22 साल पुराना है। रोहित अब बतौर ओपनर वनडे में दस हजार रन बनाने वाले दुनिया के चौथे बल्लेबाज भी बन गए हैं। बतौर ओपनर सबसे तेज दस हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर थे। उन्होंने साल 2004 में ब्रिस्बेन ने ऑस्ट्रेलिया दस हजार रन का आंकड़ा छुआ था। अब रोहित शर्मा ने उनसे 12 पारियां कम खेलकर ही 10,000 रन बना दिए हैं। रोहित ने यहां तक पहुंचने के लिए केवल 202 पारियां खेली हैं। रोहित के अलावा 10 हजार रन बनाने वाले बाकी बल्लेबाजों में सचिन तेंदुलकर के अलावा वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और श्रीलंका के सनथ जयसूर्या हैं।



एशियन गेम्स

गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बनीं प्रणवी उर्स



एजेंसी ▶▶| नागोया

प्रणवी उर्स एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बन गई, जिन्होंने आखिरी दौर में थकान से उबरते हुए एक स्ट्रोक की बढत बरकरार रखकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित की और टीम को भी रजत दिलाया। मैसूर की 23 वर्ष की प्रणवी ने तीसरे होल में ट्रिपल बोगी करने के बाद तीन बर्डी लगाए। आखिरी दौर में उन्होंने इवन पार 70 स्कोर किया और चार दिन में कुल स्कोर 15 अंडर 265 रहा। चीन की यिन रूओनिंग ने रजत पदक जीता जबकि सिंगापुर की शैनोन टैन को कांस्य पदक मिला।

शुरुआत में काफी नर्वस थी : प्रणवी

प्रणवी ने जीत के बाद कहा,' मुझे कुछ उपलब्धि हासिल करने वाली पहली खिलाड़ी बनना पसंद है। लोग आगे भी जीतेंगे लेकिन पहली बार जीतने वाला पहला ही होता है।' प्रणवी ने कहा कि वह पूरी रात सो नहीं सकी थी और आखिरी दिन शुरुआत में काफी नर्वस थी ।

गोल्फ में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

यह 1982 दिल्ली एशियाई खेलों के बाद गोल्फ में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उस समय गोल्फ में लक्ष्मण सिंह ने व्यक्तिगत पुरुष स्वर्ण जीता था जबकि अमित लूथरा और राजीव मोहता के साथ टीम वर्ग में भी पीला तमगा हासिल किया था।

टीम ने जीता रजत

प्रणवी, ओलंपियन अदिति अशोक (आखिरी दौर में 67) और दीक्षा डागर (आखिरी दौर में 77) की टीम ने रजत पदक जीता। भारत ने 14 अंडर 546 स्कोर किया। चीन ने 22 अंडर 538 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। अदिति एक डबल बोगी और एक बोगी के बाद लगातार पांच बर्डी लगाकर संयुक्त 14वें स्थान पर रही जबकि दीक्षा संयुक्त 23वें स्थान पर रही।

कुश्ती में भारत की झोली में 6 पदक



अमन को स्वर्ण, अंतिम की चांदी

एजेंसी ▶▶| नागोया

अमन सहरावत ने एशियाई खेलों में अपने कांस्य पदक को स्वर्ण में बदल दिया जबकि महाद्वीपीय खिताब जीतने वाली केवल दूसरी भारतीय महिला पहलवान बनने की अंतिम पंघाल की कोशिश को जापान की मेई मियोका के हाथों हार के साथ निराशा का सामना करना पड़ा।

मियोका ने शनिवार को यहां अंतिम को एकतरफा मुकाबले में शिकस्त दी, जिससे भारतीय पहलवान को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारत ने कुश्ती प्रतियोगिता में छह पदकों (दो स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य) के साथ अपना अभियान समाप्त किया। यह 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में शीर्ष स्थान से चूकने के बाद भारत के इस प्रतियोगिता में सबसे शानदार प्रदर्शनों में से एक रहा।

अमन ने पुरुषों के 57 किलोग्राम वर्ग में उत्तर कोरिया के चोंग सोंग हान को 10-7 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह कुश्ती में भारत का दूसरा स्वर्ण पदक था।

तीरदांजी : नीरज ने रिकर्व स्पर्धा में जीता कांस्य पदक



नागोया। भारतीय तीरंदाज नीरज चौहान ने एशियाई खेलों में पुरुषों की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में अपने हमवतन शीर्ष वरीयता प्राप्त धीरज बोम्मादेवरा को 6-4 से हराकर कांस्य पदक जीता। नीरज ने कांस्य पदक के प्लेऑफ मैच में धीरज को 29-26, 27-28, 28-29, 30-28, 29-28 से हराया। इस तरह से वह तरुणदीप राय के बाद एशियाई खेलों में व्यक्तिगत रिकर्व पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए।

ओसीए एथलीट समिति में राजेश्वरी शामिल



एजेंसी ▶▶| नागोया

पूर्व भारतीय निशानेबाज राजेश्वरी कुमारी को दक्षिण एशिया के प्रतिनिधि के रूप में एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) की एथलीट समिति में शामिल किया गया। ओसीए एथलीट समिति में अन्य तीन क्षेत्रीय पदों के लिए एशियाई खेलों के दौरान चुनाव कराए गए। राजेश्वरी के नामांकन को पहले ही ओसीए के कार्यकारी बोर्ड से मंजूरी मिल गई थी। पश्चिम एशिया (एक महिला खिलाड़ी), मध्य एशिया (एक पुरुष खिलाड़ी), पूर्वी एशिया (एक पुरुष खिलाड़ी) और दक्षिण पूर्व एशिया (एक महिला खिलाड़ी) से एक-एक प्रतिनिधि का चयन करने के लिए चुनाव कराए गए। पिछले एशियाई खेलों में 34 वर्षीय राजेश्वरी ने महिला ट्रैप टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था। उन्होंने 2024 में ओलंपिक खेलों में भी भाग लिया था।

ईरानी कप

शेष भारत ने बनाई 265 रन की बढ़त, स्मरण ने ठोका शतक



एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

शेष भारत ने रविचंद्रन स्मरण की सयंम से खेली गई 126 रन की नाबाद पारी की बदौलत शनिवार को ईरानी कप मैच के तीसरे दिन स्टंप तक 8 विकेट पर 306 रन बनाकर जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 265 रन की बढ़त हासिल कर ली।

स्मरण ने 131 गेंद की पारी में 15 चौके और पांच छक्के लगाए जबकि सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान ने 55 रन बनाए। इससे शेष भारत मजबूत स्थिति में पहुंच गया। मेजबान टीम की ओर से साहिल लोटरा (71 रन देकर 3 विकेट) और उमर नजीर मीर (87 रन देकर 3 विकेट) गेंदबाजों में सबसे प्रभावी रहे, लेकिन भारत के बल्लेबाज ऋषभ पंत (08) और सरफराज खान (शून्य) की नाकामी के बावजूद शेष भारत के बल्लेबाजों ने अपनी टीम को बढ़त दिला दी।

पंत का लगातार दूसरी बार प्रदर्शन निराशाजनक

आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे पंत का लगातार दूसरी बार प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्हें लोटरा ने पगबाधा आउट कर दिया। इससे पहले पांचवें नंबर पर उतरे सरफराज खराब फुटवर्क के कारण आउट हो गए।शेष भारत की टीम बीती रात जम्मू-कश्मीर से 17 रन से पीछे थी और उसने एक विकेट ही गंवाया था। फिर शेष भारत के सांगवान और सुदीप कुमार घरामी (33) ने अच्छी शुरुआत करते हुए 50 रन की साझेदारी की। बाएं हाथ के सांगवान को दूसरे छोर पर सारांश जैन का साथ मिला और दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 70 रन जोड़कर शेष भारत को आगे कर दिया। सांगवान ने आउट होने से पहले 160 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 55 रन बनाए।

आइसक्रीम और गणित से किनारा किया था कुमकुम ने

मैदान पर 'अजेय तीरंदाज', बाहर 'चंचल बच्ची', गोल्ड पर साधा निशाना

एजेंसी ▶▶| नागोया

निशाना साधते समय शांत रहने वाली युवा तीरंदाज कुमकुम मोहोद जब अपना धनुष नीचे रखकर आइसक्रीम या गणित को लेकर अपने प्यार के बारे में बात करती है तो उनके भीतर का बच्चा हावी हो जाता है।

महाराष्ट्र की 17 वर्ष की कुमकुम ने एशियाई खेलों में व्यक्तिगत रिकर्व और टीम वर्ग का स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा है। उन्होंने फाइनल में पूर्व ओलंपिक चैंपियन और अपनी आदर्श कोरिया की कांग चाएयंग को हराया।



मोबाइल से बनाई दूरी पढाई भी रह गई पीछे

कुमकुम ने जीत के बाद कहा ,'' मुझे आइसक्रीम खाना पसंद है। बटरस्कॉच मेरा पसंदीदा फ्लेवर है। लेकिन 11 सितंबर को यहां आने के बाद से मैने आइसक्रीम नहीं खाई है क्योंकि लक्ष्य पर निशाना था।' उन्होंने कहा, 'मेरी मां ने तीरंदाजी से मेरा परिचय कराया। मैं पढाई में बहुत अच्छी थी और हमेशा 90 प्रतिशत अंक लाती थी। मेरा पसंदीदा विषय गणित था लेकिन अब पढाई पीछे रह गई है।' उन्होंने कहा,' मैं अपना फोन भी इस्तेमाल नहीं कर रही। सिर्फ परिवार, कोचों और टीम से बात करती हूं।'

रिकर्व तीरंदाजी : कुमकुम ने जीता स्वर्ण

नागोया। सत्रह वर्ष की कुमकुम मोहाद ने दबाव में संयम के साथ खेलते हुए एशियाई खेलों की महिला व्यक्तिगत रिकर्व तीरंदाजी स्पर्धा में कोरिया की ओ येजिन को शूटआउट में हराकर स्वर्ण पदक जीता। कुमकुम एशियाई खेलों की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला तीरंदाज बन गई। स्कोर 5-5 से बराबर रहने के बाद कुमकुम ने शूटआउट में 10 स्कोर किया जबकि येजिन आठ ही स्कोर कर सकी। इससे पहले चीन की जिंगयी झू को हराकर फाइनल में पहुंचने के साथ कुमकुम ने लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के दो कोटा स्थानों में से एक हासिल कर लिया। यह कोटा देश को मिलता है। कुमकुम ने झू को 28-27, 30-30, 29-29, 29-28 से हराया और महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में पदक पक्का करने वाली पहली भारतीय रिकर्व तीरंदाज बन गई। कुमकुम ने पहला सेट 9, 10 और 9 के स्कोर से जीता। दूसरे सेट में दोनों तीरंदाजों ने तीनों निशाने इनर 10 में लगाए। तीसरा सेट भी बराबरी पर रहा। आखिरी सेट में कुमकुम ने 29-28 से जीत दर्ज की।



राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के नियमों में प्रविधान नहीं, विश्वविद्यालय को एक अंक देने का निर्देश नहीं दिया जा सकता

एक अंक से अनुत्तीर्ण एमबीबीएस छात्र को अनुग्रह अंक देने से हाईकोर्ट का इनकार

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एमबीबीएस प्रथम वर्ष की पूरक परीक्षा में शरीर रचना विज्ञान विषय में एक अंक से अनुत्तीर्ण छात्र को अनुग्रह अंक देने से इनकार कर दिया। जस्टिस आनंद पाठक व जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने ग्वालियर के गजरा राजा चिकित्सा महाविद्यालय के छात्र राम नरेश कुशवाहा की याचिका निरस्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के नियमों में अनुग्रह अंक देने का कोई प्रविधान नहीं है। ऐसे में विश्वविद्यालय को नियमों के विपरीत छात्र को एक अंक देने का निर्देश नहीं दिया जा सकता।

याचिकाकर्ता ने मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के विरुद्ध याचिका दायर कर शरीर रचना विज्ञान की उत्तरपुस्तिका के पुनर्मूल्यांकन व एक अनुग्रह अंक देने की मांग की थी। उसका कहना था कि वह केवल एक अंक से अनुत्तीर्ण हुआ है। यदि उसे एक अंक मिल जाए तो उसका पूरा शैक्षणिक वर्ष बच सकता है और वह द्वितीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम की कक्षाओं में शामिल हो सकेगा। छात्र ने अपनी मांग के समर्थन में भोपाल के एक अन्य चिकित्सा महाविद्यालय के प्रोफेसर की राय भी प्रस्तुत की थी। प्रोफेसर ने एक अंक दिए जाने की सिफारिश की थी। हालांकि, हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी अन्य महाविद्यालय के शिक्षक की व्यक्तिगत राय के आधार पर अनुग्रह अंक देने का आदेश नहीं दिया जा सकता। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि



जब राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के नियमों में अनुग्रह अंक देने की व्यवस्था नहीं है, तो कोर्ट विश्वविद्यालय को ऐसा करने का निर्देश नहीं दे सकती। केवल एक अंक की कमी और शैक्षणिक वर्ष बचाने का आधार नियमों के अभाव में राहत देने के लिए पर्याप्त नहीं है। इस आधार पर याचिका को सारहीन पाते हुए निरस्त कर दिया गया।

एजेंट ने प्रीमियम हड़पा, फिर भी बीमा कंपनी को देना होगा क्लेम

रीवा सड़क हादसा मामला : हाईकोर्ट ने कंपनी की अपील खारिज की

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने कहा कि बीमा प्रीमियम की राशि अधिकृत एजेंट द्वारा हड़प लिए जाने के आधार पर बीमा कंपनी मुआवजा देने की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकती। रीवा के सड़क हादसे से जुड़े मामले में यह महत्वपूर्ण व्यवस्था देते हुए कोर्ट ने इंडसइंड मार्केटिंग एंड फाइनेंशियल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड की अपील निरस्त कर दी। जस्टिस विवेक अग्रवाल की सिंगल बेंच ने कहा कि अधिकृत एजेंट ने ग्राहक से प्रीमियम वसूलने के बाद उसका गबन किया है तो इसका दायित्व कंपनी पर रहेगा। एजेंट की धोखाधड़ी को आधार बनाकर पीड़ित को बीमा क्लेम से वंचित नहीं किया जा सकता। मामला 29 जून 2019 का है। रीवा में सुबह करीब 8:30 बजे तेज रफ्तार हाइवा की टक्कर से 15 वर्षीय शनी बंसल की मृत्यु हो गई थी। दुर्घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में मुआवजे के लिए दावा प्रस्तुत किया। अधिकरण ने 22 अक्टूबर 2024 को मुआवजा देने का आदेश पारित किया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए कंपनी के शाखा प्रबंधक की ओर से हाईकोर्ट में अपील दायर की गई थी। कंपनी की ओर से दलील दी गई कि ग्राहकों से बीमा प्रीमियम वसूलने वाले प्रतिनिधि ने कई ग्राहकों की राशि का गबन कर लिया और उसे कंपनी के पास जमा नहीं किया। इसलिए कंपनी को बीमा क्लेम का भुगतान करने के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। हाई कोर्ट ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। सिंगल बेंच ने प्रतिनिधिक दायित्व के सिद्धांत का उल्लेख करते हुए कहा कि अधिकृत एजेंट अपने कार्य के दौरान धोखाधड़ी करता है तो उसके कृत्य के लिए संबंधित संस्था जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। एजेंट द्वारा प्रीमियम की राशि का गबन किया जाना बीमा कंपनी को क्लेम भुगतान के दायित्व से मुक्त करने का आधार नहीं है। कोर्ट ने मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के आदेश को बरकरार रखते हुए कंपनी की अपील खारिज कर दी। इसके साथ ही पीड़ित पक्ष को निर्धारित मुआवजे का भुगतान करने का रास्ता साफ हो गया।

हत्या के प्रयास के मामले में था फरार, सोशल मीडिया पर रील बनाकर दिखा रहा था बेफिक्री, कई जिलों में दर्ज हैं आपराधिक प्रकरण

फरारी में भी नहीं रुका 'रील' का जुनून

पांच हजार का इनामी जित्तू चाकू समेत गिरफ्तार

हरिभूमि, जबलपुर।



पुलिस से बचकर फरारी काट रहा पांच हजार रुपए का इनामी बदमाश जित्तू उर्फ जितेन्द्र पटेल सोशल मीडिया पर रील बनाने में व्यस्त था। कानून की नजरों से छिपने के बजाय वह अपनी गतिविधियों के वीडियो बनाकर बेफिक्री का प्रदर्शन कर रहा था। आखिरकार तिलवारा पुलिस ने उसकी 'रील वाली फरारी' पर ब्रेक लगाते हुए उसे घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से बटनदार धारदार चाकू भी बरामद किया गया है।

गढ़ा स्टेशन के पास बिछाया जाल

टीआई तिलवारा बृजेश मिश्रा ने बताया कि पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के निर्देश पर फरार आरोपियों और अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में गुरुवार रात सूचना मिली कि जित्तू गढ़ा स्टेशन के आसपास आने वाला है। सूचना मिलते ही टीम ने घेराबंदी की और आरोपी को दबोच लिया।

कई जिलों में दर्ज हैं मामले

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार जित्तू के खिलाफ मैहर, सिवनी, नरसिंहपुर और जबलपुर जिलों में कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस अब उसके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड, सोशल मीडिया गतिविधियों और अन्य मामलों में संभावित भूमिका की जांच कर रही है। पूछताछ के दौरान पुलिस को उसके नेटवर्क और फरारी के दौरान मदद करने वालों के संबंध में भी जानकारी मिलने की उम्मीद है।

रोज रील डालकर दिखाता रहा सक्रियता

तलाशी लेने पर उसके पास से बटनदार धारदार चाकू बरामद हुआ। पुलिस का कहना है कि आरोपी सोशल मीडिया पर रील बनाकर अपनी मौजूदगी और गतिविधियों के संकेत दे रहा था, जिससे उसकी तलाश में जुटी टीम को महत्वपूर्ण सुराग मिले।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

आरोपी की गिरफ्तारी में टीआई तिलवारा बृजेश मिश्रा, प्रधान आरक्षक 523 जयशंकर चौहान, आरक्षक 799 अभय बघेल और आरक्षक 183 शैलेन्द्र पटवा की सराहनीय भूमिका रही।

हत्या के प्रयास के मामले में था वांछित

जित्तू थाना तिलवारा के अपराध क्रमांक 16/26 में धारा 109 बीएनएस (हत्या का प्रयास) के तहत फरार चल रहा था। उस पर ग्राम भड़पुर निवासी नीलेश पटेल पर चाकू से प्राणघातक हमला करने का आरोप है। घटना के बाद से वह लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस कप्तान ने पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।

परमिट अवैध हो तब भी बीमा कंपनी को देना होगा मुआवजा

हाई कोर्ट ने कहा-बीमित वाहन की दुर्घटना पर वैधानिक दायित्व से नहीं बच सकती कंपनी

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने कहा कि बस का परमिट वैध हो या न हो, दुर्घटना के समय वाहन बीमित होने पर बीमा कंपनी दावेदारों के प्रति अपने वैधानिक दायित्व से मुक्त नहीं हो सकती। जस्टिस बीपी शर्मा की सिंगल बेंच ने इस मत के साथ ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी को 2.90 लाख रुपये का मुआवजा छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित भुगतान करने का आदेश दिया।

मामला जबलपुर में रजिस्टर्ड बस की टक्कर से बीजाडांडी थानांतर्गत गुड्डू उर्फ उमेश यादव की मृत्यु से जुड़ा है। उमेश अपने बहनोई के साथ मोटर साइकिल से जा रहे थे। दुर्घटना में उमेश की मृत्यु हो गई, जबकि उनका बहनोई घायल हुआ। पुलिस ने बस चालक के विरुद्ध धारा 279 और 337, भारतीय दंड संहिता के तहत प्रकरण दर्ज किया था। मृतक के माता-पिता रूपनारायण यादव और जानकी बाई ने मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, जबलपुर में दावा प्रस्तुत किया। अधिकरण ने 2.90 लाख रुपये का मुआवजा छह प्रतिशत ब्याज सहित देने का आदेश दिया था। बीमा कंपनी ने हाईकोर्ट में अपील करते हुए कहा कि दुर्घटना के समय बस का वैध परमिट नहीं था, इसलिए कंपनी भुगतान के लिए उत्तरदायी नहीं है। दावेदारों की ओर से अधिवक्ता सुशील त्रिपाठी ने तर्क दिया कि बस मप्र सड़क परिवहन निगम के साथ अनुबंधित थी और उसे अलग परमिट की आवश्यकता नहीं थी। बस बीमित भी थी। हाईकोर्ट ने तर्क स्वीकार करते हुए बीमा कंपनी की आपत्ति खारिज कर दी और मुआवजा भुगतान का आदेश बरकरार रखा।

कार की टक्कर से 2 की मौत

जबलपुर। सिहोरा थाना क्षेत्र में एनएच-30 पर मिश्रा पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार अर्टिगा कार ने मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार 75 वर्षीय करनदास पटेल और 56 वर्षीय उमाशंकर पटेल की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार ग्राम खुड़ावल निवासी अजय पटेल अपने पिता करनदास पटेल और रिश्ते के चाचा उमाशंकर पटेल के साथ मोटरसाइकिल से दिनारी खमरिया में सामाजिक कार्यक्रम की बैठक में शामिल होने जा रहे थे। दोपहर करीब 12 बजे जब वे मिश्रा पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, तभी जबलपुर से कटनी की ओर जा रही अर्टिगा कार क्रमांक यूपी 16 डीजेड 1243 के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी।

हाईकोर्ट ने जिला न्यायालय का आदेश निरस्त कर प्रकरण फैमिली कोर्ट भेजा

बच्चों की कस्टडी पर फैसला लेने का अधिकार फैमिली कोर्ट को

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने कहा है कि बच्चे की कस्टडी से संबंधित मामलों में निर्णय लेने का अधिकार फैमिली कोर्ट को है। जस्टिस दीपक खोत की सिंगल बेंच ने यह महत्वपूर्ण व्यवस्था देते हुए जिला न्यायालय द्वारा पारित आदेश को निरस्त कर दिया। साथ ही प्रकरण को सुनवाई के लिए संबंधित फैमिली कोर्ट के समक्ष भेजने के निर्देश दिए। मामला जबलपुर निवासी मोहन राय द्वारा दायर सिविल अपील से संबंधित था। याचिकाकर्ता ने गार्जियन एंड वार्ड्स एक्ट के तहत जिला न्यायालय में बच्चे के संरक्षण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। आवेदन पर पांच अगस्त 2025 को प्रतिवादी पत्नी को नोटिस जारी हुआ था। 25 मार्च 2026 को दोनों पक्षों की दलीलें सुनी गईं और न्यायालय ने आदेश सुरक्षित रख लिया। इसी बीच संबंधित न्यायाधीश का स्थानांतरण हो गया। इसके बाद प्रकरण छठे जिला न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत करने तथा अंतरिम आवेदन पर नए सिरे से सुनवाई के निर्देश दिए गए। आवेदन पर 12 मई की तारीख नियत थी। इससे पहले 17 अप्रैल 2026 को कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए प्रकरण की स्वीकार्यता का मुद्दा उठाया। याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि प्रतिवादी की ओर से इस संबंध में कोई आपत्ति नहीं उठाई गई थी। इसके बाद आवेदक ने 30 अप्रैल 2026 को जबलपुर के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा जारी कार्य-वितरण आदेश प्राप्त किया। इसमें गार्जियन एंड वार्ड्स एक्ट से संबंधित प्रकरण छठे जिला न्यायाधीश को सौंपे जाने का उल्लेख था। इसके बावजूद अधीनस्थ अदालत ने चार अगस्त 2026 को आदेश पारित करते हुए आवेदक को प्रकरण वापस कर उचित फोरम के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई।

डुमना रोड पर तेज रफ्तार कार पलटी, एयरबैग खुलने से चालक की बची जान

जबलपुर। एयरपोर्ट डुमना रोड पर शनिवार शाम चंडी टोला के पास तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे में कार चालक युवक को मामूली चोटें आईं। दुर्घटना के दौरान कार के एयरबैग खुल जाने से चालक गंभीर चोटों से बच गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शनिवार शाम करीब 4 बजे कार क्रमांक जीजे-38-बीबी-3178 डुमना एयरपोर्ट की ओर से आ रही थी। चंडी टोला के पास अचानक कार लहराने लगी और कुछ ही पल में अनियंत्रित होकर सड़क पर पट गई। कार के पलटते ही आसपास मौजूद लोग मदद के लिए दौड़े।

बताया गया है कि जिस समय कार अनियंत्रित होकर पलटी, उस दौरान सड़क पर कोई दूसरा वाहन या राहगीर मौजूद नहीं था। इससे बड़ा हादसा होने से टल गया। दुर्घटना में कार का अगला हिस्सा सहित अन्य हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए। कार विजय नगर निवासी एक युवक चला रहा था। वह अपने जीजा की कार लेकर डुमना की ओर गया था। हादसे के बाद क्षतिग्रस्त कार को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। स्थानीय लोगों ने डुमना रोड पर वाहनों की तेज रफ्तार को लेकर चिंता जताई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना की जानकारी ली। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

मूक-बधिर दिव्यांगों के लिए छह माह का सांकेतिक भाषा पाठ्यक्रम शुरू

जबलपुर। मूक-बधिर दिव्यांग विशेष व्यक्तियों और विद्यार्थियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा छह माह के विशेष सांकेतिक भाषा साप्ताहिक पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया गया। शनिवार को कला निकेतन पोलिटेक्निक कालेज में आयोजन हुआ। साथ ही विधिक साक्षरता शिविर भी आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण, पूजन और दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शक्ति वर्मा ने कहा कि पाठ्यक्रम का उद्देश्य मूक-बधिर दिव्यांगों को अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने तथा अपनी समस्याओं और आकांक्षाओं को शासन के सक्षम अधिकारियों तक पहुंचाने में सक्षम बनाना है। इससे वे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं से वंचित न रहें तथा आत्मनिर्भर बनकर समाज और देश की प्रगति में योगदान दे सकें। कार्यक्रम में कला निकेतन पोलिटेक्निक कालेज के प्राचार्य एसके पांडे, व्याख्याता शैली धोपे, सांकेतिक भाषा प्रशिक्षक अक्षय सोनी, अनुश्री नेमा, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सत्कार अधिकारी व्यासमुनि यादव, आईटी आफिसर सत्येंद्र त्रिपाठी, रविंद्र गुर्जर सहित राज्य और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी उपस्थित रहे। संचालन और आभार प्रदर्शन काजल नीखरे ने किया।





हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240